@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

सोमवार, 11 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 186 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री ने आर्ट ऑफ लिविंग के ध्यान मंदिर का किया उद्घाटन

• आध्यात्मिकता, युवा शक्ति व पर्यावरण पर दिया जोर

एजेंसी

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बेंगलुरु में कनकपुरा रोड स्थित आर्ट ऑफ लिविंग

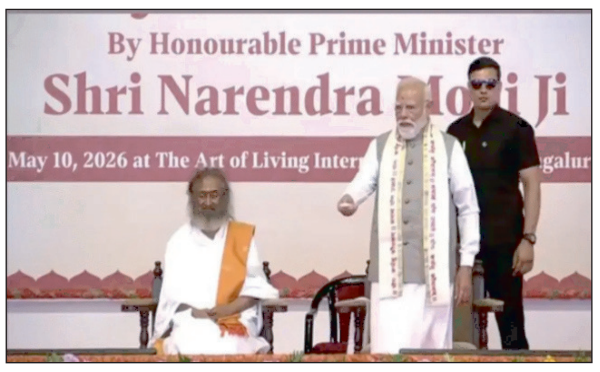

फाउंडेशन आश्रम में नवनिर्मित ध्यान मंदिर का उद्घाटन किया करने के साथ ही विभिन्न उपक्रमों का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने आध्यात्मिकता, युवा शक्ति, पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी विकास और समाज की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहा कि समाज की शक्ति ही राष्ट्र निर्माण का वास्तविक आधार है। केवल सरकारें देश को नहीं बदल सकतीं। जब समाज सक्रिय रूप से भागीदारी करता है, तभी राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज की सुबह मेरे लिए एक अलग अनुभव लेकर आई है। बच्चों का वैदिक मंत्रों से स्वागत, गुरुदेव का आशीर्वाद और आर्ट ऑफ लिविंग की सेवा परंपरा, ये सभी क्षण मेरी स्मृतियों में हमेशा बने रहेंगे।

बेंगलुरु केवल तकनीक का शहर नहीं- बेंगलुरु की विशेषता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बेंगलुरु पूरी दुनिया में अपने सॉफ्टवेयर और सेवाओं के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन यही शहर भारत की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक और आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय ही बेंगलुरु की सबसे बड़ी पहचान है। आर्ट ऑफ लिविंग की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, 'जब संकल्प स्पष्ट हो और कार्य सेवा भाव से किया जाए, तब हर प्रयास सकारात्मक परिणाम देता है।

समाज सरकार से अधिक शक्तिशाली

समाज की भूमिका पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं हमेशा मानता हूं कि समाज सरकारों से अधिक शक्तिशाली होता है। कोई भी अभियान तभी सफल हो सकता है, जब उसके पीछे समाज की शक्ति खड़ी हो। प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज दुनिया में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तेज बदलाव हो रहे हैं। भारत केवल इन परिवर्तनों का हिस्सा नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों में नेतृत्व भी कर रहा है। उन्होंने कहा, 'भारत की डिजिटल क्रांति ने देश को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक नेता बना दिया है। देश में अभूतपूर्व गति से बुनियादी ढांचे का विकास हो रहा है और भारत नवाचार के क्षेत्र में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम बन चुका है। युवा वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमारे युवा अपने उपग्रह अंतरिक्ष में भेज रहे हैं। इन उपलब्धियों के पीछे युवा शक्ति और जीवन जीने की कला की प्रेरणा है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने विजय, राहुल गांधी बोले- राज्य ने नई पीढ़ी और नई सोच को चुना

• राहुल ने उम्मीद जताई कि विजय राज्य की जनता की आकांक्षाओं और उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए अभिनेता से नेता बने विजय ने रविवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई प्रमुख विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण के बाद राहुल गांधी ने विजय को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तमिलनाडु ने 'नई पीढ़ी, नई आवाज

और नई सोच' को चुना है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि तमिलनाडु की जनता ने बदलाव के पक्ष में अपना फैसला दिया है। राहुल ने उम्मीद जताई कि विजय राज्य की जनता की आकांक्षाओं और उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। चेन्नई में रविवार सुबह 11 बजे आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (माकपा) और विदुथलाई चिरुथइगल काची (वीसीके) के नेताओं ने भी हिस्सा लिया। इन दलों ने विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को समर्थन दिया है। शपथ लेने के बाद विजय ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल का समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 31 मई को

• पारस्परिक संबंध होंगे मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अफ्रीकी संघ आयोग के सहयोग से 31 मई को नई दिल्ली में चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन होगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच पारस्परिक संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य के सहयोग की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

'आईए स्पिरिट: नवाचार, लचीलापन और समावेशी परिवर्तन के लिए भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझीदारी' के मुख्य विषय के साथ होने वाले इस सम्मेलन में अफ्रीकी महाद्वीप के शीर्ष नेता और क्षेत्रीय संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे, जिसका उद्देश्य भारत की विकास यात्रा को अफ्रीका के 'एजेंडा 2063' के साथ जोड़ना है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बीते 23 अप्रैल को इस शिखर सम्मेलन के आधिकारिक प्रतीक चिह्न (लोगो), वेबसाइट और थीम का अनावरण किया था, जो इस दीर्घकालिक साझीदारी के बहुआयामी स्वरूप को प्रदर्शित करता है। मुख्य शिखर सम्मेलन से पूर्व कूटनीतिक स्तर पर बैठकों का दौर शुरू होगा, जिसके तहत 28 मई को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक और 29 मई को भारत-अफ्रीका विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की जाएगी ताकि सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की जा सके। यह शिखर सम्मेलन वर्ष 2008 में नई दिल्ली से शुरू हुई उस ऐतिहासिक यात्रा का अगला चरण है, जिसने दिल्ली घोषणापत्र और

रणनीतिक सहयोग के माध्यम से विकासशील देशों के बीच दक्षिण-दक्षिण सहयोग की एक नई मिसाल पेश की है। सरकारी वार्ताओं के साथ-साथ इस बार सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को नई ऊर्जा देने के लिए भारत-अफ्रीका संगीत एवं नृत्य महोत्सव, बिजनेस डायलॉग, प्रदर्शनी और ट्रैक-2 संवाद जैसे विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच जन-भागीदारी और साझा समृद्धि के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाएंगे।

तमिलनाडु में एम.वी. करुप्पैया बने प्रोटेम स्पीकर

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत के बीच शोलावंदन से तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) विधायक एम.वी. करुप्पैया को विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया। रविवार को राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब अभिनेता से नेता बने विजय ने रविवार को ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। 2026 विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटों पर जीत दर्ज की और राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने में सफलता हासिल की। तमिलनाडु विधानसभा सचिवालय के अनुसार, 17वीं विधानसभा का पहला विशेष सत्र सोमवार सुबह 9:30 बजे आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में सभी नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। प्रोटेम स्पीकर के रूप में एम.वी. करुप्पैया विधायकों को

शपथ दिलाने की जिम्मेदारी निभाएंगे। इसके बाद 12 मई को विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। एम.वी. करुप्पैया का राजनीतिक सफर भी काफी दिलचस्प रहा है। उन्होंने वर्ष 2011 में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के टिकट पर शोलावंदन सीट से जीत दर्ज की थी। हालांकि, 2016 और 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्हें पार्टी से टिकट नहीं मिला। बाद में मार्च 2026 में उन्होंने टीवीके का दामन थामा और इसी वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में शोलावंदन (आरक्षित) सीट से जीत हासिल कर दोबारा विधानसभा पहुंचे। वहीं मुख्यमंत्री विजय ने रविवार सुबह चेन्नई सचिवालय पहुंचकर आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाला। इससे पहले जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल अर्लेकर ने विजय और उनके नौ मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय ने तिरुचिरापल्ली पूर्व विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया, जबकि पेरम्बूर सीट को अपने पास बरकरार रखा। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उनका इस्तीफा मंत्रियों के.ए. सेंगोट्टैयन और पी. वेंकटरमन के माध्यम से विधानसभा के प्रमुख सचिव के. श्रीनिवासन को सौंपा गया।

संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी पर गरमाई सियासत

पंजाब के कई शहरों में प्रदर्शन

लुधियाना और बठिंडा में आमने-सामने आए भाजपा और आम आदमी पार्टी के समर्थक

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी के बाद राज्य की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। रविवार को आम आदमी पार्टी ने पूरे पंजाब में भाजपा के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किए। कई जिलों में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा दफ्तरों के बाहर पहुंच गए, जहां दोनों दलों के समर्थक आमने-सामने आ गए। इस दौरान लुधियाना और बठिंडा में स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसके बाद पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा।

लुधियाना में सबसे ज्यादा तनाव उस समय देखने को मिला जब आप की लुधियाना इकाई कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी के विरोध में भाजपा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रही थी। आप कार्यकर्ता भाजपा के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे और ईडी कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बता रहे थे। इसी दौरान भाजपा कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों के

बीच तीखी नारेबाजी शुरू हो गई। स्थिति तब और बिगड़ गई जब दोनों पक्षों के कार्यकर्ता एक-दूसरे के करीब पहुंच गए। इस दौरान भाजपा के एक कार्यकर्ता के हाथ में चोट लग गई और खून बहने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भाजपा कार्यकर्ताओं ने आप कार्यकर्ताओं की ओर झाड़ू भी फेंकी। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता भी शामिल थीं। भाजपा की ओर से प्रदेश महासचिव अनिल सरीन, जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान और वरिष्ठ नेता परवीन बंसल मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का नेतृत्व किया। वहीं, आप नेताओं ने भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। लुधियाना के गिल रोड स्थित दाना मंडी इलाके में आप कार्यकर्ताओं ने भाजपा का पुतला भी फूंका। आप नेताओं का कहना था कि विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब में ईडी की कार्रवाई कर विपक्षी नेताओं को डराने की कोशिश की जा रही है। आप लुधियाना शहरी इकाई के अध्यक्ष जतिंदर खंगूरा ने कहा कि संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी गैरकानूनी है और यह लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ईडी का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों की आवाज दबाने के लिए कर रही है। वहीं बठिंडा में भी भाजपा कार्यालय के बाहर तनावपूर्ण माहौल देखने को मिला।

बेंगलुरु में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से तीन किमी दूर मिला विस्फोटक

एजेंसी

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बेंगलुरु दौरे के दौरान शहर में जिलेटिन की छड़ें मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने जिलेटिन की छड़ों को सावधानीपूर्वक हटाया गया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। बताया गया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से डेढ़ घंटे पहले आसपास सुरक्षा चेकिंग के दौरान कग्गलीपुर के ततगुनी के पास स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर आश्रम के बाहरी हिस्से में यानी कार्यक्रम स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर एनआईसीई रोड जंक्शन से लगभग एक किलोमीटर दूर सड़क से करीब 20 से 25 फीट अंदर एक संदिग्ध पैकेट मिला। उसने इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर ली गई। जांच करने पर उसमें दो जिलेटिन की छड़ें पाई गईं।

'पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से करें इस्तेमाल'

देश की विदेशी मुद्रा की बचत होगी और युद्ध जैसे हालात का असर भी कम पड़ेगा।

एजेंसी

हैदराबाद। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और दुनिया में गहराते ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से पेट्रोलियम उत्पादों

का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस जैसी चीजों का जरूरत के हिसाब से उपयोग करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि इससे देश की विदेशी मुद्रा की बचत होगी और युद्ध जैसे हालात का असर भी कम पड़ेगा। हैदराबाद में 9,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही।

पीएम मोदी ने पेट्रोलियम उत्पादों को लेकर क्या कहा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अगर लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल, डीजल और गैस का इस्तेमाल करेंगे तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बड़े ऊर्जा संकट से गुजर रही है और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने चिंता और बढ़ा दी है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग बहुत सोच-समझकर करें। उन्होंने कहा कि इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी बल्कि युद्ध और वैश्विक संकट का असर भी कम होगा।

तेलंगाना के विकास को लेकर पीएम मोदी ने क्या कहा?

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को केंद्र के साथ मिलकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अलग-अलग दलों की सरकार होना गलत नहीं है, लेकिन राज्य और देश के विकास के लिए साथ मिलकर काम करना जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा कि अगर राज्य आगे बढ़ेगा तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना के लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए और तेज गति से काम करती रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में सिंधु अस्पताल का किया उद्घाटन

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को हैदराबाद में सिंधु अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल शहर और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा अत्याधुनिक तकनीक और नवाचार को स्वास्थ्य सेवाओं के साथ जोड़ने के प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अस्पताल की टीम ने आधुनिक तकनीक के समावेश पर विशेष ध्यान दिया है, जो सराहनीय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंधु अस्पताल के शुरू होने से हैदराबाद और आसपास के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने इसे स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को आम लोगों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

अमित शाह ने लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक के दौरान संभावित बाढ़ और लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में स्थित 30 उच्च जोखिम वाली झीलों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना में कम से कम 60 झीलों को शामिल किया जाना चाहिए। यह प्रणाली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से विकसित की जानी चाहिए। श्री शाह ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर बाढ़ पूर्वानुमान के लिए एक एकीकृत प्रणाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन दल (एफसीएमटी) गठित और सक्रिय किए जाने चाहिए। आपदाओं के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा जारी दिशानिर्देशों से जागरूकता बढ़ी है और समग्र सरकारी दृष्टिकोण विकसित हुआ है लेकिन राज्य, जिला और नगरपालिका स्तर पर इन दिशानिर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करने से इनके कार्यान्वयन को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने एनडीएमए को एक अध्ययन करना चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि कितने राज्य वन अग्नि, लू और बाढ़ से निपटने के लिए गृह मंत्रालय के निर्देशों और एनडीएमए के दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल भंडारण और चेक डैम परियोजनाओं के माध्यम से जल संरक्षण और भूजल स्तर में सुधार की अधिक संभावनाओं का पता लगाया जाना चाहिए। हमारा उद्देश्य नदियों पर चेक डैम बनाकर जल संरक्षण करना और साथ ही लू के प्रभाव को कम करना होना चाहिए।

मध्य प्रदेश में पीएमजीएसवाई-4 की शुरुआत

• शिवराज ने ग्रामीण विकास के लिए हजारों करोड़ की सौगात दी

एजेंसी

सीहोर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के भैरूंदा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित रजत जयंती समारोह में पीएमजीएसवाई-4 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने राज्य के लिए ग्रामीण सड़क, आवास और विकास से जुड़ी हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं और स्वीकृतियों की घोषणा की।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान, प्रदेश मंत्री करण सिंह वर्मा, जनप्रतिनिधि तथा केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गांव की सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि समृद्धि, सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और अवसरों का मार्ग हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गांव, गरीब, किसान और महिलाओं के जीवन में ठोस और प्रत्यक्ष परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से समृद्ध, आत्मनिर्भर, विकसित और आर्थिक रूप से मजबूत राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ग्रामीण विकास की योजनाओं का उद्देश्य विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है। कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश को पीएमजीएसवाई-4 के तहत 2,117.52 किलोमीटर लंबाई वाली 973 सड़कों की स्वीकृति दी गई, जिनकी अनुमानित लागत 1,763.08 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं से राज्य की 987 बस्तियों को

लाभ मिलने और ग्रामीण संपर्क व्यवस्था मजबूत होने की उम्मीद जताई गई है। विदिशा संसदीय क्षेत्र के लिए अलग से 600.393 किलोमीटर लंबाई वाली 259 सड़कों को मंजूरी दी गई, जिससे 264 बस्तियों को लाभ मिलेगा। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विदिशा संसदीय क्षेत्र में 500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सड़कें बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता है कि कोई भी गांव सड़क संपर्क से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के मानकों और पात्रता को पूरा करने वाली सभी सड़कों को मंजूरी दी जाएगी। क्षेत्रीय विकास से जुड़ी स्थानीय मांगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन पर व्यावहारिक और ठोस निर्णय लिए जाएंगे।

हम दुनिया को दिखाएंगे सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं

-टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री बनी कीर्तना ने बोली फर्राटेदार हिंदी

चेन्नई (एजेंसी)। विजय ने जिस दिन सीएम पद की शपथ ली, उसी दिन एस कीर्तना ने तमिलनाडु में टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में शपथ ली। वह नवगठित मंत्रिमंडल में शामिल 9 मंत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने रविवार सुबह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एन आनंद, आधव अर्जुन, के ए सेंगोत्तैयान, पी वेंकटरमनन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, टी के प्रभु और के जी अनुराज के साथ शपथ ग्रहण की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शपथ ग्रहण करने के बाद कीर्तना ने कहा कि तमिलनाडु की नई सरकार शासन में एक मिसाल कायम करेगी। उन्होंने कहा कि यह अविश्वसनीय है क्योंकि किसी अन्य राज्य में इस तरह का कैबिनेट मंत्री नहीं होगा। कोई हमें ऐसा मौका नहीं देगा। हम दुनिया को दिखाएंगे कि हम सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं। कीर्तना शिवकाशी से नवनिर्वाचित विधायक हैं, जिसे अक्सर भारत की आतिशबाजी राजधानी कहा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त कीर्तना 29 साल की आयु में मंत्रिमंडल की सबसे युवा सदस्य हैं। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में 11,697 वोटों के अंतर से शिवकाशी सीट जीती। वह विजय के मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला हैं और शिवकाशी से पहली महिला विधायक हैं, जिन्होंने इस निर्वाचन क्षेत्र में करीब सात दशकों के पुरुष वर्चस्व को खत्म किया है।

कई भाषाओं में धाराप्रवाह बोलने वाली कीर्थना ने हिंदी पर अपनी मजबूत पकड़ के लिए ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने अपने भाषण में फर्राटेदार हिंदी बोली। विशेष रूप से तमिलनाडु में, जहां भाषा एक संवेदनशील और राजनीतिक रूप से अहम मुद्दा बनी हुई है। विजय ने रविवार को तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत हुई। विजय ने जनता को उनके जनादेश के लिए धन्यवाद दिया और धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय पर आधारित सरकार बनाने के लिए एकजुट प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वे एक साधारण व्यक्ति हैं जो झूठे वादों से बचेंगे और केवल उन्हीं कार्यों को पूरा करेंगे जो संभव हैं।

सुप्रिया सुले की कार को दूसरे वाहन ने बगल से टक्कर मारी, बाल-बाल बचीं, सभी लोग सुरक्षित

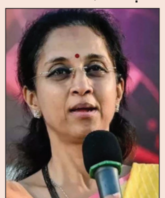

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले शनिवार को एक सड़क हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गईं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी कार को बगल से टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इस घटना में सुप्रिया सुले और उनके साथ मौजूद सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस भयावह अनुभव को साझा करते हुए बताया कि पुणे से मुंबई आते समय गुजरात पंजीकरण नंबर वाले एक वाहन ने लापरवाही से उनकी कार को टक्कर मारी। उन्होंने वाहन की नंबर प्लेट साझा करते हुए ड्राइवरों से सीट बेल्ट पहनने और जिम्मेदारी से गाड़ी चलाने की अपील की। उन्होंने कहा, तेज गति और लापरवाही जानलेवा हो सकती है, यह घटना हम सभी के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

राज्यसभा नहीं जाएंगे जय पवार

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के छोटे बेटे जय पवार ने राज्यसभा जाने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी मां वर्ष 2029 में मुख्यमंत्री पद की दावेदार होंगी। मीडिया से बातचीत में जय पवार ने कहा कि वह राज्यसभा नहीं जाएंगे और बारामती में रहकर लोगों के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, बारामती के लोग और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के कार्यकर्ता चाहते थे कि अजित पवार मुख्यमंत्री बनें, लेकिन उनके आकस्मिक निधन के कारण यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। अब कार्यकर्ताओं और लोगों को उम्मीद है कि सुनेत्रा पवार मुख्यमंत्री बनकर अजित दादा की इच्छा पूरी करेंगी।

झारखंड के शराब घोटाले की जांच रही बेनतीजा, जमानत पर रिहा हुए सभी आरोपी

रांची (एजेंसी)। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी को एक साल पूरा होने वाला है, लेकिन जांच अब तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। 20 मई 2025 को दर्ज हुई इस प्राथमिकी के बाद एसीबी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एजेंसी ने पिछले एक साल के दौरान निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे समेत 17 रसूखदार अधिकारियों और शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर जेल तो भेजा, लेकिन समय पर उनके विरुद्ध आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल करने में विफल रही। एसीबी की इस सुस्ती का सीधा लाभ आरोपितों को मिला और एक-एक कर लगभग सभी आरोपित डिफॉल्ट बेल पाकर जेल से बाहर आ गए। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि एसीबी ने गिरफ्तारी के समय जितनी तत्परता दिखाई थी, उतनी ही उदासीनता चार्जशीट दाखिल करने में बरती गई। एजेंसी के अधिकारियों ने दलील दी कि उनकी तैयारी पूरी नहीं थी, जिसके कारण निर्धारित समय सीमा के भीतर कानूनी दस्तावेज अदालत में पेश नहीं किए जा सके। गौरतलब है कि 20 मई 2025 को कार्रवाई शुरू करते हुए एसीबी ने सबसे पहले तत्कालीन आईएएस विनय कुमार चौबे, उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह और प्लेसमेंट एजेंसी के नीरज कुमार को सलाखों के पीछे भेजा था। उस समय अदालत में दावा किया गया था कि अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के पुख्ता सबूत मौजूद हैं। हालांकि, इन दावों के बावजूद जांच एजेंसी कानूनी प्रक्रिया को अंजाम तक नहीं पहुंचा पाई। फिलहाल, विनय कुमार चौबे एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि सिंडिकेट के बाकी सभी सदस्य बाहर आ चुके हैं। यह पूरा घोटाला वर्ष 2022 की नई उत्पाद नीति से जुड़ा है। आरोप है कि छत्तीसगढ़ के शराब सिंडिकेट के साथ मिलकर नियमों में मनमाना बदलाव किया गया और फर्जी बैंक गारंटी के आधार पर चहेती प्लेसमेंट एजेंसियों को मैनपावर सप्लाई का ठेका दिया गया। शुरुआती जांच में यह घोटाला 38 करोड़ रुपये का बताया गया था, लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, इसके 750 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया। आरोप है कि इस पूरी साजिश से राज्य के खजाने को भारी चपत लगी और निजी कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। अब एक साल बीतने के बाद भी एसीबी की चार्जशीट का इंतजार जारी है।

एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट में मां और दो बेटियों की मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के ब्यावर जिले में रविवार को एलपीजी सिलेंडर में गैस लीकेज से हुए धमाके में एक महिला और उसकी दो बेटियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रायपुर मारवाड़ उपखंड क्षेत्र के कानचा उड़ावता गांव में हुआ। जानकारी के अनुसार, महिला सुबह चाय बनाने के लिए रसोई में गई थी। जैसे ही उसने गैस चालू की, लीकेज के कारण अचानक आग भड़क उठी और जोरदार धमाका हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि महिला और दोनों बच्चियां बाहर नहीं निकल सकीं। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक रसोई पूरी तरह जल चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में सिलेंडर से गैस रिसाव को हादसे की वजह माना जा रहा है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिद्धार्थनगर में जहरीला हुआ सरसों तेल, 28 में से 22 नमूने फेल, सेहत से खिलवाड़ का बड़ा खुलासा

सिद्धार्थनगर (एजेंसी)। जिले में रसोई के सबसे अनिवार्य हिस्से, सरसों तेल की शुद्धता को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गई हालिया जांच में सरसों तेल के 28 नमूनों में से 22 नमूने फेल पाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जांचे गए नमूनों में से छह में लेबलिंग की खामियां मिलीं, जबकि अन्य नमूनों में सीधे तौर पर मिलावट की पुष्टि हुई है। यह स्थिति जिले के लाखों उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है। विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के 25 नमूनों के साथ पिछले वर्ष के तीन लंबित नमूनों की रिपोर्ट सार्वजनिक की है। तकनीकी जांच में कई नमूनों की आयोडीन, सपोनिफिकेशन और रेंसी वैल्यू तय मानकों से काफी अधिक मिली है। विशेष रूप से बांसी कस्बे से लिए गए एक नमूने में आयोडीन वैल्यू खतरनाक स्तर पर पाई गई। जानकारों का कहना है कि तेल के मानकों में इस तरह की गिरावट सेहत के लिए बेहद हानिकारक हो सकती है। जिले में सरसों का स्थानीय उत्पादन कम होने के कारण लगभग 95 प्रतिशत आबादी बाजार के ब्रांडेड और खुले तेल पर निर्भर है।

शेख हसीना ने बंगाल के सीएम सुवेंदु को दी बधाई, कहा-मित्रता और संबंध होंगे मजबूत

जम्मू (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सीएम के रूप में शपथ लेने वाले सुवेंदु अधिकारी को बधाई दी। बांग्लादेश अवामी लीग ने भी एक पत्र साझा कर अधिकारी को बधाई दी। पत्र में अवामी लीग पार्टी ने अपने संदेश में, उन्होंने पश्चिम बंगाल के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना की। शेख हसीना ने आशा व्यक्त की कि उनके सक्षम नेतृत्व में पश्चिम बंगाल का विकास और भी तीव्र होगा और बांग्लादेश और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे मित्रता और सहयोग के संबंध और मजबूत होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पत्र में आगे कहा गया कि उन्होंने पश्चिम बंगाल के सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों और जनता के निरंतर समृद्धि और खुशहाली की भी कामना की। सुवेंदु अधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के साथ हुआ। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में बीजेपी ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर शानदार जीत हासिल की और टीएमसी के 15 साल के शासन का अंत किया। वहीं तृणमूल ने 80 सीटें जीतीं।

केरल में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए रार

-दिल्ली में शुरु हुआ मंथन, टटोला जा रहा है मन

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के 10 साल के शासन को उखाड़ फेंकने के बाद कांग्रेस गठबंधन (यूडीएफ) सत्ता में वापसी तो कर चुका है, लेकिन पार्टी के भीतर जश्न से ज्यादा मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पद के लिए तीन दिग्गजों-वीडी सतीसन, रमेश चेन्निथला और केसी वेणुगोपाल के बीच छिड़ी यह जंग अब सड़कों तक पहुंच गई है। शनिवार को केरल कांग्रेस के तमाम बड़े नेता दिल्ली में डेरा डाले रहे, जहां आलाकमान के साथ बैठकों का दौर जारी रहा। माना जा रहा है कि अगले 24 घंटों में केरल के नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग जाएगी।

सत्ता की यह होड़ उस समय विवादित हो गई जब तिरुवनंतपुरम से लेकर इडुक्की तक समर्थकों ने अपने-अपने पसंदीदा नेताओं के पक्ष में पोस्टर युद्ध छेड़ दिया। इडुक्की में दिवंगत नेता ओमान चांडी और राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल की तस्वीर वाले फ्लेक्स बोर्ड को फाड़कर उस पर कालिख पोत दी गई, जिसकी कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन और पीजे कुरियन ने कड़ी निंदा की है। वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि दबाव की राजनीति से नेतृत्व तय नहीं किया जा सकता। दावेदारों की बात करें तो निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीसन को एलडीएफ के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने के लिए जाना जाता है और उन्हें मुस्लिम लीग का भी समर्थन प्राप्त है। दूसरी ओर, रमेश चेन्निथला की संगठन पर मजबूत पकड़ है और उन्हें सोनिया गांधी का करीबी माना जाता है। वहीं, केसी वेणुगोपाल राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेहद भरोसेमंद हैं, हालांकि उन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। इनके साथ ही तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर का नाम भी चर्चा में है, जिन्होंने हाल ही में पार्टी अध्यक्ष से मुलाकात कर राज्य की स्थिति पर फीडबैक दिया है। चयन प्रक्रिया के तहत एआईसीसी पर्यवेक्षकों ने विधायकों की व्यक्तिगत राय लेकर रिपोर्ट मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दी है। शनिवार को खड़गे के आवास पर हुई अहम बैठक में गठबंधन के साथियों, विशेषकर मुस्लिम लीग की पसंद पर भी विचार किया गया। वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन ने स्पष्ट किया कि केवल वरिष्ठता ही नहीं, बल्कि सहयोगियों की राय भी इस फैसले में महत्वपूर्ण होगी। अब सबकी निगाहें राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के अंतिम फैसले पर टिकी हैं, ताकि नई सरकार के शपथ ग्रहण से पहले पार्टी की गुटबाजी को शांत किया जा सके।

अब एक और आप विधायक विवादों में, युवक ने लगाए नौकरी का झांसा देकर पैसे लेने के आरोप

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लुधियाना से आम आदमी पार्टी के विधायक अशोक कुमार पाराशर विवादों में घिरते हुए नजर आ रहे हैं। फर्जी नौकरियों के लगे आरोपों में घिरा युवक निखिल सभ्रवाल मीडिया के सामने आया। निखिल ने बताया कि उसके ऊपर गलत आरोप लगाए गए हैं। जबकि नौकरियों का झांसा देकर लोगों को जितने भी पैसे लिए जाते थे वह विधायक पाराशर को दिए जाते थे।

मीडिया के सामने आए निखिल ने बताया कि जब उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया तो उसे मजबूरन मीडिया के सामने आना पड़ा। उसे नकली पीए बोलकर 2 साल बाद मामला दर्ज करवा दिया गया है। विधायक उसे 13 हजार रुपए देते थे। जितने भी उल्टे सीधे काम होते थे उससे करवाते थे। जेब खर्च पानी के लिए 5-6 हजार देते थे।

निखिल ने कहा कि क्या पहले ये लोग सो रहे थे, अब इन्हें याद आ गई। मेरे उपर आरोप लगाए गए हैं, नकली पीए है। उसने कहा कि मेरा आईडी कार्ड, सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक और इंस्टाग्राम चेक कर सकते हैं। मेरी वीडियो और तस्वीरें चेक कर लें। युवक ने कहा कि वह अशोक पाराशर पप्पी का पीए है। उसका आफिस इंचार्ज का आईकार्ड बना हुआ है। जब 2022 में वह विधायक बने तब से उनके साथ काम कर रहा हूं। उसे प्राइवेट रखा हुआ था। युवक निखिल ने बताया कि, विधायक के दफ्तर का सारा काम वह करता था। सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक वह दफ्तर में ही काम करता था।

निखिल ने आरोप लगाते हुए कहा कि लोगों को नौकरियां देने का झांसा देकर 1.70 लाख रुपए लिए जिन्हें विधायक को दिए। ये रकम इतनी ही नहीं बल्कि 80-90 करोड़ों रुपए से ज्यादा तक जाएगी। अभी तो सिर्फ 2 लोग ही सामने आए हैं, जिससे ये मामला सामने आया। डीसी रेट की भर्ती के लिए एक लाख रुपए लेने के लिए कहा जाता था। किसी व्यक्ति से 90 हजार रुपए लेकर 10 हजार निखिल खुद रखता था। उसके रिश्तेदार भी फंस गए। निखिल ने बताया कि उसके पिता की मौत 2022 में हो गई है, उसके परिवार में उसकी मां, दादी, और बहन है। जिन लोगों को नौकरी की बात का झांसा दिया उनमें उसके परिवार के लोग भी शामिल है। युवक ने कहा कि, विधायक के कारण उसका अपना घर बिक गया।

निखिल ने कहा कि हर बार उसे कहा जाता था कि, तेरा काम सही है हमारे साथ रहेगा तो आगे तक जाएगा। चुनावों के दौरान प्रचार दौरान जितने भी पेमेंट गई उसके बिल पड़े हैं। इसके अलावा उसके पास बैंक खातों के स्टेटमेंट भी है। निखिल ने कहा आने वाले समय में सभी सबूत दिखा दूंगा। उसने अपना आईडी कार्ड दिखाते हुए कहा कि वह नकली पीए नहीं है। उसकी सोशल मीडिया पर निखिल सभ्रवाल की आईडी है। कोई भी विधायक ऐसे ही किसी को अपनी कुर्सी पर नहीं बैठाता। किसी व्यक्ति ने मेरी शिकायत करवा दी, कि ये विधायक पाराशर का पीए है। युवक ने बताया कि उसकी 2 नंबर थाने में शिकायत दी गई। थाने का टीएसपी भनोट विधायक पाराशर का खास दोस्त है। शिकायत मिलने पर उसने विधायक को फोन कर दिया कि, आपके खिलाफ शिकायत मिली है। इसके बाद विधायक ने कहा कि इसके खिलाफ मामला दर्ज कर लो नहीं तो मैं फंस जाऊंगा।

इसके बाद निखिल 2 महीने दुबई चला गया, लेकिन इस दौरान उसके परिवार वालों को तंग किया जाता था। उसके घर में अलग-अलग थाने की पुलिस आती थी। इस बात से परेशान होकर वह वापस आया है। और लोगों को सच्चाई बताई। प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की जांच सीबीआई और होम मिनिस्टर, ईडी से जांच करवाई जाए। क्योंकि पंजाब की पुलिस से कोई उम्मीद नहीं है। युवक ने अपनी जान को भी खतरा बताया। उसने कहा कि वह मीडिया के सामने नहीं आना चाहता था। परिवार वालों की जान को खतरा है। जल्द से जल्द पूरे प्रूफ सार्वजनिक करूंगा।

वहीं, दूसरी तरफ विधायक अशोक पाराशर ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे विपक्ष की ओछी साजिश बताया है। विधायक ने कहा कि आरोपी उसके आफिस में आता था और जब उन्हें उसकी ठगी का पता चला, तो उन्होंने खुद पीड़ितों की मदद की और पुलिस से केस दर्ज करवाया। आरोपी अब बीजेपी नेता गुरदेव देबी के साथ मिलकर उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। आरोपी के पास कोई सबूत नहीं है। सिर्फ फर्जी कागज़ दिखा कर आरोप लगा रहा है। उसकी किसी बात में कोई सच्चाई नहीं है।

हार के बाद भाजपा को हराने साझा मंच बनाने निकलीं ममता

एकजुट होने की कर रहीं अपील

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद राज्य की राजनीति में मचे उथल-पुथल के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। राज्य की सत्ता भाजपा के हाथों में जाने के बाद अब ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद शुरू कर दी है। शनिवार को रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर कालीघाट स्थित अपने आवास पर आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी भाजपा विरोधी ताकतों को एक साझा मंच पर आने का आह्वान किया।

ममता बनर्जी ने अपनी अपील में न केवल क्षेत्रीय दलों, बल्कि वामपंथी और अति-वामपंथी विचारधारा वाले दलों को भी साथ आने को कहा। उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए वह किसी भी दल से संवाद करने को तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब यह सोचने का समय नहीं है कि दुश्मन का दुश्मन दोस्त है, बल्कि यह समझने की जरूरत है कि मुख्य वैचारिक और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भाजपा है और उससे मुकाबला करने के लिए एकजुटता अनिवार्य है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि चुनाव परिणामों के बाद से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में टीएमसी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में गुंडागर्दी बढ़ गई है और असामाजिक तत्व सत्ताधारी दल की आड़ में हिंसा फैला रहे हैं। अपने कार्यकाल की याद दिलाते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 2011 में जब वह पहली बार सत्ता में आई थीं, तब उन्होंने इस तरह की प्रतिशोध की राजनीति को अनुमति नहीं दी थी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में पश्चिम बंगाल की 294 सीटों में से भाजपा ने 207 सीटों पर प्रचंड जीत हासिल कर पहली बार राज्य में अपनी सरकार बनाई है। वहीं, टीएमसी को महज 80 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है। इस हार के बाद ममता बनर्जी अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा तैयार करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके इस न्यौते पर अन्य विपक्षी दल क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

हमारी प्राथमिकता बंगाल को नए सिरे से बनाना और जनता का विश्वास जीतना

-मंत्री घोष बोले- यह तय कर रहे हैं किसे कौन सी जिम्मेदारी और भूमिका सौंपी जाए

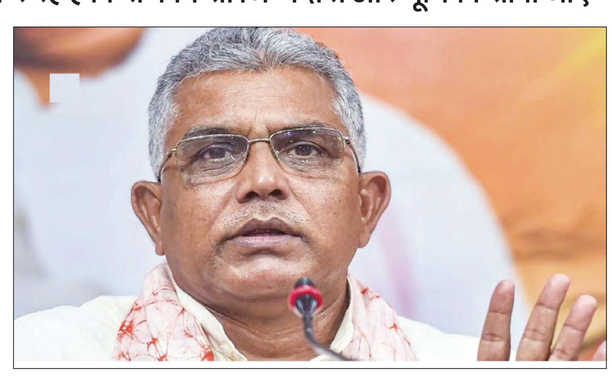

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब पार्टी जनता का विश्वास जीतने में लगी है। मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि आज छुट्टी है और सोमवार को एक बैठक होगी जिसमें कई फैसले लिए जा सकते हैं। हम लोग जनता का विश्वास जीत रहे हैं। घोष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता बंगाल को एक नए सिरे से बनाना है क्योंकि कई व्यवस्थाएं बिगड़ चुकी हैं। कानून-व्यवस्था कमजोर है और लोग कई सालों से डर के साए में जी रहे हैं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं है, स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है और उद्योग या रोज़गार के अवसर बहुत ही कम हैं। उन्होंने कहा पार्टी के नेता आपस में चर्चा कर रहे हैं और यह तय कर रहे हैं कि किसे कौन सी जिम्मेदारियां और भूमिकाएं सौंपी जाएंगी, जिससे पश्चिम बंगाल में विकास का काम तेजी से हो सके। हमारी प्राथमिकता जनता की समस्याओं को दूर करना है। घोष ने कहा कि हमें बंगाल को फिर से बनाना है। हमें हर चीज पर काम करना होगा और इसमें समय लगेगा। हालांकि हम तुरंत काम शुरू कर देंगे और आप बदलाव देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 207 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया है और टीएमसी के 15 साल के शासन को खत्म कर दिया है। जनता को पहले ही विश्वास हो गया था कि बीजेपी ही पश्चिम बंगाल का विकास कर सकती है। वहीं यूपी सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल का विकास बीजेपी की प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने वहां की जनता से विकास का जो वादा किया है, हम निश्चित तौर पर उसे निभाएंगे। पश्चिम बंगाल में अवैध रूप से घुसपैठ होती थी। भारतीयों के हितों की रक्षा के लिए जरूरी है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था मजबूत हो। वहां शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर काम होना चाहिए।

पाकिस्तान की निकलेगी दम, भारत तैयार कर रहा एक विशाल 'ड्रोन फोर्स'

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने बदली जंग की रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने पहली बार एक विशाल 'ड्रोन फोर्स' तैयार करने का फैसला कर लिया है। यह नई फोर्स भविष्य के किसी भी सैन्य हमले में 'फर्स्ट रेस्पॉन्डर' यानी सबसे पहले जवाबी कार्रवाई करने वाली ताकत होगी। रक्षा प्रतिष्ठान के मुताबिक इस फोर्स को डेटा और कॉग्निटिव वारफेयर सिस्टम का तकनीकी सहयोग मिलेगा, जिससे युद्ध के दौरान दुश्मन की गतिविधियों पर तेजी से नजर रखी जा सकेगी और सटीक हमले किए जा सके।

इंटीग्रेटेड रक्षा मुख्यालय के अनुसार फिलहाल करीब 50 हजार सैन्य कर्मियों को ड्रोन संचालन और आधुनिक युद्ध तकनीकों का प्रशिक्षण मिल रहा है। अगले तीन वर्षों में 15 नए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाए जाएंगे, जहां सिम्युलेटर और वर्चुअल रियलिटी के जरिए सैनिकों को रीयल-टाइम बैटल ट्रेनिंग दी जाएगी। भविष्य में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) को भी नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। यह फोर्स इंटेलिजेंस, सर्विलांस और प्रिसीजन स्ट्राइक यानी सटीक हमले की दोहरी भूमिका निभाएगी। इस वायुसेना के इंटीग्रेटेड एयर कमांड और सेना के 'आकाशतीर' सिस्टम का सुरक्षा कवच मिलेगा।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद रक्षा उत्पादन में भी तेजी से आत्मनिर्भरता हासिल की है। देश का रक्षा उत्पादन 1.54 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। तीनों सेनाओं के लिए थिएटर कमांड की तैयारी हो रही है। दुश्मन के सस्ते ड्रोन हमलों से निपटने के लिए अब 'सॉफ्ट किल' तकनीक जैसे जैमिंग और स्पूफिंग के साथ 'हार्ड किल' तकनीक जैसे लेजर आधारित डायरेक्टेड एनर्जी वेपन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

ड्रोन फोर्स की अवधारणा तब मजबूत हुई जब पाकिस्तान ने करीब 1,000 ड्रोन के जरिए भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम की कमजोरियों को परखने की कोशिश की। इसके बाद सेना ने तय किया कि भविष्य के युद्धों में हर सैनिक के पास अपना ड्रोन होना चाहिए। योजना के तहत सेना की प्रत्येक कोर में लगभग 8,000 ड्रोन शामिल किए जाएंगे, जिससे एक लाख ड्रोन की बड़ी ताकत तैयार होगी।

देश में रक्षा क्षेत्र में स्टार्टअप और एमएसएमई की भूमिका भी तेजी से बढ़ रही है। इस वर्ष 120 नए डिफेंस स्टार्टअप शुरू हुए हैं, जिनमें 20 कंपनियां ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर तकनीकों पर काम कर रही हैं। भारत अब मिसाइलों के अहम सेंसर और इंजन जैसे महत्वपूर्ण उपकरण भी खुद बना रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक भविष्य के युद्ध 'मल्टी-डोमेन' होंगे, जहां अंतरिक्ष से समुद्र तक एक साथ लड़ाई लड़ी जाएगी। इसतरह से भारत अब इसतरह के ड्रोन विकसित कर रहा है जो बिना जीपीएस के भी काम कर सकें और जिन्हें जैम करना बेहद मुश्किल हो।

खतरे में भारत के पुरुष- 25 साल की उम्र में कमर दर्द को न करें नजरअंदाज

नई दिल्ली। अगर 20-30 साल की उम्र में कमर या पीठ में लगातार दर्द रहता है, तो इसे हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। स्वामी दयानंद (एसडीएन) अस्पताल ने कैस इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर मंगलवार को एक जागरूकता कार्यक्रम रुमो-ऑर्थो डॉक्टॉक का आयोजन किया। इसमें युवाओं में बढ़ रही रूमेटिक और ऑर्थोपेडिक बीमारियों पर चिंता जताई। कार्यक्रम में डॉक्टरों ने बताया कि कई रूमेटोलॉजिक बीमारियां कम उम्र में ही शुरू हो जाती हैं, लेकिन जानकारी की कमी के कारण लोग समय पर इलाज नहीं कराते। एसडीएन अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नरोत्तम दास ने कहा कि सही जानकारी और समय पर जांच गंभीर बीमारियों को बढ़ने से रोक सकती है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि लगातार सिरदर्द को नजरअंदाज करने पर एक महिला में ब्रेन ट्यूमर पाया गया, लेकिन समय पर जांच से उसकी जान बच सकी। अस्पताल के ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. गौरव शर्मा ने बताया कि सुबह के समय कमर में अकड़न, आराम करने पर दर्द बढ़ना और लंबे समय तक पीठ दर्द रहना एंकिलोसिंग स्पॉन्डिलाइटिस नाम की बीमारी के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। यह बीमारी रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुंचा सकती है और भारत में यह पुरुषों में ज्यादा पाई जाती है। कैस इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष अंकुर शुक्ला ने कहा कि इस तरह की बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है ताकि समय पर इलाज शुरू हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में विशेषज्ञ डॉक्टरों और इलाज की सुविधा कई देशों की तुलना में ज्यादा आसानी से उपलब्ध है। कार्यक्रम के अंत में डॉक्टरों ने साफ संदेश दिया कि लगातार दर्द को कभी नजरअंदाज न करें। समय पर डॉक्टर से सलाह लेने से न सिर्फ बीमारी को बढ़ने से रोका जा सकता है, बल्कि जिंदगी की गुणवत्ता भी बेहतर बनाई जा सकती है।

दो दिन दिल्ली के कई इलाकों में रहेगा पानी का संकट

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड भूमिगत जलाशयों और बूस्टर पंपिंग स्टेशनों की वार्षिक लशिंग कर रहा है। ऐसे में 11 और 12 फरवरी को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कई इलाकों में पानी नहीं आएगा। 11 फरवरी को हिरनकूदना, बक्करवाला गांव, लोकनायक पुरम, टिकरी गांव, मुंडका गांव, नीलवाल गांव, स्वर्ण पार्क सहित किशनगढ़ और महरौली, एलआईजी पुल प्रह्लादपुर और एचआर-ब्लॉक पीपी पुरम क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति बाधित रहेगी। 12 फरवरी को अर्जुन पार्क, इंद्रा पार्क, नांगली सकरावती, प्रेम विहार, निरंजन पार्क, नांगली विहार एक्सटेंशन पार्ट-1, जेमिनी पार्क, घासीपुरा गांव, राणा जी एन्क्लेव, मक्सूदाबाद, लोकेश पार्क, वीरेंद्र मार्केट, पीटीसी झौड़दा, पंचमुखी मंदिर, लाल कुआं और चुंगी नंबर-2 लाल कुआं में जलापूर्ति प्रभावित होगी।

अपराध की राह पर बचपन, राजधानी में दुष्कर्म में लिप्त नाबालिगों की सं या में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। कभी स्कूल की घंटी और खेल के मैदान से पहचाना जाने वाला बचपन अब अपराध के आंकड़ों में दर्ज हो रहा है। राजधानी दिल्ली में नाबालिगों के हाथों दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराधों में आई 121.21 प्रतिशत की बढ़ोतरी न सिर्फ कानून व्यवस्था, बल्कि पूरे समाज के लिए गहरी चिंता का संकेत है। वर्ष 2024 में दुष्कर्म करने के आरोप में 66 नाबालिग पकड़े गए थे, जबकि 2025 में ये आंकड़ा 146 तक पहुंच गया। सभी तरह के अपराधों में नाबालिगों के शामिल होने की सं या में 21.67 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। आंकड़ा बताता है कि बच्चों का एक हिस्सा किस तेजी से गलत राह पर फिसल रहा है और यह सवाल खड़ा कर रहा है कि आखिर हम अपने बच्चों को किस दिशा में छोड़ आए हैं। कोई ऐसा दिन नहीं जाता है, जिस दिन अखबार में बाल अपराध से जुड़ी खबर न होती हो। इस विषय में दिल्ली पुलिस, सरकार और बच्चों की बेहतरी के लिए कार्य कर रहे एनजीओ को गंभीरता से सोचना और काम करना होगा। दिल्ली पुलिस की ओर से उपलब्ध कराए गए ये आंकड़े भारतीय आचार संहिता (बीएनएस) व आईपीसी के तहत दर्ज मामलों का है। दिल्ली पुलिस एक्ट के मामलों में कुल अपराध में 17.22 फीसदी का इजाफा हुआ है। बीएनएस और आईपीसी के तहत जहां वर्ष 2024 में 2999 नाबालिग पकड़े गए थे, वहीं वर्ष 2025 में पकड़े गए नाबालिगों की सं या 3649 हो गई। कुल अपराध में वर्ष 2024 में 3270 नाबालिग पकड़े गए थे, जबकि वर्ष 2025 में ये आंकड़ा 3833 तक पहुंच गया। साल 2025 में दिल्ली में नाबालिगों की ओर से किए जा रहे अपराध अचानक सुर्खियों में आ गए हैं। बढ़ते अपराधों ने पुलिस को सतर्क कर दिया है। दिल्ली में कई जिला पुलिस नाबालिगों को अपराध से दूर करने के लिए कार्यक्रम चला रही हैं। इसमें एनजीओ,

मनोचिकित्सक की सहायता ली जा रही है। नाबालिगों को अपराध की दुनिया से निकाल कर रोजगार में लगवाया जा रहा है। कई बच्चे स्कूल बीच में छोड़ देते हैं और घर पर उनकी सही निगरानी नहीं हो पाती। माता-पिता के व्यस्त जीवन और टूटती पारिवारिक संरचना का असर बच्चों के व्यवहार पर साफ दिखने लगा है। गलत संगत में पड़े बच्चे धीरे-धीरे अपराध की ओर बढ़ जाते हैं और घरवालों को इसका अंदाजा भी नहीं होता। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने कम उम्र के बच्चों को एक ऐसी दुनिया दे दी है, जहां लोकप्रियता और स्टाइल की होड़ चलती रहती है। हथियार दिखाने वाले वीडियो, गैंगस्टर जैसे रील, और 'हीरो' बनने की चाह उन्हें गलत दिशा में धकेलने लगी है।बच्चों को यह समझ ही नहीं आता कि मनोरंजन के नाम पर देखा गया कंटेंट वास्तविक दुनिया में क्या असर डाल सकता है। दिल्ली में सक्रिय कई अपराधी गिरोह अब नाबालिगों को अपने साथ जोड़ने लगे हैं। उन्हें पैसों या नशे का लालच दिया जाता है और फिर छोटे-बड़े अपराध करवाए जाते हैं। गैंगस्टर जानते हैं कि नाबालिगों को कानून के तहत कम सजा मिलती है, इसलिए वे जोखिम भरे काम इन्हीं से करवाते हैं। बाइक चलाने वाले किशोर इन गिरोहों के सबसे आसान शिकार बन जाते हैं। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि संयुक्त परिवारों के बिखरने से बच्चों का भावनात्मक संतुलन कमजोर हुआ है। बड़े-बुजुर्गों की सीख, भाई-बहनों का सहारा और परिवार की सामूहिक देखभाल ने बच्चों को हमेशा सुरक्षित रखा था। अब बच्चों के पास न तो सही मार्गदर्शन है और न ही वह माहौल, जो उन्हें गलत कामों से दूर रख सके। किशोर उम्र में आकर्षण और जिज्ञासा स्वाभाविक है, लेकिन मोबाइल और सोशल मीडिया पर आसानी से उपलब्ध आपत्तिजनक सामग्री बच्चों के दिमाग पर गहरा प्रभाव डालती है। वे

मेट्रो में मेक इन इंडिया को बढ़ावा, लगेंगे देशी प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और विदेशी तकनीक पर निर्भरता कम करने की दिशा में अहम कदम उठाया है। अब प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर (पीएसडी) को स्वदेशी तकनीक से विकसित किया जाएगा। इसके लिए डीएमआरसी ने भारतीय कंपनियों से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) आमंत्रित किया है, जिसके तहत हाफ हाइट और फुल हाइट स्क्रीन डोर का डिजाइन, निर्माण और इंस्टॉलेशन देश में ही किया जाएगा। प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर मेट्रो प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच एक सुरक्षा अवरोध की तरह काम करते हैं, जो ट्रेन आने पर ही खुलते हैं। इससे ट्रैक पर गिरने, दुर्घटनाओं और आत्महत्या जैसी घटनाओं में कमी आती है। साथ ही, भीड़भाड़ के दौरान यात्रियों के आवागमन को नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है, जिससे मेट्रो संचालन अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित होता है। डीएमआरसी ने इस परियोजना में कम से कम 75 प्रतिशत स्थानीय सामग्री के उपयोग को अनिवार्य किया है, ताकि घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिल सके और विदेशी निर्भरता घटे। इसके साथ ही, इस तकनीक के बौद्धिक संपदा अधिकार और सॉ टवेयर के सोर्स कोड पर डीएमआरसी और चयनित कंपनी का संयुक्त अधिकार होगा, जिससे भविष्य में देश इस तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। निजी एजेंसियों के चयन के लिए स त मानक तय किए गए हैं। केवल वही भारतीय कंपनियां आवेदन कर सकेंगी जिनके पास इस सिस्टम का कार्यशील प्रोटोटाइप मौजूद हो और जिनकी वित्तीय स्थिति मजबूत हो। साथ ही, किसी भी आपराधिक या दिवालिया मामले में शामिल कंपनियों को इस प्रक्रिया से बाहर रखा गया है। केंद्र सरकार के नियमों के तहत भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों की भागीदारी वाली कंपनियों को भी अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रक्रिया का होगा ट्रायल - नई तकनीक को मौजूदा सिग्नलिंग सिस्टम, जैसे अल्स्टॉम और बॉ बार्डियर, के साथ तालमेल में काम करना होगा, ताकि मेट्रो संचालन प्रभावित न हो। इच्छुक एजेंसियां 28 मई 2026 तक आवेदन कर सकती हैं। चयनित कंपनियों को एक कोच की लंबाई के बराबर प्लेटफॉर्म पर ट्रायल करना होगा। पूरी प्रक्रिया में डिजाइनिंग के लिए चार महीने और इंस्टॉलेशन व टेस्टिंग के लिए लगभग दो महीने का समय निर्धारित किया गया है। यह पहल यात्रियों की सुरक्षा को मजबूत करने के साथ-साथ देश को मेट्रो तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। यात्रियों को मिलेगा सुरक्षा कवच - मेट्रो स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर लगने से यात्रियों की सुरक्षा में बड़ा सुधार होगा। ये दरवाजे ट्रेन आने पर ही खुलेंगे, जिससे ट्रैक पर गिरने, धक्का लगने या हादसों की संभावना काफी कम हो जाएगी। भीड़भाड़ के समय यात्रियों की आवाजाही व्यवस्थित रहेगी, जिससे भगदड़ जैसे हालात नहीं बनेंगे। इसके अलावा ट्रेन संचालन अधिक सटीक और समयबद्ध होगा, जिससे देरी कम होगी। स्वदेशी तकनीक के कारण सिस्टम का रखरखाव भी तेज और सस्ता होगा, जिसका सीधा लाभ बेहतर और भरोसेमंद मेट्रो सेवा के रूप में यात्रियों को मिलेगा।

किरायेदार और प्रवासी भी करें स्व-गणना, ठगी से सतर्क रहने की सलाह

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के सभी 250 वार्डों में जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना शुरू हो गई है। प्रशासन ने खास तौर पर किरायेदारों और प्रवासियों से इसमें भाग लेने की अपील की है और साथ ही फर्जी कॉल से सावधान रहने को कहा है। राजधानी में जनगणना 2027 के तहत स्व-गणना प्रक्रिया 1 मई से शुरू हो चुकी है, जो 15 मई तक चलेगी। दिल्ली नगर निगम के 250 वार्डों में रहने वाले सभी लोग इसमें हिस्सा ले सकते हैं। अधिकारियों ने साफ किया है कि इसमें भाग लेने के लिए स्थायी निवासी होना जरूरी नहीं है, यानी किरायेदार और प्रवासी भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, दिल्ली की बड़ी आबादी किरायेदारों और प्रवासियों की है, इसलिए उनकी भागीदारी बेहद जरूरी है, ताकि शहर की सही जनसं या का आकलन हो सके। प्रशासन ने लोगों को ठगी से सतर्क रहने की भी सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा कि कुछ लोग जनगणना के नाम पर ओटीपी, यूपीआई पिन या बैंक डिटेल्स मांग रहे हैं, जो पूरी तरह फर्जी है। कोई भी अधिकृत कर्मचारी ऐसी जानकारी या पैसे नहीं मांगता। लोगों से अपील की गई है कि ऐसे किसी भी कॉल या संदेश पर भरोसा न करें और तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। इस प्रक्रिया के तहत लोगों को जनगणना पोर्टल पर लॉगिन कर अपने परिवार की जानकारी भरनी होगी। एक परिवार के लिए एक ही लॉगिन काफी है, जिसे परिवार का कोई भी सदस्य मोबाइल नंबर के जरिए पूरा कर सकता है। इसमें सबसे पहले पड़ाव में घर का लोकेशन दर्ज करना होगा, जो सैटेलाइट मैप पर पिन करके, पता खोजकर या अक्षांश-देशांतर डालकर किया जा सकता है। ये काम थोड़ा पेचीदा जरूर है। जानकारी जमा करने के बाद 11 अंकों का एक सेल्फ एन्यूमरेशन आईडी मिलेगा, जिसे 16 मई से 14 जून के बीच घर-घर आने वाले गणनाकारों को दिखाना होगा।

दो नाबालिगों ने एक नाबालिग की चाकू से गोदकर की हत्या

नई दिल्ली। अपने शहर के ई-पेपर, सभी ताजा खबरें और ऐड फ्री अनुभव के लिए अमर उजाला प्रीमियम सब्सक्राइब करें पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त दराडे शरद भास्कर ने बताया कि रात करीब 9 बजे नाबालिग को चाकू मारे जाने की जानकारी पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल नाबालिग को तुरंत गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल ले गई। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

चाकू से ताबड़तोड़ हमले, हाथ काटकर अलग करने की कोशिश

नई दिल्ली। मयूर विहार थाना क्षेत्र स्थित त्रिलोकपुरी में बृहस्पतिवार रात छह लड़कों ने अयान को घेर लिया। अयान ने जान बचाने की खूब कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने घेरकर उसे जमीन पर गिरा दिया। एक आरोपी ने तो उसका हाथ काटकर अलग करने का प्रयास किया। करीब दर्जनभर चाकू मारने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मयूर विहार थाना क्षेत्र स्थित त्रिलोकपुरी में बृहस्पतिवार रात नाबालिग की चाकू से वारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक की शिना त अयान (17) के रूप में हुई है। बृहस्पतिवार रात अयान अपने एक दोस्त के साथ 28 ब्लॉक के पार्क में मौजूद था। इस बीच छह लड़कों ने उसे घेर लिया। अयान ने जान बचाने की खूब कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने घेरकर उसे जमीन पर गिरा दिया। एक आरोपी ने तो उसका हाथ काटकर अलग करने का प्रयास किया। करीब दर्जनभर चाकू मारने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गंभीर हालत में अयान नजदीकी एलबीएस अस्पताल ले जाया गया, जहां गंभीर होने पर उसे ए स ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। देर रात इलाज के दौरान अयान ने दम तोड़ दिया। खबर मिलने के बाद मौके पर पुलिस के अलावा क्राइम टीम व एफएसएल मौके पर पहुंची। पहले पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया। अयान की मौत के बाद हत्या का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने मामले में विशाल और तुषार नामक दो आरोपियों को गिर तार कर लिया है। बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। शुरुआती जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि जनवरी में त्रिलोकपुरी इलाके में गोली चली थी। उसमें अयान का नाम भी आया था। आरोप है कि उसका बदला लेने की नियत से उसकी हत्या हुई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की जांच कर रही है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव कुमार ने बताया कि अयान अपने परिवार के साथ 32 ब्लॉक त्रिलोकपुरी इलाके में रहता था। इसके परिवार में मां मीना, पिता के अलावा एक बहन है। अयान परिवार में इकलौता बेटा था।

दिल्ली में सरकारी नीति का दिखने लगा असर, चार दिन में 15 हजार से ज्यादा वाहन बगैर ईंधन लौटाए

दिल्ली। दिल्ली सरकार की 'नो पीयूसी, नो यूल' नीति का असर अब साफ दिखने लगा है। 26 से 29 अप्रैल के बीच महज चार दिनों में 15,678 वाहनों को वैध पीयूसी प्रमाणपत्र न होने के कारण पेट्रोल-डीजल देने से मना कर दिया गया। आंकड़ों के अनुसार, 26 अप्रैल को 3,525 वाहनों को ईंधन नहीं मिला, 27 अप्रैल को 4,012, 28 अप्रैल को 4,235 और 29 अप्रैल को 3,906 वाहनों को यूल स्टेशनों से वापस लौटा दिया गया। ये आंकड़े दिल्ली के नौ डिपो और नोएडा के एक डिपो से सामने आए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई प्रदूषण नियंत्रण के लिए नीति के स त क्रियान्वयन का हिस्सा है। बड़ी सं या में वाहन बिना वैध पीयूसी के सड़कों पर चल रहे हैं, जो वायु प्रदूषण बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। सरकार ने 22 अप्रैल को फिर स्पष्ट किया था कि बिना पीयूसी प्रमाणपत्र वाले वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। यह नियम अक्टूबर 2025 में लागू किया गया था, लेकिन मु यमंत्री रेखा गुप्ता ने हाल ही में इसके स त पालन के निर्देश दिए हैं।

दहेज उत्पीड़न के आरोपों से हारा एक पति- शादी बनी अभिशाप, नहर में कूदकर दी जान; ससुराली करवाना चाहते थे ऐसा काम

पलवल। हरियाणा के पलवल जिले के चांदहट थाना क्षेत्र में एक युवक की ओर से आगरा नहर में कूदकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। परिजनों ने मृतक की पत्नी और उसके माता-पिता पर गंभीर आरोप लगाते हुए आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। औरंगाबाद गांव निवासी जिले सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका बेटा नरसिंह शादी के बाद से लगातार मानसिक तनाव में था। आरोप है कि उसकी पत्नी अंजली, सास महेंद्री और ससुर बच्चु सिंह उस पर अपनी जमीन पत्नी के नाम कराने का दबाव बना रहे थे। जमीन नाम न करने पर उसे दहेज उत्पीड़न के झूठे मामले में फंसाने और पुलिस कार्रवाई करवाने की धमकियां दी जाती थीं। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि पत्नी की ओर से महिला मंडल और अदालत में दहेज का केस दर्ज कराने की धमकी दी गई थी, जिससे वह टूट गया। शनिवार को नरसिंह अपने भाई अर्जुन के साथ घर से निकला और अलावलपुर क्षेत्र स्थित आगरा नहर पर पहुंचकर उसमें छलांग लगा दी। बाद में उसका शव अमरौली गांव के पास बरामद हुआ। थाना चांदंहट पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत के आधार पर मृतक की पत्नी व उसके माता-पिता के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले 1281 टीएसआर के चालान

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पूर्वी दिल्ली के उत्तर-पूर्वी जिले में अन्य राज्यों में रजिस्टर्ड तीन पहिया स्कूटर रिक्शा (टीएसआर) के खिलाफ कड़ा अभियान शुरू किया। ये वाहन ट्रैफिक नियम तोड़कर जाम, अवैध पार्किंग और सार्वजनिक असुविधा पैदा करते हैं। उपायुक्त ट्रैफिक पुलिस सतीश कुमार ने बताया कि शिव विहार, लोनी और खजूरी खास के आरडब्ल्यूए तथा स्थानीय निवासियों की लगातार शिकायतों पर पुलिस ने प्रमुख चौराहों, मु य सड़कों, बॉर्डर इलाकों और जाम वाली जगहों पर विशेष निगरानी और चेकिंग बढ़ाई। जांच में कई टीएसआर बिना वैध परमिट, फिटनेस सर्टिफिकेट, इंश्योरेंस व अन्य जरूरी दस्तावेजों के चलते पाए गए। यह वाहन ट्रैफिक नियमों का भी उल्लंघन करते पाए गए। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक अनुशासन बहाल करने के लिए विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। उल्लंघन करने वाले टीएसआर पर स त कार्रवाई हुई, जिसमें 1281 चालान काटे गए और गंभीर मामलों में 155 वाहन जब्त किए गए।

NAME CHANGE
I, Shanawaz S/O Riyasat Ali R/O - A-556, GALI NO -16 Shri Ram Colony, Rajeev Nagar, Karawal Nagar, North East Delhi -110094, have changed the name of my minor daughter ISBA aged 6 Years and she shall hereafter be known as FILZA .

NAME CHANGE
It is for general information that I, VANSH VERMA S/O AVNISH VERMA, Residing at B-78, Gali No. 8, Kanti Nagar Extn. Krishna Nagar, PO: Krishna Nagar, Dist: East Delhi, Delhi - 110051 declare that name of my father has been wrongly written as AMIT VERMA in my Pan Card No. CVYPV1997E . The actual name of my Father is AVNISH VERMA, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, ABHAY SINGH BHATI S/o DESHRAJ , Residing at Kot Deri, PO: Kot, Dist. Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 203207 have changed the name of my minor son LOVESH BHATI aged 13 years and he shall hereafter be known as AARAV BHATI.

सार्वजनिक सूचना
साधारण जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रिया, जो कि संपत्ति संख्या WZ-276-स्न/3, क्षेत्रफल 240 वर्ग गज, ग्राम नारायणा, आबादी इंदरपुरी, नई दिल्ली स्थित संपत्ति में निम्नलिखित भागों की स्वामिनी हैं, प्रथम तल का बायां सामने वाला भाग बिना छत अधिकार सहित, क्षेत्रफल 80 वर्ग गज, तथा तृतीय तल का दायां सामने वाला भाग छत अधिकार सहित, क्षेत्रफल 80 वर्ग गज, उक्त स्वामित्व त्यागपत्र (Relinquishment Deed) दिनांक 18.01.2021, दस्तावेज संख्या 256, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 1427, पृष्ठ संख्या 29 से 34, दिनांक 18.01.2021 को पंजीकृत तथा अतिरिक्त प्रति बंटवारा विलेख (Partition Deed) दिनांक 26.03.2021, दस्तावेज संख्या 1676, पुस्तक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 1495, पृष्ठ संख्या 146 से 158, दिनांक 30.03.2021, उप-पंजीयक कार्यालय SR-VIIA, दिल्ली में पंजीकृत के आधार पर प्राप्त हुआ है, संपत्ति की चेन में पंजीकृत पारिवारिक वसीयत दिनांक 25.07.2007 के प्रोबेट आदेश की प्रति विक्रेता के पास उपलब्ध नहीं है। उक्त संपत्ति अब सुश्री चित्रा कुमारी को विक्रय की जा रही है।
उक्त संपत्ति का वित्तपोषण बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का दावा, अधिकार, भार, स्वामित्व विवाद अथवा तृतीय पक्ष हित हो, तो वह इस प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर आवश्यक प्रमाण सहित लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें। अन्यथा यह माना जाएगा कि किसी को उक्त संपत्ति पर कोई आपत्ति या दावा नहीं है।
साथ ही यह भी अवगत कराया जाता है कि बंधक संपत्ति में किसी प्रकार की चूक होने की स्थिति में सभी उधारकर्ता/स्वामी उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I hitherto known as SUNEETA W/o VIJAY LAL, R/o 86, Indragadhi, Dasna Dehat, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201302, have changed my name and shall hereafter be known as BABLI, for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as HATMEEN ALIAS MOHD. HAKMEEN S/O MOHD YUSUF R/O 202, PURVI MUSTFABAD-9, LONI, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102 have changed my name and shall hereafter be known as MOHD HAKMEEN.

NAME CHANGE
I hitherto Known as KANTI BALLABH JOSHI S/o GANGA DATT , Residing at H-65 , 2nd Floor, Aruna Nagar , Majnu Ka Tila , Civil Lines, North Delhi - 110054 have changed my name and shall hereafter be known as KANTI BALLABH.

NAME CHANGE
I, PARVEEN KUMAR GUPTA S/o OM PRAKASH R/o B – 1/5 , Phase 4 Aya Nagar New Delhi – 110047 declare have changed the name of my minor son AKS AGGARWAL aged 14 years and he shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL.

NAME CHANGE
I, ANIL KUMAR S/O SHIV CHARAN PAHARIA residing at HOUSE NO-16/321-E, TANK ROAD, BAPA NAGAR, KAROL BAGH, NEW DELHI-110005 declare that my name as ANIL KUMAR PAHARIA mentioned in my CASTE CERTIFICATE and ANIL KUMAR mentioned in my others self-documents that both name are the same person.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RABIYA D/O MOHD RAFIQ R/O S-40/29, Vijay Camp Jal Vihar, Lajpat Nagar-1, Lajpat Nagar, South Delhi, Delhi-110024 declare that name of my father and my mother has been wrongly written as MD DOOTMIAN and AYESHA in 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father and my mother are MOHD RAFIQ and AISHA BEGAM respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD ASLAM S/O MOHAMMAD RAIS residing at H NO 380/2, GALI NO 17 JAFRABAD, DELHI -110053. Have changed my name to MOHAMMAD ASLAM MALIK for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD RAHEES S/O MOHAMMAD SHAREEF residing at F-65, NEW SEELAMPUR, DELHI-110053 Have changed my name to MOHAMMAD RAIS for all future purposes. .

NAME CHANGE
I, PRAFUL BHAGWAT BAGDE, S/O Bhagwat Bagde, R/O RZH-689/C, GALI No-15, H- Block, PALAM COLONY, Raj Nagar Part -2, P0: Raj Nagar -II, DIST: South West Delhi, Delhi-110077, have changed the name of my minor Son NAISHAD PRAFUL BAGDE aged 6 years and he shall hereafter be known as RUHAN BAGDE.

NAME CHANGE
I, hitherto known as GULNAAZ C/O RAHAT ALI R/O D-26, FIRST FLOOR, DDA JANTA FLAT POCKET-II, JASOLA, JAMIA NAGAR, NEW DELHI-110025, have changed my name and shall hereafter be known as GULNAAZ ALI for all purpose.

NAME CHANGE
I, Sanjeeda W/o Md Mursheed R/o 18-A, Second Floor, Gali No-12, Zakir Nagar, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025, have changed the name of my minor son ARHAM, aged 11 years from ARHAM to MOHAMMAD ARHAM, my daughter ANAM to ANAM FATIMA aged 10 years, and my daughter LAIBA to HANIYA FATIMA aged 08 years, for all purpose in future.

NAME CHANGE
I, SHASHI PRABHA JAMWAL W/O MAHADEV SINGH JAMVAL R/O FLAT NO NO-2A,TOWER-11,CENTRAL PARK,RESORT-II,SECOTR-48,SOHNA ROAD,GURGAON, HARYANA-122018, I HAVE CHANGED MY NAME TO SHASHI JAMWAL FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, ISH KUMAR, S/o VIJAY KUMAR, R/o H No: 66A, Jagat Colony, Bhiwani - 127021, Haryana declare that my name earlier written as ISH KUMAR is now bifurcated as ISH (First Name) & KUMAR (Surname). Both names belong to one person.

NAME CHANGE
I, hitherto known as NAINI W/o SHIV LAL R/o D-1/65, GALI NO.7, MAHAVIR ENCLAVE-1, PALAM DIST: SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 have changed my name and shall hereafter be known as NAINI DEVI. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I, RITU / RITU AWASTHI W/O AMRIT residing at 115, BAL MUKUND KHAND, KALKAJI, NEW DELHI-110019. Have changed my name to RITU LAMBA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AMRIT AWASTHI S/O KALI PRASAD AWASTHI residing at 115, BAL MUKUND KHAND, KALKAJI, NEW DELHI-110019. Have changed my name to AMRIT RAJ AWASTHI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Durdana / Durdana Begum, W/o Naseem Ul Arfin, R/o 540, Gali Hakim Ji Wali, Choori Walan, Jama Masjid, Delhi-110006, have changed my name to Durdana Naseem for all future purposes.

NAME CHANGE
I, JC-380354M, Rank-SUB MAJ, Name-RAJKUMAR GARAI residing at VILL-KHAMARBERIA, PO-ONDA, TEHSIL-BANKURA, DIST-BANKURA, WEST BENGAL-722144 have changed my father's name from DEBDAS GARAI to DEBDAS GORAI for all future purposes vide Affidavit dated 09/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-380354M, Rank-SUB MAJ, Name-RAJKUMAR GARAI residing at VILL-KHAMARBERIA, PO-ONDA, TEHSIL-BANKURA, DIST-BANKURA, WEST BENGAL-722144 have changed my mother's name from TARARANI GARAI to TARA RANI GORAI for all future purposes vide Affidavit dated 09/05/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, AMIT SHARMA S/O Ganga Charan R/O SARADHANA, Nagli Sadharan, Meerut, Uttar Pradesh - 250223, have changed the name of my minor son RUDRA SHARMA aged 7 years and he shall hereafter be known as RUDRANSH SHARMA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Raju S/O Kavita devi R/O Rohta Road, Post Office - Dabka, Vill -Ghasauli, Govindpur Urf Ghasauli, Meerut, Dabka, Uttar Pradesh, 250001, have changed my name and shall hereafter be known as Shubham.

PUBLIC NOTICE
I, Govardhan R/O 30 Gulab Dharamshala, Kalka Ji Mandir, Ali, South Delhi, Delhi - 110019, UNDERTAKE THAT I GOVERDHAN CHANGE MY NAME NAIRA I, GOVERDHAN HENCEFORTH BE KNOWN D/O NARESH CHAKERWATI THE ABOVE STATEMENT MADE BY ME IS THUE AND CORRECT TO THE BEST OF MY KNOWLEDGE AND BELIEF . IF ANY LEGAL ISSUE ARISES IN THIS REGARDS AR ANY STAGE ,I WILL BE PERSONALLY RESPONSIBLE FOR THE SAME AND THE DEPARTMENT OF PUBLICATIONS WILL NOT BE LIABLE AS FOR ANY CONSEQUENCES ARISING THEREFROM

PUBLIC NOTICE
This is for information of General Public that my client M/s. Task Infotech Pvt. Ltd. who is the owner of Property as Residential Apartment No. GD, The Room wing-2, on Ground Floor, in Tower No. Q, having super area measuring 814 Sq. Ft., (75.62 Sq. Mtrs.,) in Phase-V, Situated at Sector-48, Now Known as Central Park Resorts (earlier known as Central Park-II), Situated in the Group Housing Colony within the revenue Estate of Village Tikri, Tehsil and District, Gurugram, Haryana. who has lost Allotment Letter, Apartment Buyer Agreement dated 09.06.2023, Possession Takeover Confirmation Letter dated 09.08.2023 & Conveyance Deed dated 17.10.2023 executed by M/s. Sweta Estates Pvt. Ltd. in favour of Mr. Mohit Malhotra in relation to property in question and the said Conveyance Deed is duly registered as Serial No. 9583 in Bahi No. 1, Jild No. 595 on Page No. 128 Add. Bahi No. 01, Jild No. 907 on Page No. 90 to 91 on dated 17.10.2023 with the office of Sub Registrar-Badshahpur in favour of Mr. Mohit Malhotra In case anybody finds the above said document and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 10 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed that there is no claim against the said property and my client may proceed with its intended object as mentioned above.
DR. RAJESH K GUPTA
Advocate
F-42/43, Dilshad Colony,
Delhi- 110095,
8882766856 & 9315833452,
advrgkotak@gmail.com

NAME CHANGE
I hitherto known as Guddi devi W/o Santosh Shukla R/o 233, Naseeb Vihar, Ilaichipur, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Gudiya Devi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Poonam W/o Jaya Singh R/o F-106-B1, Sector-11, Pratap Vihar, Ghaziabad, Vijai Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201009 declare that name of mine has been wrongly written as Poonam Devi in my minor son Aditya Rawat aged 14 years in his school Records. The actual name of mine is Poonam.

NAME CHANGE
I hitherto known as GYANANDER S/O Shree Ranpal Singh R/O House Number, Nangla Patu, Chandsara, PO: Chandsara, DIST: Meerut, Uttar Pradesh - 245206, have changed my name and shall hereafter be known as GYANENDRA.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD HAMZA S/O MOHD RASHID R/O 42-A/5 PLOT NO 271, 273 QABRISTAN WALI GALI NEAR SAMUDAYEN BHAWAN KHUREJI KHAS KRISHNA NAGAR DELHI-110051 have changed my name to MD HAMZA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD RASHID & RASHID ANSARI S/O JAHUR AHMAD R/O 16 -A NEAR AMBEDKAR DHARAMSHALA KHUREJI KHAS KRISHNA NAGAR DELHI-110051 have changed my name to MOHD RASHID Permanently for all Future purpose

PUBLIC NOTICE
This is for information of General Public that my client Ms. Anuradha D/o Mr. Rameshwar Dass who is the owner of Property as Residential Apartment/Flat bearing No.-E-703, on 7th Floor, Block/Tower-E, Having a Carpet Area measuring 638.480 Sq. Ft,(59.31 Sq. mtrs.) in the Project Known as "AFFORDABLE GROUP HOUSING" Situated at Golf Green, Sector-79, District. Gurugram, Haryana. who has lost Demand Cum Allotment Letter dated 05.09.2020, Possession Certificate dated 23.06.2020, Flat Buyer's Agreement dated 28.09.2020 executed between M/s Signatureglobal (India) Ltd. & Ms. Anuradha in relation to property in question and the said Buyer's Agreement is duly registered as Reg. No. 1948 in Book No. 1, Jild No. 268 on pages 75 add in Bahi No. 1, Jild No. 1091 on pages 52 to 54 on dated 28.09.2020 with the office of the Sub Registrar- Manesar (Gurugram) & Offer of Possession dated 07.09.2024. In case anybody finds the above said document and any person having any claim/s in respect of the above said property in any manner whatsoever are hereby required to give notice of the same to the undersigned at the address given below within 15 days from the date of publication hereof together with copies of documents on the basis of which such claim be deemed that there is no claim against the said property and my client may proceed with its intended object as mentioned above.
DR. RAJESH K GUPTA
Advocate
F-42/43, Dilshad Colony,
Delhi- 110095,
8882766856 & 9315833452,
advrgkotak@gmail.com

Public Notice
I,hitherto known as SUDHA DEVI W/O RAJ KUMAR SINGH R/O Ganpati Vihar, Sardhana Road, Near Nangla Tashi, kanker Khera, PO: Meerut Cantt, DIST: Meerut, Uttar Pradesh-250001, have changed my name and shall hereafter be known as SUDHA.

Public Notice
It is for general information that, I SALAUDDIN S/o MOHAMMAD AKHATAR R/o C-833 GALI NO-13 Shri Ram Colony Delhi-94, Declare that name of mine and my father has been wrongly written as SALAUDDIN KHAN and AKHTAR KHAN in my 10th Class Educational Documents . The actual name of mine and my father are SALAUDDIN and MOHAMMAD AKHATAR respectively, which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, MAHESH SINGH S/O LAXMAN SINGH R/O D-985/JKR, GALI NO 20, D BLOCK, BHAJANPURA, GARHI MENDU, NORTH EAST DELHI 110053, CHANGED MY NAME TO MAHESH CHAND CHAUHAN.

NAME CHANGE
I, DAVNEET KAUR DADIAL D/O AMARJIT SINGH R/O 2994/4 C, STREET NO. 19, NEAR SARVODYA KANYA VIDHYALY SHADI KHAM PUR, RANJEET NAGAR, NEW DELHI, Central Delhi, Delhi, 110008, CHANGED MY NAME TO DAVNEET KAUR.

NAME CHANGE
I, SUSMITA BABY MEDHI W/O MAYUR GHOSH R/O MILAN PALLY, NEAR MILAN MANDIR, KISHANGANJ, Kishanganj, PO: kishanganj, DIST: Kishanganj, Bihar-855107, CHANGED MY NAME TO SUSMITA MEEDHI.

NAME CHANGE
I, Shanthi W/o (Existing Name of spouse as per change of Next of Kin of Record/service document) Spouse of Army No JC768432A Sub Maj(Hony Lt) Saravanan G R/o 38, Mahalakshmi Nagar, Lakshmi Puram, Periyakulam (Teh) Theni (District), Tamilnadu PIN 625523 have changed My name from Shanthi (Existing Name of spouse as per change of Next of Kin of Record/ Service document) to S Shanthi (adopted New Name) vide Affidavit dated 08/05/2026 before Koshadhikari, Jodhpur, Rajasthan, Court(Name and place of the court)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कैथल में युवा कांग्रेस की नई टीम घोषित, 74 पदाधिकारियों को मिले नियुक्ति पत्र

एजेंसी

कैथल। किसान भवन में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में जिला युवा कांग्रेस की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इस दौरान कैथल के विधायक आदित्य सुरजेवाला ने 74 नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपकर उन्हें संगठन की जिम्मेदारी सौंपी। कार्यक्रम में जिला उपप्रधान, महासचिव, सचिव, मुख्य प्रवक्ता, प्रवक्ता और सोशल मीडिया हेड सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां की गईं। युवा कार्यकर्ताओं से खचाखच भरे किसान भवन में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला और सभी पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व के प्रति अपनी निष्ठा जताई। अपने संबोधन में आदित्य सुरजेवाला ने कहा कि युवा कांग्रेस संगठन की रीढ़ है और युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा में लगाना समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिले में 74 युवाओं को जिम्मेदारी सौंपना इस बात का संकेत है कि पार्टी युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए गंभीर है। उन्होंने मौजूदा हालात का जिक्र करते हुए कहा कि आज का युवा बेरोजगारी, महंगाई और अनिश्चित भविष्य जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। कांग्रेस पार्टी युवाओं और किसानों के मुद्दों को सड़क से लेकर संसद तक मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जंगल में मिला व्यक्ति का शव, सिर कुचलकर हत्या की आशंका

गुरुग्राम। बसई गांव के जंगल में करीब 55 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव लहुलुहान अवस्था में मिला। आशंका जताई जा रही है कि व्यक्ति की हत्या कहीं और करने के बाद शव को पहचान छिपाने के उद्देश्य से जंगल में फेंका गया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि शव की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार बसई गांव से जंगल के रास्ते से गुजर रहे लोगों को तेज बदबू महसूस हुई। शक होने पर उन्होंने आसपास तलाश की तो झाड़ियों के बीच एक व्यक्ति शव पड़ा दिखाई दिया। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सेक्टर-9 थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम और सीन ऑफ क्राइम यूनिट को भी मौके पर बुलाया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक की हत्या सिर पर भारी पत्थर से वार करके की गई है। घटनास्थल से पुलिस ने अहम साक्ष्य जुटाए हैं। मृतक के पास से कोई पहचान पत्र, मोबाइल फोन या अन्य दस्तावेज बरामद नहीं हुए, जिससे उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही हाल ही में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

पानीपत। पानीपत स्थित गांव छाजपुर बाईपास के निकट शनिवार देर शाम हुए एक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान गांव कुराड़ निवासी अंकित के रूप में हुई है। वह अपने परिवार का इकलौता सहारा था। परिवार के अनुसार गांव कुराड़ निवासी अंकित किसी काम से सोनीपत के गन्नौर गया था। देर शाम जब वह अपनी बाइक पर वापस लौट रहा था, तो छाजपुर बाइपास स्थित स्टेडियम के पास एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर में अंकित की मौके पर ही मौत हो गई। स्टेडियम में खेल रहे बच्चों ने जब अंकित को देखा, तो उन्होंने उसकी पहचान की और तुरंत परिजनों को सूचित किया। मृतक के ताऊ ने बताया कि अंकित की पत्नी मीनाक्षी नौ माह की गर्भवती है। डॉक्टरों के अनुसार आज या कल में ही उसकी डिलीवरी होनी तय है। घर में नए सदस्य के आगमन की तैयारियां चल रही थी, लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था। अंकित अपने पीछे एक दो साल का बेटा और रोती-बिलखती गर्भवती पत्नी को छोड़ गया है। उन्होंने बताया कि काफी समय पहले सांप के काटने से अंकित के पिता की भी मृत्यु हो चुकी है। सात साल पहले अंकित के बड़े भाई सचिन का भी साया सिर से उठ चुका था।

सिंगर फाजिलपुरिया के इवेंट ऑर्गेनाइजर पर फायरिंग के आरोपी पंजाब से गिरफ्तार

गुरुग्राम। यहां सेक्टर-45 में सिंगर राहुल फाजिलपुरिया के इवेंट ऑर्गेनाइजर सौरभ के घर के बाहर फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने पंजाब से दो शूटर को गिरफ्तार किया है। दो मई 2026 को इस गोलीकांड को लेकर प्राथमिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकारा है कि वे सौरभ को मारने आए थे। सुरक्षा में तैनात सिपाही को गोली लग गई। अपराध शाखा सेक्टर-40, सेक्टर-39 व सेक्टर-17 गुरुग्राम की पुलिस टीमों ने सांझा ऑपरेशन में गोली चलाने के दो आरोपियों को पंजाब से काबू किया है। आरोपियों की पहचान गुरशेर सिंह उर्फ शेरा (उम्र 23 वर्ष) व जसपाल उर्फ बबल (उम्र 28 वर्ष) है। दोनों ही पंजाब के गांव नौने जिला तरन तारन के रहने वाले हैं। आरोपियों ने प्राथमिक पूछताछ में इस बात को स्वीकारा है कि वे राहुल फाजिलपुरिया के इवेंट ऑर्गेनाइजर सौरभ की हत्या करने के लिए आए थे। वहां उन्होंने जान से मारने की नीयत से पुलिस पर गोली चलाई थी। आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड से पता चला है कि गुरशेर पर हत्या का प्रयास करने, शस्त्र अधिनियम के तहत एक केस पंजाब में तथा आरोपी जसपाल पर मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने, एनडीपीएस एक्ट के तहत दो केस पंजाब में दर्ज हैं। बता दें कि दो मई 2026 की रात को थाना सेक्टर-40 गुरुग्राम क्षेत्र के गांव कन्हई सेक्टर-45 में सौरभ नामक व्यक्ति के मकान के बाहर दो व्यक्तियों द्वारा गोली चलाई गई थी। एक सिपाही को गोली लगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में एक दिन में निपटाए 74 हजार केस

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला में लगाई गई राष्ट्रीय लोक अदालत में 10.84 करोड़ रुपये का सेटलमेंट किया गया। इस लोक अदालत में 74 हजार से अधिक केसों का एक ही दिन में निपटारा किया गया। 21 बेंचों ने मामलों की त्वरित सुनवाई करते हुए लोगों के लंबित केसों का फैसला किया। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, गुरुग्राम द्वारा जिला न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की गई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष डीएलएसए गुरुग्राम नरेंद्र सूरा के निर्देशन में यह लोक अदालत लगी। इसमें विभिन्न श्रेणियों के मामलों के निपटारे के लिए 21 बेंचों का गठन किया गया। इसके अलावा उपमंडल सोहना और पटौदी में भी एक-एक विशेष लोक अदालत बेंच स्थापित की गई। सीजेएम निशा के मुताबिक, राष्ट्रीय लोक अदालत में सोहना एवं

पटौदी सहित विभिन्न न्यायालयों में लंबित तथा प्री-लिटिगेशन श्रेणी के करीब एक लाख 36 हजार 10 मामलों को रखा गया। इनमें से 74 हजार 633 मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर निपटारा किया गया। इन मामलों में 10 करोड़ 84 लाख 26 हजार 614 रुपये की राशि का सेटलमेंट हुआ। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से लोगों को त्वरित, सस्ता और सुलभ न्याय मिला है। साथ ही न्यायालयों में लंबित मामलों के भार को कम करने में भी मदद मिली। लोक अदालत को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए प्रत्येक बेंच पर पैनल अधिवक्ताओं की नियुक्ति की गई थी। उन्होंने पक्षकारों के बीच समझौता करवाने और मामलों के निस्तारण को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आमजन की सहायता के लिए न्यायालय परिसर में 10 हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए थे, जहां पैरा लीगल वॉलंटियर्स द्वारा लोगों को आवश्यक जानकारी और सहयोग उपलब्ध कराया गया। इसके अलावा ट्रैफिक चालानों के त्वरित निपटारे के लिए गेट नंबर-2 के पास विशेष ट्रैफिक हेल्प डेस्क स्थापित की गई। इस व्यवस्था के माध्यम से लोगों को अपने चालानों की जानकारी प्राप्त करने और उनका शीघ्र निस्तारण कराने में सुविधा मिली।

एयरफोर्स स्टेशन की दीवार फांदकर अंदर घुसा युवक, सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद के डबुआ स्थित एयरफोर्स स्टेशन की सुरक्षा में सेंध लगाने की कोशिश का मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने बाहरी दीवार फांदकर परिसर में घुसने का प्रयास किया। घटना तीन मई की है। जिसके बारे में जानकारी सामने आई। मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत पकड़ लिया। इसके बारे उच्चाधिकारियों से विचार विमर्श करने के बाद एयरफोर्स स्टेशन के सुरक्षा अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर रविंदर छापारिया द्वारा पुलिस में शिकायत दी गई, जिस पर युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान डबुआ कॉलोनी निवासी इरफान अली के रूप में हुई है। सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी की तलाशी ली तो उसके पास से 10-10 रुपए के दो सिक्के और तंबाकू की पुड़िया बरामद हुई। इसके बाद आरोपी को डबुआ थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। प्रारंभिक शिकायत में कुछ तकनीकी विसंगतियां होने के कारण पुलिस ने एयरफोर्स अधिकारियों को सूचित किया, जिसके बाद संशोधित शिकायत दी गई।

डबुआ थाना इंचार्ज संग्राम दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर शुक्रवार को उसे अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

एनएचएम कर्मियों को राहत : अब लागू होंगे सर्विस बाय-लॉज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के हजारों कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। सरकार की ओर से सभी एनएचएम कर्मियों को सर्विस बाय-लॉज का लाभ देने की मंजूरी दी है। एनएचएम हरियाणा के मिशन निदेशक कार्यालय पंचकूला द्वारा जारी पत्र में प्रदेश के सभी सिविल सर्जनों को निर्देश जारी किए गए हैं कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चल रहे मामले डॉ. नेहा बंसल बनाम हरियाणा राज्य में 17 नवंबर 2025 को दिए गए न्यायालय के आदेश के अनुपालन में लिया गया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि हरियाणा वित्त विभाग ने भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके बाद अब शेष सभी एनएचएम कर्मचारियों को सर्विस बाय-लॉज के लाभ देने की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। हालांकि यह लाभ लंबित एलपीए के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से कर्मचारी संगठन यह मांग उठा रहे थे कि केवल याचिकाकर्ताओं तक लाभ सीमित रखने के बजाय सभी कर्मचारियों को समान अधिकार दिए जाएं। अब सरकार के इस आदेश के बाद हजारों कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा, नियमबद्ध कार्यप्रणाली और अन्य प्रशासनिक सुविधाओं का लाभ मिलने का रास्ता साफ हो गया है। आदेश में सभी सिविल सर्जनों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस फैसले का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करें।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 9138 केसों का निपटारा

एजेंसी

जींद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम चेयरपर्सन पूनम सुनेजा ने की अध्यक्षता में न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में कुल 9871 मामले रखे गए। इनमें से 9138 मामलों का मौके पर ही निपटा किया गया। इसमें दो करोड़ 58 लाख 83 हजार 542 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया गया। लोक अदालत में मोटर व्हीकल दुर्घटना से संबंधित सात मामले, हिंदू मैरिज एक्ट से संबंधित 75 मामले, चेक बाउंस से संबंधित 187 मामले, दीवानी मामलों से संबंधित 173 मामले, आपराधिक मामलों से संबंधित 951 मामलेए बैंक लोन से संबंधित 14 मामलों का निपटान किया गया। लोक अदालत में आए 9,871 मामलों में से 9,138 मामलों का निपटान किया गया।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित सिहाग ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में जसवीर सिंह अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जींद, फैमिली कोर्ट की प्रिंसिपल जज कीर्ति जैन, विवेक सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट जींद, पारिंदर सिंह प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट जींद, अश्विनी गुप्ता प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट नरवाना, अनीशा रानी प्रथम श्रेणी ज्यूडीशियल मैजिस्ट्रेट सफीदों के बेंच गठित किए गए। लोक अदालत में कई तरह के मामले रखे गए। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमित सिहाग ने बताया कि लोक अदालत का लाभ अधिक से अधिक लोगों को उठाना चाहिए क्योंकि लोक अदालत के मामले का निपटारा आपसी सहमति से होता है । जिससे समय व धन की बचत होती है तथा आपसी सौहार्द भी बना रहता है। उन्होंने सभी पीठासीन अधिकारियों, लोक अदालत में कार्यरत सभी कर्मचारी व अधिवक्ताओं को लोक अदालत के सुचारू रूप से संचालन के लिए शुभकामनाएं भी दी। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों, जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, बिजली विभाग आदि के कार्य की सराहना की। प्राधिकरण सचिव ने बताया कि आगामी 30 मई को चेक बाउंस से संबंधित मामलों के निस्तारण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

हरियाणा में 11 को मनाया जाएगा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-1000 वर्ष की अखंड आस्था कार्यक्रम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेशभर में 11 मई 2026 को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-1000 वर्ष की अखंड आस्था' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन भारत की सनातन संस्कृति, आस्था, स्वाभिमान और गौरवशाली इतिहास को समर्पित होगा। राज्य के सभी जिलों में आयोजित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य देश की सांस्कृतिक विरासत, सनातन परंपराओं तथा सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को जोड़ना है। यह पर्व भारत की उस अदम्य आस्था और आत्मसम्मान का प्रतीक है, जिसने अनेक चुनौतियों के बावजूद अपनी सांस्कृतिक चेतना को सदैव जीवित रखा।

कार्यक्रम के तहत कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, नूंह में केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह, फरीदाबाद में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, करनाल में विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण,

जींद में विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, अंबाला में ऊर्जा मंत्री अनिल विज, सोनीपत में विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार और गुरुग्राम में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसी प्रकार, पानीपत में शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, पंचकूला में राजस्व मंत्री विपुल गोयल, रोहतक में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, यमुनानगर में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, सिरसा में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, हिसार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, भिवानी में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी, महेंद्रगढ़ में स्वास्थ्य मंत्री सुश्री आरती सिंह राव, पलवल में खेल मंत्री गौरव गौतम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

इसके अलावा, चरखी दादरी में सांसद धर्मबीर सिंह, कैथल में सांसद नवीन जिंदल, हांसी में सांसद सुभाष बराला, झज्जर में सांसद संजय भाटिया, फतेहाबाद में सांसद कार्तिकेय शर्मा और रेवाड़ी में सांसद रेखा शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इसके अतिरिक्त कार्यक्रमों में विभिन्न क्षेत्रों के विधायक, जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता भी भाग लेंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 37 हजार 247 केसों का निपटारा

एजेंसी

सिरसा। जिले में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयओजन किया गया, जिसमें 37 हजार 247 केसों का निपटारा किया गया है। यह लोक आदलत न्यायालय परिसर सिरसा, उपमंडल न्यायालय परिसर डबवाली व ऐलनाबाद में आयोजित की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने बताया कि इस लोक अदालत में सभी न्यायालयों में विचाराधीन केस निपटारे के लिए रखे गये थे जिनमें मुख्यतः चैक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना, घरेलू विवाद, बिजली व पानी से संबंधित विवाद, दिवानी व फौजदारी विवाद इत्यादि शामिल थे। इस लोक अदालत में न्यायालयों में विचाराधीन एवम प्री लिटिगेशन स्टेज के कुल 41 हजार 416 केसों में से 37 हजार 247 केसों का निपटारा किया गया, जिनमें 7,60,65,411 रुपये की राशि समयोजित की गई। उन्होंने बताया कि नैशनल लोक अदालत में कुल 6 बैंचों का गठन किया गया जिसमें न्यायालय परिसर सिरसा में प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट कृष्ण कांत, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नवजीत क्लेयर, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) सह एसीजेएम प्रवेश सिंगला, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) सह जेएमआईसी रिचू, डबवाली में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) सह जेएमआईसी सुमन पटलैन व ऐलनाबाद में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) एवं जेएमआईसी प्रतीक सिंह ने लोक अदालत लगाई। साथ ही पर्मानेन्ट लोक अदालत पब्लिक यूटिलिटी सर्विसेज सिरसा में गत 6 मई को लोक अदालत लगाई गई जिसकी अध्यक्षता चेयरमैन हरचरन सिंह, सदस्य पवन सुथार एवं सरोज सोनी मेम्बर ने की।

जल प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की होगी ड्रोन मैपिंग

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में बढ़ते औद्योगिक प्रदूषण को लेकर हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन डॉ. जे. गणेशन ने यमुना एक्शन प्लान की समीक्षा बैठक में कड़ा रुख अपनाया है। प्रदूषण फैलाने वाले छिपे हुए स्रोतों का पता लगाने के लिए अब नई तकनीक का सहारा लिया जाएगा। बोर्ड ने एक एजेंसी के माध्यम से ड्रेनों की ड्रोन मैपिंग करवाने का निर्णय लिया है। यह ड्रोन सर्वे नोडल अधिकारियों और आरओ की देखरेख में किया जाएगा, ताकि ड्रेनों को प्रदूषित करने वाले हर छोटे-बड़े छुपाए गए स्रोत की पहचान हो सके। बैठक में खुलासा हुआ कि पानीपत में उद्योगों द्वारा भूजल को प्रदूषित किया जा रहा है, जिस पर अब प्रदेश के मुख्यमंत्री ने स्वयं संज्ञान लिया है।

चेयरमैन ने पानीपत के क्षेत्रीय अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि ऐसी इकाइयों को चिन्हित कर तुरंत प्रभाव से कार्रवाई की जाए। नगर निगम पानीपत के मुख्य अभियंता रमेश बागडी ने बताया कि नाला नंबर-दो में गिरने वाले बिना उपचारित गंदे पानी को रोककर एसटीपी की ओर मोड़ दिया गया है।

इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। पिछले वर्ष ड्रेन के पानी की बीओडी वैल्यू 70 एमजी/एक थी, जो अब घटकर 32 रह गई है। सुधार के बावजूद पानीपत में अभी भी कई चुनौतियां बरकरार हैं, जिन पर चेयरमैन ने अगले 15 दिनों में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुराने औद्योगिक क्षेत्र का अपशिष्ट अभी भी ड्रेन के लिए चुनौती बना हुआ है। हालांकि उद्योगों ने ईटीपी लगाए हैं। लेकिन अब उनकी कार्यक्षमता की जांच की जाएगी। चौटाला रोड पर अवैध रूप से टैंकरों द्वारा अपशिष्ट फेंकने का मुद्दा उठाया गया था, जिस पर कड़ी निगरानी के आदेश दे दिए गए हैं।

सहायता प्राप्त कॉलेज अध्यापकों को दो माह से नहीं मिला वेतन

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में सहायता प्राप्त (एडेड) कॉलेजों के करीब डेढ हजार अध्यापकों को पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है। जिसके चलते 96 एडेड कॉलेजों के अध्यापक आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री और उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को ज्ञापन भेजकर वेतन भुगतान को ट्रेजरी प्रणाली के अधीन लाने की मांग उठाई है। एसोसिएशन के प्रधान डॉ.सुदीप कुमार ने कहा कि टीचर शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन उन्हें ही समय पर वेतन नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि अब टीचर चुप नहीं बैठेंगे। शिक्षकों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है। हर दो-तीन माह बाद वेतन भुगतान में देरी से टीचरों और उनके परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। एडेड कॉलेजों के टीचरों का वेतन सीधे ट्रेजरी सिस्टम के जरिए जारी किया जाए, ताकि भुगतान तय समय पर हो सके। शिक्षकों का तर्क है कि राज्य के अन्य सरकारी कर्मचारियों को नियमित वेतन मिलता है, जबकि एडेड कॉलेजों के शिक्षकों को हर बार इंतजार करना पड़ता है। प्रदेश में एडेड कॉलेजों का मुद्दा पहले भी कई बार उठ चुका है। वेतन अटकने से टीचरों के सामने घर चलाना मुश्किल हो गया है। बच्चों की फीस, बैंक की किस्तें और रोजमर्रा के खर्च प्रभावित हो रहे हैं। कई टीचर कर्ज लेकर परिवार चला रहे हैं। इसका असर कॉलेजों की पढ़ाई और छात्रों के भविष्य पर भी पडने लगा है। शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकला, तो प्रदेशभर में आंदोलन शुरू किया जाएगा। उनका कहना है कि सरकार को अब अस्थायी समाधान नहीं, बल्कि स्थायी व्यवस्था लागू करनी होगी।

सरकार जनता को पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध : डा. मिड्ढा

एजेंसी

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता को पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। जन संवाद कार्यक्रमों का उद्देश्य लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका त्वरित समाधान करना है ताकि आम नागरिकों को कार्यालयों के बार.बार चक्कर न लगाने पड़ें। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा अपने आवास पर आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के तहत क्षेत्र से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें तथा विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता की सेवा ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रत्येक अधिकारी को संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए। जन संवाद कार्यक्रम में

विभिन्न गांवों और शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों ने पेयजल, बिजली, सड़क, सफाई, पेंशन, राजस्व तथा अन्य जनहित से जुड़े मामलों को डिप्टी स्पीकर के समक्ष रखा।

डा. मिड्ढा ने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए और कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

ठेकेदार पर शोषण का आरोप, सफाई कर्मचारियों ने आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

कैथल। नगर परिषद में कार्यरत सफाई कर्मचारियों ने ठेकेदार और यूनियन नेतृत्व पर शोषण के आरोप लगाते हुए जिला पालिका आयुक्त को ज्ञापन सौंपा है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें निर्धारित न्यूनतम वेतन से काफी कम भुगतान किया जा रहा है, जिससे उनमें रोष है। कर्मचारियों के अनुसार नगर परिषद में कार्यरत करीब 165 कर्मचारियों को 2500, 4000, 5000 और 7200 रुपये तक ही वेतन दिया जा रहा है, जबकि न्यूनतम वेतन अधिनियम के तहत उन्हें लगभग 10 हजार 924 रुपये मिलना चाहिए। कर्मचारियों का कहना है कि ठेकेदार मनमर्जी से वेतन वितरण कर रहा है और इस पूरे मामले में यूनियन प्रधान महेंद्र बिडलान की भूमिका पर भी संदेह है। ज्ञापन में कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि ठेकेदार की ओर से

सफाई कार्य के लिए झाड़ू उपलब्ध करवाने का प्रावधान होने के बावजूद उन्हें कोई सामग्री नहीं दी गई। ऐसे में उन्हें अपने स्तर पर व्यवस्था करनी पड़ रही है। इसके अलावा करीब 20 कर्मचारियों के खातों में वेतन नहीं डाले जाने का भी आरोप लगाया गया है, जिससे नाराजगी बढ़ती जा रही है। इस दौरान ब्लॉक के पूर्व प्रधान बिट्टू बहोत, लकी दरोगा, बृजेश दरोगा, राजेंद्र दरोगा, सुशील दरोगा और चाहत दरोगा सहित अन्य कर्मचारियों ने मामले में उचित कार्रवाई की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पालिका आयुक्त कपिल कुमार ने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि सभी को पूरा वेतन दिलवाया जाएगा। साथ ही जिन कर्मचारियों को कार्य से हटाया गया है, उन्हें जल्द दोबारा ड्यूटी पर बहाल करने का प्रयास किया जाएगा। जिला पालिका आयुक्त कपिल कुमार ने बताया कि शिकायत प्राप्त हुई है और मामले की जांच करवाई जा रही है। जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार व अन्य के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

वैश्विक नरमी से गिरे खाद्य तेलों के दाम, सोयाबीन-बिनौला में उछाल

विदेशी असर से खाद्य तेल बाजार में उतारचढ़ाव, किसानों को अच्छे दाम से सोयाबीन रकबा बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दाम टूटने के बीच देश के तेल-तिलहन बाजार में मिलाजुला रुझान देखने को मिला। जहां सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम गिर गए, वहीं कम उपलब्धता और स्थानीय मांग के चलते सोयाबीन तिलहन और बिनौला तेल में सुधार दर्ज किया गया। महत्वपूर्ण बात यह है कि विदेशी बाजारों में नरमी के बावजूद सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसा सोयाबीन डीगम तेल का दाम बीते सप्ताह 1,345-1,350 डॉलर प्रति टन से घटकर 1,300-1,305 डॉलर प्रति टन पर आ गया, जिसका सीधा असर घरेलू सोयाबीन, सीपीओ और पामोलीन तेलों पर पड़ा। हालांकि, गर्मी में पाम-पामोलीन की औद्योगिक मांग ने इसकी कीमतों में अत्यधिक गिरावट को कुछ हद तक सीमित रखा। इसके विपरीत सोयाबीन के कम स्टॉक और सोयाबीन खल (डीओसी) की मजबूत स्थानीय मांग से सोयाबीन तिलहन के दामों में सुधार आया। इसी तरह, बिनौला तेल भी सीमित उपलब्धता के कारण मजबूत हुआ। आयातित तेलों की नरमी के बावजूद सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतें पिछले सप्ताहांत के स्तर पर स्थिर रहीं। जानकारों का कहना है कि सरकार को मूंगफली के लिए बाजार विकसित करने और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने हेतु सख्त कदम उठाने होंगे। किसानों को सोयाबीन के अच्छे दाम मिलने से इस बार इसके रकबे में वृद्धि की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 7,000-7,025 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये प्रति टिन (15 किलो) पर स्थिर रुख लिए बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 425-425 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 6,950-7,000 रुपये और 6,600-6,675 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 325 रुपये की गिरावट के साथ 15,675 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,575 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये की गिरावट के साथ 12,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताहांत मूंगफली तिलहन 6,650-7,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 15,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,500-2,800 रुपये प्रति टिन पर स्थिरता के रुख के साथ बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपये घटकर 15,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की गिरावट के साथ 14,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 15,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया तनाव से पिडिलाइट फिर बढ़ा सकती है उत्पादों के दाम

कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की लागत 40-50 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे माल की लागत में भारी बढ़ोतरी के मद्देनजर एडहेसिव और निर्माण रसायन बनाने वाली कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज कीमतों में एक और दौर की वृद्धि पर विचार कर रही है। कंपनी के एक अ धिकारी ने बताया कि कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की लागत भारित औसत आधार पर 40-50 प्रतिशत तक बढ़ गई है। यह जानकारी कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद दी गई। पिडिलाइट इंडस्ट्रीज, जो फेविकोल, डॉ. फिक्सिट, फेवीक्विक और एम-सील जैसे लोकप्रिय ब्रांडों की मालिक है, पहले ही अप्रैल और मई में दो बार कीमतों में वृद्धि कर चुकी है, जिसमें फेविकोल की कीमतों में 12-15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी शामिल है। अ धिकारी ने कहा कि कंपनी अपनी नीति के अनुरूप लागत वृद्धि को चरणबद्ध तरीके से बाजार पर डालेगी ताकि 20-24 प्रतिशत के कर-पूर्व लाभ (एबिटा) मार्जिन दायरे को बनाए रखा जा सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि पश्चिम एशिया संकट का समाधान इस महीने के भीतर निकल सकता है, जिससे उपभोक्ता मांग पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो महंगाई मांग को प्रभावित कर सकती है। कंपनी ने मौजूदा तिमाही के लिए आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है और मांग सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। नए वित्त वर्ष में मांग के रुझान उत्साहजनक बने हुए हैं, जिसमें शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में मजबूत खपत देखी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्धि अब भी शहरी बाजारों से बेहतर रही है।

सेंसेक्स की शीर्ष 4 कंपनियों का 1 लाख करोड़ से अधिक का मार्केट कैप घटा

भारती एयरटेल, टीसीएस एसबीआई को बड़ा नुकसान, रिलायंस व एचडीएफसी बैंक ने दर्ज की अच्छी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में सेंसेक्स और निफ्टी ने भले ही सीमित दायरे में बढ़त दर्ज की हो, लेकिन देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई है। इस दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गजों ने अच्छा प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत की। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल, एसबीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इस सूची में भारतीय स्टेट बैंक को सर्वाधिक 44,722.34 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिससे इसका मार्केट कैप घटकर 9,41,107.62 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 31,167.1 करोड़ रुपये घटकर 11,18,055.03 करोड़ रुपये पर आ गया, वहीं टीसीएस ने 28,456.26 करोड़ रुपये गंवाए, जिससे उसकी बाजार हैसियत 8,66,477.69 करोड़ रुपये रह गई। एलएंडटी को भी 5,371.84 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में कुल 46,685.21 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 15,425.09 करोड़ रुपये बढ़कर 12,02,699.26 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 11,486.89 करोड़ रुपये बढ़कर 5,94,610.02 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने 8,763.97 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की और रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 6,563.28 करोड़ रुपये बढ़कर 19,42,866.58 करोड़ रुपये रहा, जिससे वह शीर्ष स्थान पर बरकरार रही। एलआईसी और आईसीआईसीआई बैंक ने भी क्रमशः 2,751.37 करोड़ रुपये और 1,694.61 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी।

भारत में तोहफों का नया दौर, डिजिटल गिफ्टिंग बनी सबकी पसंद

स्मार्टफोन और यूपीआई के दौर में बढ़ा ई-गिफ्ट वाउचर और डिजिटल कार्ड का चलन

नई दिल्ली ।

भारत में खुशियों और त्योहारों पर तोहफे देने की पुरानी परंपरा अब एक नए डिजिटल स्वरूप में ढल रही है। स्मार्टफोन और यूपीआई के बढ़ते चलन ने लोगों की खरीदारी और गिफ्टिंग की आदतों में बड़ा बदलाव ला दिया है। अब लोग भौतिक वस्तुओं के बजाय ई-गिफ्ट वाउचर और डिजिटल कार्ड भेजना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। भारत में डिजिटल गिफ्टिंग अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हर किसी की पहली पसंद बन गई है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग सुविधा को सबसे ऊपर रखते हैं। डिजिटल गिफ्टिंग ने तोहफे की पसंद-नापसंद की टेंशन खत्म कर दी है। अब आप किसी को उनकी पसंद के ब्रांड का वाउचर भेजकर उन्हें अपनी मर्जी से खरीददारी का मौका देते हैं। इससे न सिर्फ तोहफा देने वाले की मेहनत बचती है, बल्कि आखिरी मिनट में भी तुरंत गिफ्ट भेजने की सुविधा मिलती है और कूरियर के झंझट से भी मुक्ति मिलती है।

तेल कीमतें रहेंगी ऊंची, भारत की जीडीपी घटेगी और महंगाई बढ़ेगी एडीबी

एशियाई विकास बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री ने 2026 में 96 डॉलर/बैरल का अनुमान जताया

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री ने चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया संकट के लंबे समय तक खिंचने से कच्चे तेल के दाम ऊंचे बने रहेंगे, जिसका सीधा असर भारत सहित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ेगा। उन्होंने भारत की वृद्धि दर में कमी और महंगाई में तीव्र वृद्धि का अनुमान जताया है। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री ने एक साक्षात्कार में कहा कि कच्चे तेल की कीमतें 2026 में औसतन 96 डॉलर प्रति बैरल और 2027 में 80 डॉलर प्रति बैरल रह सकती हैं, जो लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बने रहने का संकेत है। उन्होंने बताया कि हाजिर बाजार में कमी के चलते निकट वायदा कीमतें भी ऊंची बनी हुई हैं। भारत पर पश्चिम एशिया संकट के असर पर उन्होंने कहा कि इससे देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 0.6 प्रतिशत घटकर 6.3 प्रतिशत रह जाएगी। साथ ही चालू वित्त वर्ष में महंगाई भी 2.4 प्रतिशत बढ़कर 6.9 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। भारत का आयातित तेल और गैस पर अत्यधिक निर्भरता इस बढ़ी हुई महंगाई का प्रमुख कारण है, हालांकि अगले वित्तीय वर्ष में वृद्धि में सुधार की उम्मीद है। क्षेत्रीय स्तर पर एडीबी ने 2026 के लिए एशिया-प्रशांत की वृद्धि दर का अनुमान 5.1 प्रतिशत से घटाकर 4.7 प्रतिशत कर दिया है। एल नीनो के संभावित प्रभाव पर, पार्क ने खाद्य उत्पादन, विशेषकर चावल की वैश्विक व्यापार में भारत की भूमिका पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उर्वरक की बढ़ती कीमतें भी पैदावार और अंततः खाद्य कीमतों को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे आपूर्ति में कमी की चुनौती बढ़ सकती है।

भू-राजनीति की गिरफ्त में शेयर बाजार अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चा तेल तय करेगा चाल

रुपए-डॉलर की चाल, विदेशी निवेशकों का रुख, महंगाई के आंकड़े और तिमाही नतीजे भी देंगे बाजार को दिशा

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों का मानना है कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति बाजार बेहद संवेदनशील रहेगा, जबकि रुपये-डॉलर की चाल, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियां और आगामी महंगाई के आंकड़े भी बाजार के रुख को प्रभावित करेंगे। कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। बाजार `` विश्लेषकों का कहना है` कि बाजार इस सप्ताह भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील रहेगा। निवेशकों का ध्यान अमेरिका-ईरान से संबंधित हर गतिविधि पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने जोर दिया कि ब्रेंट कच्चे तेल के दाम बाजार की दिशा निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यदि कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बनी रहती हैं या तनाव कम करने की दिशा में कोई प्रगति होती है, तो जोखिम वाले निवेश माध्यमों में राहत भरी तेजी देखी जा सकती है। इसके विपरीत यदि तनाव बढ़ता है, तो बाजार पर दबाव बना रह सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह जारी होने वाले महंगाई के आंकड़े भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगे। बाजार` विशेषज्ञों के मुतो बिक भारत के अप्रैल महीने के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर नीति का संकेत देंगे। वहीं अमेरिका के सीपीआई और उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) आंकड़े फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर कटौती,

बॉन्ड प्रतिफल और वैश्विक जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। इस बीच केनरा बैंक, टाटा पावर, भारती एयरटेल, डीएलएफ, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी प्रमुख कंपनियां सप्ताह के दौरान अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी, जो शेयर और क्षेत्र आधारित गतिविधियों को प्रभावित करेंगी। एफआईआई की निकासी और बाजार का रुख बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 414.69 अंक (0.53 प्रतिशत) मजबूत हुआ था, जबकि एनएसई निफ्टी में 178.6 अंक (0.74 प्रतिशत) का लाभ दर्ज किया गया था। हालांकि, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजारों से लगातार निकासी कर रहे हैं। इस महीने अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों से 14,231 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। बाजार` विशेषज्ञों का कहना है ` कि आने वाले दिनों में बाजार की दिशा मुख्य रूप से भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों, रुपये की चाल और विदेशी निवेशकों के रुख पर निर्भर करेगी। साथ ही, चौथी तिमाही के नतीजों का अंतिम चरण शेयर और क्षेत्र आधारित गतिविधियों को प्रभावित करेगा, जिससे बाजार व्यापक दायरे में कारोबार कर सकता है।

अगले हफ्ते 12 दिग्गज कंपनियां बांटेगी डिविडेंड एक शेयर पर 40 तक कमाई का मौका

बैंकिंग, रियल एस्टेट, एफएमसीजी समेत विभिन्न सेक्टर की कंपनियों ने की घोषणा

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अगला सप्ताह कमाई के लिहाज से बेहद शानदार रहने वाला है। अगर आप भी स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं और केवल शेयरों के भाव बढ़ने से ही नहीं, बल्कि कंपनी के मुनाफे में हिस्सेदारी यानी 'डिविडेंड' से भी पैसा कमाना चाहते हैं, तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। अगले हफ्ते देश की 10 से अधिक दिग्गज कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड का बड़ा तोहफा देने जा रही हैं। डिविडेंड वह अतिरिक्त आय होती है जो कंपनियां अपने मुनाफे का एक हिस्सा अपने निवेशकों को नकद के रूप में देती हैं। अगले सप्ताह की शुरुआत यानी सोमवार को दो कंपनियां डिविडेंड के लिए तैयार हैं। गोल्ड लोन सेक्टर की दिग्गज कंपनी मनाप्पुरम फाइनेंस अपने निवेशकों को प्रति शेयर 0.50 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देने जा रही है। इसी दिन पीएई लिमिटेड भी 0.20 रुपये का फाइनल डिविडेंड देगी। मंगलवार को एफएमसीजी सेक्टर की बड़ी कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की बारी है। कंपनी ने अपने निवेशकों के लिए प्रति शेयर 5.00 रुपये का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। वहीं, बुधवार को एनआरबी बियरिंग्स लिमिटेड अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर 2.25 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगी। रियल एस्टेट सेक्टर की दिग्गज कंपनी ओबेरॉय रियल्टी गुरुवार को 2.00 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देने जा रही है। सप्ताह का सबसे बड़ा दिन शुक्रवार रहने वाला है, क्योंकि इस दिन एक साथ कई बड़ी कंपनियां अपने डिविडेंड की एक्स-डेट मनाएंगी। निवेश और वेल्थ मैनेजमेंट सेक्टर की कंपनी आनंद राठी वेल्थ अपने निवेशकों को प्रति शेयर 7.00 रुपये का भारी-भरकम फाइनल डिविडेंड देने जा रही है। वहीं, हाउसिंग फाइनेंस सेक्टर की कंपनी एप्टस वैल्यू हाउसिंग भी 2.50 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देगी। होटल और एनर्जी सेक्टर में भी मुनाफे की बारिश होने वाली है। एचबीजी होटल्स लिमिटेड प्रति शेयर 0.15 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगी, जबकि इंडियन एनर्जी एक्सचेंज ने

2.00 रुपये प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड का ऐलान किया है। इसके अलावा, स्नैक्स बनाने वाली कंपनी गोपाल स्नैक्स लिमिटेड भी शुक्रवार को अपनी एक्स-डेट पर होगी, हालांकि कंपनी ने इसके लिए राशि का खुलासा अभी नहीं किया है। निवेशकों के लिए यह उन कंपनियों में निवेश बनाए रखने या रिसर्च के बाद नए निवेश करने का एक बेहतरीन अवसर हो सकता है, जो नियमित रूप से अपने मुनाफे में हिस्सेदारी देती हैं।

नाल्को को पश्चिम एशिया तनाव से झटका, निर्यात प्रभावित, वैश्विक कीमतें गिरीं

कंपनी का 40-50 फीसदी एल्युमिना निर्यात बाधित; हाजिर कीमत 305-310 डॉलर प्रति टन हुई

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण उसके एल्युमिना निर्यात को गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के कुल निर्यात का लगभग 40-50 प्रतिशत हिस्सा इस क्षेत्र को जाता था, जिस पर सीधा असर पड़ा है, साथ ही वैश्विक हाजिर बाजार में एल्युमिना की कीमतें भी दबाव में आ गई हैं। नाल्को के एक वे रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि पश्चिमी एशिया को होने वाले निर्यात में आई बाधाओं और वैश्विक स्तर पर निर्यात गंतव्यों में बदलाव की वजह से हाजिर बाजार में एल्युमिना की कीमतें गिरकर 305-310 डॉलर प्रति टन पर आ गई हैं। कंपनी के लिए यह एक महत्वपूर्ण झटका है, क्योंकि क्षेत्र में जारी तनाव ने उसकी आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है। हालांकि, कंपनी अब इंडोनेशिया और अन्य बाजारों से नए ऑर्डर प्राप्त कर रही है, जिससे इस संकट के कुछ हद तक प्रभाव को कम करने में मदद मिली है। नाल्को ने चेतावनी दी है कि जब तक पश्चिम एशिया के स्मेल्टर पूरी क्षमता से काम करना शुरू नहीं कर देते, तब तक वैश्विक हाजिर एल्युमिना कीमतों पर दबाव बना रह सकता है।

विदेशी निवेशकों ने मई में भारतीय बाजार से 14,231 लाख करोड़ निकाले

वैश्विक अनिश्चितता, बढ़ती महंगाई और कमजोर रुपया मुख्य कारण, 2025 का आंकड़ा भी पीछे छूटा

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सिलसिला मई माह में भी जारी है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच एफपीआई ने इस महीने अब तक भारतीय इक्विटी बाजार से शुद्ध रूप से 14,231 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसके साथ ही, 2026 में एफपीआई की भारतीय शेयर बाजार से कुल बिकवाली का आंकड़ा बढ़कर दो लाख करोड़ रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया है, जो निवेशकों के लिए चिंता का विषय है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष 2025 में हुई कुल 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से कहीं अधिक है, जो मौजूदा वर्ष में विदेशी निवेशकों की बढ़ती सतर्कता को दर्शाता है। फरवरी महीने को छोड़कर, 2026 के सभी महीनों में एफपीआई शुद्ध बिकवाल रहे हैं। साल की शुरुआत में जनवरी में उन्होंने 35,962 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी।

हालांकि, फरवरी में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश देखा गया, जो पिछले 17 महीनों में सबसे अधिक था। यह सकारात्मक रुझान मार्च में उलट गया, जब विदेशी निवेशकों ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की भारी-भरकम निकासी की। अप्रैल में भी यह सिलसिला जारी रहा और उन्होंने 60,847 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। मई में अब तक हुई 14,231 करोड़ रुपये की बिकवाली इस रुझान की पुष्टि करती है।

बाजार के जानकारों के अनुसार एफपीआई की इस लगातार बिकवाली की मुख्य वजह वैश्विक वृहद आर्थिक अनिश्चितता है। विदेशी निवेशक विशेष रूप से बढ़ती महंगाई, ब्याज दरों के भविष्य और भू-राजनीतिक जोखिमों को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय रुपये पर दबाव से विदेशी निवेशकों के डॉलर-समायोजित प्रतिफल पर नकारात्मक असर पड़ रहा है, जिससे वे भारतीय बाजार से पूंजी निकाल रहे हैं।

हालांकि उनका कहना है कि समग्र बिकवाली के बावजूद, एफपीआई चुनिंदा क्षेत्रों जैसे बिजली, निर्माण और पूंजीगत सामान में अभी भी निवेश कर रहे हैं, जो इन क्षेत्रों की दीर्घकालिक संभावनाओं में उनके विश्वास को दर्शाता है।

बीते सप्ताह 24 कैरेट सोना 1,270 और चांदी 10,000 रुपए हुई महंगी

नई दिल्ली ।

देश में सोने और चांदी की कीमतों ने इस सप्ताह फिर आसमान छू लिया है। बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट सोना करीब 1,270 रुपये महंगा होकर 10 मई, 2026 को राजधानी दिल्ली में 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं 22 कैरेट सोने के दाम में भी लगभग 1,300 रुपये की तेजी आई है। चांदी की कीमतों में भी जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया, जो एक हफ्ते में 10,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ गई है। राजधानी दिल्ली में 10 मई, 2026 को 22 कैरेट सोना 1,39,800 रुपये और 18 कैरेट सोना 1,14,410 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिका। हालांकि, शुक्रवार 8 मई को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने के दाम में हल्की गिरावट भी देखी गई थी, लेकिन यह साप्ताहिक बढ़ोतरी को रोक नहीं पाई। देश के प्रमुख शहरों में कीमतों में थोड़ा अंतर रहा, जहां चेन्नई में 24 कैरेट सोने का भाव सर्वाधिक 1,54,370 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। सोने की तरह चांदी भी इस सप्ताह महंगी हुई है, जिसकी कीमत 10 मई को 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। उल्लेखनीय है कि जनवरी में चांदी ने 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम का रिकॉर्ड स्तर भी छुआ था, जो इसकी कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि को दर्शाता है। जानकारों के अनुसार, सोने-चांदी की कीमतों में यह तेजी वैश्विक आर्थिक स्थिति, डॉलर की मजबूती, ब्याज दरों में बदलाव और निवेशकों की बढ़ती मांग जैसे अंतरराष्ट्रीय कारकों का परिणाम है, जो घरेलू बाजार को भी प्रभावित कर रहे हैं।

वाहन कबाड़ नीति में फंसा ऑटो उद्योग, 70 फीसदी लक्ष्य से चूके विनिर्माता

पर्यावरण मंत्रालय की अव्यावहारिक नीति पर उद्योग जगत ने उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

भारत की वाहन कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित वाहन कबाड़ (स्क्रैप) से जुड़े इस्पात समतुल्य दायित्वों को पूरा करने में करीब 70 प्रतिशत की भारी कमी दर्ज की है। उद्योग जगत ने इसके लिए पर्यावरण मंत्रालय की अव्यावहारिक नीति को जिम्मेदार ठहराया है, खासकर अन्य इस्पात स्क्रैप सामग्री के प्रावधान को नियमों से हटाने को। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने जनवरी 2025 में 'पर्यावरण संरक्षण (वाहन को चलाने की अवधि की समाप्ति) नियम, 2025' अधिसूचित किए थे, जिसके तहत वाहन विनिर्माताओं को विस्तारित उत्पादक दायित्व (ईपीआर) के तहत स्क्रैप किए गए पुराने वाहनों से प्राप्त इस्पात के आधार पर दायित्व पूरा करना था। हालांकि, मंत्रालय ने मार्च 2026 में एक मसौदा संशोधन में अन्य इस्पात स्क्रैप सामग्री के प्रावधान को हटा दिया, जिससे केवल पुराने वाहनों से प्राप्त इस्पात ही ईपीआर प्रमाणपत्र के लिए मान्य रहा। उद्योग अधिकारियों के अनुसार, इस बदलाव ने लक्ष्य हासिल करना लगभग असंभव बना दिया।

वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनियों को 15-20 वर्ष पुराने निजी और वाणिज्यिक वाहनों के इस्पात समतुल्य का कम से कम आठ प्रतिशत कबाड़ में बदलना था। इसका अर्थ था कि लगभग 7.62 लाख वाहनों को कबाड़ किया जाना आवश्यक था, जबकि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, केवल 2.42 लाख पुराने वाहन ही कबाड़ केंद्रों पर पहुंचे। यह लगभग 5.2 लाख वाहनों की कमी को दर्शाता है। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने भी मंत्रालय को पत्र लिखकर पुराने वाहनों की सीमित उपलब्धता पर चिंता जताई है। उद्योग ने इस नीति को अव्यावहारिक बताया है और शुरुआती वर्षों में अन्य इस्पात स्क्रैप के उपयोग की अनुमति देने का सुझाव दिया है। उद्योग अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में जब ईपीआर लक्ष्य 13 प्रतिशत और फिर 18 प्रतिशत तक बढ़ेंगे, तो यह कमी और भी गंभीर हो सकती है। उद्योग ने इस नीति की तत्काल समीक्षा की मांग की है।

टाइटन का गोल्ड एक्सचेंज कार्यक्रम, तनाव के बावजूद सोने की आपूर्ति सुरक्षित

कंपनी ने भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद अल्पकालिक अवधि में आपूर्ति की चिंता न होने की बात कही

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला की चिंताओं के बावजूद, प्रमुख आभूषण कंपनी टाइटन ने घोषणा की है कि उसे अल्पकालिक अवधि में सोने की आपूर्ति को लेकर कोई चिंता नहीं है। कंपनी अपने सफल गोल्ड एक्सचेंज कार्यक्रम और वैकल्पिक आपूर्ति योजनाओं के चलते यह आश्वासन दे रही है, जिसने जोखिमों को कम करने में मदद की है। इसके साथ ही टाइटन ने मार्च तिमाही में जबरदस्त वित्तीय परिणाम भी दर्ज किए हैं। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि उनका गोल्ड एक्सचेंज कार्यक्रम पिछले वर्ष की तीसरी तिमाही से बहुत सफलतापूर्वक चल रहा है, जिससे आभूषण कारोबार के लिए सोने की उपलब्धता में लचीलापन बढ़ा है।

जरूरत पड़ने पर इस कार्यक्रम को और बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि टाइटन, तनिष्क और कैरटलेन के लिए अल्पकालिक अवधि में सोने की आपूर्ति को लेकर कोई चिंता नहीं है। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव, आयात लाइसेंस संबंधी देरी और सीमा शुल्क की सुस्ती जैसी चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने इन मुद्दों में सुधार का संकेत दिया। टाइटन ने वित्त वर्ष 2025-26 में 75,000 करोड़ रुपए से अधिक का कुल कारोबार लक्ष्य रखा है। मार्च तिमाही में कंपनी का एकीकृत मुनाफा 35.36 प्रतिशत बढ़कर 1,179 करोड़ रुपए हो गया, जबकि बिक्री 48.28 प्रतिशत बढ़कर 20,607 करोड़ रुपए रही। आभूषण प्रभाग के सीईओ अरुण नारायण ने बताया कि एक्सचेंज अभियान से विशेष रूप से शादी-विवाह और पुराने आभूषण बदलकर नए लेने वाले ग्राहकों के बीच खरीद में वृद्धि हुई है। मार्च तिमाही में खरीदारों की संख्या में 8 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने गोल्ड लोन की लागत बढ़ने की संभावना से भी इनकार किया है, क्योंकि ऋण अवधि को 180 दिन से बढ़ाकर 270 दिन कर दिया गया है।

तामिलनाडु के द्रविड़ राजनीति में विजय का उदय

राज कुमार सिन्हा

तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी लोकप्रियता महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल स्टारडम से सत्ता नहीं मिलती।एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता सफल हुए क्योंकि उन्होंने मजबूत संगठन और जनकल्याणकारी राजनीति भी विकसित की थी। नई पार्टियों पर अक्सर आरोप लगता है कि वे केवल एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द बनी हैं। यदि टीवीके अलग-अलग चेहरों को आगे करती है, तो वह खुद को 'संगठन आधारित पार्टी' के रूप में पेश कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है।यदि विजय किसी विशेष समुदाय से जुड़े माने जाते हैं, तो पार्टी दूसरे समुदाय और धर्म के चेहरे को आगे कर व्यापक सामाजिक गठबंधन बनाना चाहिए।

वर्तमान तमिलनाडु की राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव आया है। दशकों से चले आ रहे द्रविड़ राजनीति के दो पार्टियां द्रविड़ मुनेत्र कड्गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड्गम (एआईएडीएमके) के वर्चस्व को पीछे छोड़ते हुए अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कड्गम (टीवीके) ने 234 सदस्यीय विधानसभा में 107 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में अपनी जगह बनाई है। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने तमिलगा वेट्री कड्गम (टीवीके) पार्टी के अध्यक्ष जोसेफ विजय द्वारा सरकार बनाने के दावे को खारिज कर दिया था।जबकि टीवीके के संस्थापक जोसेफ विजय राज्यपाल अर्लेकर से दो बार मुलाकात कर सरकार बनाने का निमंत्रण देने का अनुरोध किया था। जोसेफ विजय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने में राज्यपाल की देरी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की गई।यह सर्वविदित है कि संविधान द्वारा शासित संसदीय लोकतंत्र में, किसी राजनीतिक दल या गठबंधन को बहुमत प्राप्त है या नहीं, यह प्रश्न केवल सदन के पटल पर ही निर्धारित किया जा सकता है। दूसरी ओर डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वार्ता और एडप्पाडी पलानीस्वामी के नेतृत्व में सरकार बनाने के प्रयासों की खबरें भी आई जो जनादेश के विरुद्ध था। तमिलनाडु में अंदरखाने राष्ट्रपति शासन लगाने की चर्चा होने लगा था। तमिलनाडु में विजय की सरकार को कांग्रेस, लेफ्ट और वीसीके ने अपना समर्थन दिया है। आईयूएमएल ने भी टीवीके को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है।तामिलनाडु में सरकार गठन के लिए 118 विधायकों का समर्थन चाहिए था जो अब 121 विधायकों का समर्थन मिल गया है। इसके बाद टीवीके की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। इस चुनाव में विजय ने दो विधानसभा सीटों से जीत हासिल की है। हालांकि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनी लेकिन उसके बाद भी सरकार बनाने को लेकर जोसेफ विजय को काफी दिक्कतें आई हैं। हालांकि, मुश्किलों को हल करने में राहुल गांधी की भूमिका काफी अहम रही है। तमिलनाडु में टीवीके चीफ विजय रविवार को राज्य के 9 वें मुख्यमंत्री पद की शपथ लिया है।इनके साथ नौ लोगों ने मंत्री पद का शपथ लिया है।जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके का उदय तमिलनाडु की राजनीति में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। यह केवल एक फिल्म अभिनेता के राजनीति में आने की घटना नहीं है, बल्कि राज्य की बदलती सामाजिक-राजनीतिक परिस्थितियों, युवाओं की अपेक्षाओं और द्रविड़ राजनीति के भीतर उभरते खाली स्थान का परिणाम भी है। विजय तमिल सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में से हैं। उनकी फिल्मों में अक्सर सामाजिक न्याय, भ्रष्टाचार विरोध और युवा शक्ति जैसे मुद्दे दिखाए जाते रहे हैं। उनका प्रशंसक नेटवर्क वर्षों से संगठित रूप में काम कर रहा था, जो अब राजनीतिक ढांचे में बदला गया है।टीवीके ने अभी तक खुद को पूरी तरह किसी एक वैचारिक ध्रुव से नहीं जोड़ा है।वे द्रविड़ पहचान, सामाजिक न्याय और तमिल अस्मिता को बनाए रखते हुए 'सर्वसमावेशी' छवि बनाना चाहते हैं।वे युवाओं को रोजगार, पारदर्शी व्यवस्था और सुशासन पर जोर देकर नई पीढ़ी को द्रविड़ राजनीति में जोड़ा है। इस बार के चुनाव में एआईएडीएमके का वोट शेयर लगभग 12 प्रतिशत तक गिरा है। इस बार सिर्फ पार्टी तीसरे नंबर पर पहुंच गई है, बल्कि वह मुख्य विपक्षी दल का दर्जा भी गंवा बैठी है।

डीएमके और एआईएडीएमके दोनों पार्टियां पेरियार और अन्नादुरई के सिद्धांतों जैसे सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता, हिंदी विरोध को मानती है।1967 से तमिलनाडु में केवल इन दो पार्टियों ने ही सरकारें बनाई हैं, जो बारी-बारी से सत्ता में आती रही हैं। दोनों ही पार्टियों का फिल्मी जगत से गहरा संबंध रहा है, जहां नेता अक्सर पटकथा लेखक या अभिनेता रहे हैं।डीएमके का उदय 1949 में हुआ था।सी.एन. अन्नादुरई ने पेरियार के कुछ विचारों से असहमति के बाद डीएमके बनाई, जो चुनावी राजनीति में उतरी। दक्षिण के बडे अभिनेता एम.जी. रामचंद्रन ने करुणानिधि से विवाद के बाद डीएमके से अलग होकर 1972 में एआईएडीएमके बनाई।बाद में जयललिता ने इस पार्टी की कमान संभाली थी। जयललिता भी दक्षिण की मशहूर अभिनेत्री थी। तमिलनाडु की द्रविड़ राजनीति का इतिहास 1916 में जस्टिस पार्टी की स्थापना से शुरू होकर आज की डीएमके और एआईएडीएमके के बीच वैचारिक और सत्ता संघर्ष का 110 साल पुराना सफर है।जस्टिस पार्टी की शुरूआत गैर-ब्राह्मण आंदोलन से हुई, जो प्रशासन और शिक्षा में ब्राह्मण वर्चस्व के खिलाफ था।बाद में जस्टिस पार्टी को पेरियार ई.वी. रामासामी ने द्रविड़ कड़गम में बदला, जिसका उद्देश्य स्वतंत्र द्रविड़ नाडु और सामाजिक सुधार था।तमिलनाडु की राजनीति देश के बाकी राज्यों से काफी अलग मानी जाती है। ऐसा इसलिए कि यहां जाति, भाषा, धर्म, क्षेत्रीय पहचान और सामाजिक न्याय की राजनीति ने एक ऐसी विचारधारा को जन्म दिया जिसे द्रविड़ राजनीति कहा जाता है। राज्य की दो सबसे बड़ी पार्टियां डीएमके और एआईएडीएमके एक ही द्रविड़ आंदोलन से निकली है, दोनों की विचारधारा लगभग समान है, लेकिन राजनीतिक रूप से दोनों दशकों से कट्टर प्रतिद्वंद्वी बनी हुई है और पिछले पांच दशक से ज्यादा समय से तमिल राजनीति पर कब्जा किया हुआ है। 1967 का विधानसभा चुनाव तमिलनाडु की राजनीति का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ, जहां डीएमके ने कांग्रेस को हराकर सत्ता हासिल कर ली और सी. एन. अन्नादुरई मुख्यमंत्री बने। यह पहली बार था जब किसी क्षेत्रीय दल ने राज्य में कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया था। इसके बाद तमिलनाडु की राजनीति लगभग पूरी तरह द्रविड़ दलों के नियंत्रण में आ गई। अन्नादुरई की मृत्यु के बाद एम. करुणानिधि डीएमके के सबसे बड़े नेता बनकर उभरे।1969 में सी.एन. अन्नादुरई के निधन के बाद, कलाइग्नार एम. करुणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने और पांच बार इस पद पर आसीन हुए। उन्होंने 2016 तक हुए सभी 13 विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करके एक रिकॉर्ड बनाया। 2018 में, उनके बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण, डीएमके की आम सभा की बैठक हुई और एम.के. स्टालिन को डीएमके को अध्यक्ष चुना गया था।1980 और 1990 के दशक में तमिलनाडु की राजनीति पूरी तरह करुणानिधि बनाम जयललिता में बदल गई। दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक संघर्ष बेहद तीखा था। विधानसभा से लेकर सड़कों तक टकराव दिखाई देता था।

तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मी लोकप्रियता महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल स्टारडम से सत्ता नहीं मिलती।एम.जी. रामचंद्रन और जे. जयललिता सफल हुए क्योंकि उन्होंने मजबूत संगठन और जनकल्याणकारी राजनीति भी विकसित की थी। नई पार्टियों पर अक्सर आरोप लगता है कि वे केवल एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द बनी हैं। यदि टीवीके अलग-अलग चेहरों को आगे करती है, तो वह खुद को 'संगठन आधारित पार्टी' के रूप में पेश कर सकती है। तमिलनाडु की राजनीति में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है।यदि विजय किसी विशेष समुदाय से जुड़े माने जाते हैं, तो पार्टी दूसरे समुदाय और धर्म के चेहरे को आगे कर व्यापक सामाजिक गठबंधन बनाना चाहिए। विजय की लोकप्रियता और उसकी दीर्घकालिक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वह पार्टी को मजबूत संगठन, स्पष्ट नीतियां और विश्वसनीय राजनीतिक नेतृत्व कितना विकसित कर पाते हैं।

(बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

बंगाल का 'रक्त-चरित्र'

बेशक पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' का जनादेश दिया गया है और आज पहली भाजपा सरकार शपथ ग्रहण कर रही है, लेकिन बंगाल का 'रक्त-चरित्र' नहीं बदला है। जनादेश के बाद बंगाल का 'बदलापुर' सामने है। चुनाव के बाद हिंसा, हत्या, आगजनी, तोडफोड़, कब्जेबाजी और बुलडोजर सरेआम दिख रहे हैं। पांच राजनीतिक हत्याएं की जा चुकी हैं। उनमें घोर निर्मम हत्या सुवेन्दु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की है। सुवेन्दु भाजपा सरकार के भावी मुख्यमंत्री माने जा रहे हैं। गौरतलब है कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनकी घरेलू सीट 'भवानीपुर' में पराजित किया है। चंद्रनाथ राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। वायुसेना से सेवानिवृत्त थे। वह सुवेन्दु के साथ तब से कार्यरत थे, जब सुवेन्दु ममता सरकार में मंत्री थे और मुख्यमंत्री के भरोसेमंद नेता थे। हमलावरों ने चंद्रनाथ को उनके घर से 100-150 मीटर दूर ही गोलियों से भून दिया। हमलावर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, लेकिन एसआईटी की जांच जारी है। ममता बनर्जी ने अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है, जिसे तृणमूल नेता दोहरा रहे हैं। सुवेन्दु अधिकारी का मानना है कि हमलावरों के निशाने पर वह थे, क्योंकि उन्होंने ममता बनर्जी को हराया है, लेकिन उनके सहायक की हत्या कर दी गई। यह पूर्व नियोजित, साजिशाना, नृशंस हत्या है। हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल यह हत्या ही बंगाल के 'रक्तचरित्र' को बयां करती है। हालांकि चुनाव और जनादेश के बाद भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल और तृणमूल के कार्यकर्ता अबीर शेख की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। कांग्रेस कार्यकर्ता को भी मारा गया है, जबकि बंगाल में कांग्रेस के अवशेष ही बचे हैं। बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, टॉलीगंज, हुगली, बांकुरा, आसनसोल, बीरभूम, जलपाईगुड़ी से 24 परगना तक हिंसा का जो 'नंगा नाच' सामने आया है, उनके 'रक्तबीज' कौन हैं? कमोबेश बंगाल से 'भद्रलोक' का सम्मानजनक विशेषण छीन लेना चाहिए, क्योंकि अब वह मुखौटा भर है, क्योंकि राजनीतिक हिंसा और हत्याओं में बंगाल देश में शीर्ष स्थान पर है। यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का आंकड़ा है। इस बार भी 400 से अधिक जगहों पर हिंसा, तोडफोड़, आगजनी की घटनाएं हुई हैं। 200 से अधिक अप्राथमिकी दर्ज की गई हैं, 433 लोगों की गिरफ्तारियां की गई हैं और करीब 1100 लोग हिरासत में लिए गए हैं। राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 2.40 लाख जवान तैनात किए गए थे। सीएपीएफ की 500 कंपनियां और तैनात की जा रही हैं, लेकिन बंगाल का 'रक्तचरित्र' यथावत है, कोई अंकुश नहीं, कोई बदलाव नहीं। बेशक प्रधानमंत्री मोदी 'बदला नहीं, बदलाव' की अपील करते रहें। इस बार चुनाव के दौरान अपेक्षाकृत बहुत कम हिंसा हुई। हत्या कोई नहीं हुई थी, लेकिन चुनाव और जनादेश के बाद बंगाल का 'रक्तरंजित' चरित्र सामने आ गया। दरअसल बंगाल में जो 'रक्तबीज' कांग्रेस ने बोया था, उससे पैदा हिंसा की फसलों को वाममोर्चे की सत्ता के दौरान 'संस्थानगत' आकार दिया गया। तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, तो वामदलों के गुंडे, अपराधियों ने निष्ठाएं बदल लीं और तृणमूल के साथ जुड़ गए। नतीजतन 15 साल की सत्ता के दौरान हिंसा, हत्या, दादागीरी, गुंडई और इलाकाई बदमाशी का एक 'इकोसिस्टम' तैयार हो गया।

चिंतन-मनन

वर्तमान में जिएं

मुनि ने सेठ की पुत्रवधू से पूछा, श्वसुरजी कहां हैं? उसने कहा, जूते की दुकान पर गए हैं। श्वसुर उस समय आराधना-कक्ष में आराधना कर रहा था। उसने सुना, वह तत्काल आया और बोला, महाराज! मेरी पुत्रवधू ने असत्य कहा है। मैं आराधना कर रहा था। इसने जानते हुए भी असत्य कहा है। मुनि ने सेठ से कुछेक प्रश्न पूछे। पूछते-पूछते एक प्रश्न के उत्तर में सेठ ने कहा, धर्म की आराधना तो चल रही थी, किन्तु एक बात मन में चक्कर लगा रही थी कि आराधना पूरी होते ही मैं दुकान पर जाकर जूते खरीदूंगा। जूते फट गए हैं, अच्छा नहीं लगता। कब आराधना पूरी हो और कब मैं जूते वाले के यहां जाऊं। इसी विचार से आराधना पूरी कर अब बाहर आया हूं। मुनि बोले, सेठजी! तुम्हारी पुत्रवधू ने सत्य ही तो कहा था। तुम्हारा शरीर आराधना-कक्ष में था, पर चित्त जूते की दुकान के चक्कर लगा रहा था। बिना चित्त के आराधना कैसी? प्रत्येक आदमी की आज यही दशा है। उसका चित्त किसी और दिशा में जा रहा है और शरीर किसी भिन्न दिशा में है। हमारा शरीर स्नायविक क्रिया के आधार पर काम करता है। कोई व्यक्ति जब पहले दिन सीढियों पर चढ़ता है, तब सावधानी से पैर रखता है। दस-बीस बार उन सीढियों पर चढ़ चुकने के बाद पैर अभ्यस्त हो जाते हैं। इसी प्रकार हमारे शारीरिक स्नायुओं को अभ्यास हो जाता है, फिर काम के साथ चित्त को जोड़ना नहीं पड़ता। काम यंत्रवत पूरा हो जाता है। हमें पता ही नहीं चलता। एक सफल सूत्र है-वर्तमान में जीना।

संवैधानिक संस्थानों पर गहराता संदेह और बदलता सियासी मिजाज

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय लोकतंत्र आज एक दोराहे पर है, जहां चुनाव के नतीजों से ज्यादा चर्चा चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक मयार्दाओं की हो रही है। देश की राजनीति में हाल के दिनों में जो कुछ घटा है—चाहे वह पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और राज्यपाल के बीच का अभूतपूर्व टकराव हो, या फिर विपक्षी नेताओं का जेल जाना - इन सबने आम जनता के मन में कई गंभीर सवाल पैदा कर दिए हैं। क्या हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं वास्तव में स्वतंत्र हैं? या फिर सत्ता की बिसात पर मोहरे अब संस्थानों की गरिमा से बड़े हो गए हैं?

सबसे पहले बात करते हैं पश्चिम बंगाल की। वहां संवैधानिक संकट जिस मोड़ पर पहुंचा है, वह भारतीय संसदीय इतिहास के लिए एक चिंताजनक अध्याय है। ममता बैनर्जी ने चुनाव हारने के बाद साफ कह दिया कि हम हारे नहीं है, बल्कि चुनाव आयोग ने हमें हराया है, मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, राज्यपाल चाहें तो मुझे सस्पेंड कर दें, मैं चुनावी प्रक्रिया में धांधली के मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाऊँगी या फिर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट जाऊँगी यह पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया तो राज्यपाल ने सरकार बरखास्त कर दी, राज्यपाल ने बरखास्त कर दिया ये तो होना ही था, लेकिन इस तरह न नाटकीय घटनाओं से लोकतंत्र कमजोर होता है, उसमे सत्ता - विपक्ष दोनों को गहराई से सोचना चाहिए कि आम नागरिको में क्या संदेश जाएगा।

क्या लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं सक्रिय राजनीति का अखाड़ा बन गईं हैं? यह सवाल आज हर जागरूक नागरिक पूछ रहा है। वहीं दूसरी ओर, देश में ईवीएम और वोट चोरी को लेकर उठ रहे स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे। हालांकि चुनाव आयोग बार-बार इसकी शुचिता का दावा करता है, लेकिन जब विपक्षी दल और नागरिक समाज के एक बड़े हिस्से में अविश्वास पैदा हो जाए, तो वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

भाजपा की एकतरफा जीत को लेकर भी समाज में दो फाड़ है, समर्थकों के लिए यह विकास की जीत है, तो विरोधियों के लिए यह संसाधनों और संस्थानों के दुरुपयोग का परिणाम। यह कहना भी हास्यापद होगा कि देश में राम राज्य आ गया है, क्योंकि महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव जैसे जमीनी मुद्दे आज भी जस के तस बने हुए हैं।

राजनीति की नैतिकता पर सबसे बड़ा प्रहार दलबदल ने किया है। क्षेत्रीय दलों के कद्दावर नेताओं का रातों-रात पाला बदलकर भाजपा के साथ जुड़ना, अब विचारधारा की राजनीति नहीं बल्कि अवसरवाद की राजनीति का प्रतीक बन गया है। जब जनता किसी व्यक्ति को एक खास विचारधारा के लिए चुनती है और वह नेता व्यक्तिगत लाभ या दबाव में दूसरी तरफ चला जाता है, तो यह सीधे तौर पर जनमत का अपमान है। आयाराम-गयाराम की यह संस्कृति लोकतांत्रिक शुचिता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाती है। इन सबके बीच, न्यायपालिका की साख पर भी उंगली उठने लगी है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा अदालत में यह कहना कि - मुझे आप पर विश्वास नहीं है कि आप न्याय करेंगी, केजरीवाल का दावा था कि जज आरएसएस से जुड़ी संस्था अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रमों में कई बार शामिल हुई हैं, जो एक विशेष विचारधारा को दशार्ता है। यह एक बेहद डराने वाली स्थिति की ओर इशारा करता है। जब देश के बड़े नेता और आम आदमी अदालतों की निष्पक्षता पर संदेह करने लगें, तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र का अंतिम स्तंभ भी डगमगा रहा है। न्याय का केवल होना ही काफी नहीं है, बल्कि उसका दिखना भी जरूरी है।

आज की राजनीति में स्वतंत्र संस्थानों की विश्वसनीयता सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। चुनाव आयोग, जांच एजेंसियां और यहां तक कि राजभवन - सभी की निष्पक्षता आज सवालों के घेरे में है। लोकतंत्र केवल वोट डालने और सरकार बनाने का नाम नहीं है; यह विश्वास और मयार्दाओं का खेल है। अगर जनता का भरोसा इन संस्थाओं से टूट गया, तो फिर हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने का गौरव कैसे बनाए रखेंगे? वक्त आ गया है कि सत्ता और विपक्ष, दोनों आत्ममंथन करें। राजनीति में जीत-हार चलती रहती है, लेकिन जीत की भूख में अगर हम लोकतंत्र की नींव ही खोद देंगे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। संस्थानों को अपनी रीढ़ मजबूत करनी होगी और नेताओं को अपनी नैतिकता। क्योंकि बिना विश्वास के, लोकतंत्र केवल एक खोखला ढांचा बनकर रह जाएगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

महिला आरक्षण पर राजनीतिक दलों का दोहरा चरित्र

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि जिस देश में महिलाओं को 'शक्ति', 'मातृशक्ति' और 'आधी दुनिया' कहकर सम्मानित किया जाता है, वहीं राजनीति में उन्हें समान भागीदारी देने के प्रश्न पर लगभग सभी राजनीतिक दलों की नीयत संदिग्ध दिखाई देती है। संसद से लेकर चुनावी मंचों तक महिला आरक्षण के समर्थन में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब उम्मीदवारों को टिकट देने का समय आता है, तब अधिकांश दल महिलाओं को हाशिये पर धकेल देते हैं। हालिया विधानसभा चुनावों ने इस विरोधाभास को एक बार फिर उजागर कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को दिए गए टिकटों का आंकड़ा यह बताने के लिए पर्याप्त है कि महिला प्रतिनिधित्व को लेकर दलों की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसद में जोरदार राजनीतिक संघर्ष देखने को मिला, लेकिन उन्हीं दलों ने चुनावी मैदान में महिलाओं को पर्याप्त अवसर देने में उत्साह नहीं दिखाया। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता का भी प्रश्न है।

सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल चुनाव की रही। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों में से केवल लगभग 33 महिलाओं को टिकट दिए, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों पर करीब 52 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। यह संख्या कुल टिकटों का लगभग दस प्रतिशत ही बैठती है। तमिलनाडु में भी स्थिति बहुत अलग नहीं रही। सत्ता परिवर्तन के दावे करने वाले दलों ने महिलाओं को सीमित अवसर दिए। असम और केरल जैसे राज्यों में भी राजनीतिक दलों ने महिलाओं को प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे नहीं बढ़ने दिया। परिणाम यह हुआ कि कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की संख्या अत्यंत कम रही। यह स्थिति तब है, जब देश की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं। दरअसल भारतीय राजनीति लंबे समय से पुरुष प्रधान मानसिकता से संचालित होती रही है। राजनीतिक दल महिलाओं को अक्सर 'सुरक्षित' या 'कमजोर' उम्मीदवार मानते हैं। उन्हें यह भय रहता है कि महिला प्रत्याशी चुनावी संघर्ष, धनबल, बाहुबल और जातीय समीकरणों के बीच प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी। यही कारण है कि अधिकांश दल महिलाओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देते हैं जहां उनकी जीत की संभावना कम होती है या जहां केवल प्रतीकात्मक उपस्थिति दर्ज करानी होती है।

विडंबना यह भी है कि जो राजनीतिक दल संसद में महिला आरक्षण के पक्ष में जोरदार भाषण देते हैं, वे अपने संगठनात्मक ढांचे में भी महिलाओं को निर्णायक स्थान देने से बचते हैं। अधिकांश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व पर पुरुषों का वर्चस्व है। महिलाओं को प्रायः महिला मोर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम या सामाजिक अभियानों तक सीमित कर दिया जाता है। निर्णय लेने वाली समितियों और रणनीतिक पदों पर उनकी भागीदारी बेहद कम दिखाई देती है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विशेष सत्र बुलाकर राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया था। विपक्ष पर महिलाओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया। लेकिन सवाल यह है कि यदि वास्तव में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण को लेकर गंभीर इच्छाशक्ति होती, तो बिना किसी संवैधानिक बाध्यता के भी दल अपने स्तर पर अधिक महिलाओं को टिकट दे सकते थे। आखिर किसने रोका था कि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक या अन्य दल कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीदवार बनाते? स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का मुद्दा कई बार वास्तविक सामाजिक प्रतिबद्धता से अधिक राजनीतिक लाभ का माध्यम बन जाता है।

हालांकि यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील और मानवीय बना सकती है। विश्व के अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति बढ़ी है, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, बाल सुरक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिली है। भारत में पंचायत स्तर पर महिला आरक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अनेक महिला सरपंचों और जनप्रतिनिधियों ने गांवों में शिक्षा, स्वच्छता और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे लोकतंत्र अधिक समावेशी बनता है। महिलाओं की उपस्थिति केवल संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का भी प्रश्न है। महिलाएं समाज के उन अनुभवों और समस्याओं को सामने लाती हैं, जिन्हें पुरुष प्रधान राजनीति अक्सर नजरअंदाज कर देती है। घरेलू हिंसा, मातृत्व स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा, बालिका शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों को मजबूती तभी मिलती है, जब निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी हो।

लेकिन दूसरी ओर कुछ चुनौतियां भी हैं, जिनकी चर्चा आवश्यक है। कई बार राजनीतिक दल केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को टिकट देते हैं। ऐसे मामलों में वास्तविक सत्ता उनके परिवार के पुरुष सदस्यों के हाथ में रहती है। पंचायतों में 'सरपंच पति' जैसी प्रवृत्तियां इसका उदाहरण हैं। राजनीति में वंशवाद और परिवारवाद के कारण भी कई योग्य महिलाएं अवसर से वंचित रह जाती हैं, जबकि राजनीतिक परिवारों से जुड़ी महिलाओं को अपेक्षाकृत आसान प्रवेश मिल जाता है। इसलिए केवल आरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रशिक्षण, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र नेतृत्व क्षमता का विकास भी आवश्यक है। एक अन्य चुनौती चुनावी राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण और अत्यधिक खर्च है। भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा और संघर्षपूर्ण हो गया है। धनबल और बाहुबल की संस्कृति महिलाओं की भागीदारी को सीमित करती है। सामाजिक रूढ़ियां भी बड़ी बाधा हैं। आज भी अनेक परिवार राजनीति को महिलाओं के लिए 'उपयुक्त क्षेत्र' नहीं मानते। देर रात की राजनीतिक गतिविधियां, सार्वजनिक आलोचना और चरित्र हनन की आशंकाएं भी महिलाओं को राजनीति से दूर करती हैं।

सवाल यह भी है कि क्या केवल आरक्षण से समस्या हल हो जाएगी? संभवतः नहीं। आरक्षण एक आवश्यक शुरूआत हो सकता है, लेकिन इसके साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन भी जरूरी है। राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को निर्णायक भूमिका देनी होगी। उन्हें केवल चुनावी पोस्टर या प्रचार अभियान तक सीमित रखने की प्रवृत्ति बदलनी होगी। राजनीतिक प्रशिक्षण शिविर, आर्थिक सहयोग और सुरक्षित राजनीतिक वातावरण तैयार करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला प्रतिनिधित्व को दया, उपकार या राजनीतिक मजबूरी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार के रूप में देखा जाए। जब तक राजनीतिक दल स्वेच्छा से महिलाओं को पर्याप्त अवसर नहीं देंगे, तब तक लोकतंत्र का संतुलन अधूरा रहेगा। यह भी सच है कि महिलाओं को भी अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और संगठित होना होगा। राजनीतिक चेतना और नेतृत्व क्षमता के विकास के बिना केवल संवैधानिक प्रावधान अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना केवल महिलाओं का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का प्रश्न है। यदि आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया से बाहर रहेगी, तो लोकतंत्र भी आधा-अधूरा ही रहेगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि महिला सशक्तीकरण केवल भाषणों और घोषणाओं से नहीं आएगा, बल्कि वास्तविक प्रतिनिधित्व और समान अवसरों से आएगा। कथनी और करनी के इस अंतर को समाप्त किए बिना महिला आरक्षण का सपना अधूरा ही रहेगा। निश्चय ही हालिया विधानसभा चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राजनीतिक दलों की महिला हितैषी राजनीति अभी भी बड़े पैमाने पर प्रतीकात्मक है। जब तक महिलाओं को टिकट वितरण, संगठनात्मक नेतृत्व और नीति निर्माण में न्यायसंगत भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक 'आधी दुनिया' लोकतंत्र के हाशिये पर ही खड़ी दिखाई देगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन : स्थानीय चुनाव हारने की प्रधानमंत्री स्टार्मर ने ली जिम्मेदारी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में स्थानीय परिषदों और स्कॉटलैंड-वेल्स की संसदों के लिए गुरुवार को हुए चुनावों के नतीजे शुक्रवार को आना शुरू हुए। इनमें पीएम कीर स्टार्मर की लेबर पार्टी हारी है और आप्रवासन विरोधी रिफॉर्म यूके जीती है। अब पीएम पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया है। पीएम स्टार्मर ने ?लेबर पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा, इससे उनके संकल्प में कमी नहीं आएगी। वेस्टमिंस्टर, साउथेम्प्टन, एक्सेटर, रेडडिच, वैंड्सवर्थ, हार्टलपूल, टैमवर्थ व टैमसाइड में लेबर हारी है। इन नतीजों को एकतरह से जनमत संग्रह माना जा रहा है।

इंडोनेशिया : निवेश घोटालों में 210 विदेशी गिरफ्तार

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशियाई आव्रजन अफसरों ने सिंगापुर से 20 किमी दूर बाटाम द्वीप पर ऑनलाइन निवेश घोटालों में शामिल होने के आरोप में 210 विदेशी गिरफ्तार किए हैं। इनमें से 125 वियतनाम से, 84 चीन से और एक म्यांमार से थे। गिरफ्तार किए गए लोगों में 163 पुरुष और 47 महिलाएं हैं। इनमें से अधिकांश पर्यटक या आगंतुक वीजा पर थे, जो काम करने या व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति नहीं देते हैं।

हंतावायरस को लेकर स्पेन में अलर्ट

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में स्वास्थ्य अधिकारियों ने हंतावायरस संक्रमण से प्रभावित क्रूज जहाज को लेकर अलर्ट जारी किया है। यह जहाज रविवार को कैनरी द्वीप समूह के टेनेरिफे पहुंचने वाला है। जहाज में 140 से ज्यादा यात्री और चालक दल के सदस्य मौजूद हैं। अब तक इस संक्रमण से तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि पांच यात्री संक्रमित पाए गए हैं। क्रूज कंपनी ने कहा है कि फिलहाल जहाज पर किसी में नए लक्षण नहीं दिखे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ङ्ग।ह्र) ने आम लोगों के लिए खतरे को कम बताया है और कहा है कि यह वायरस आसानी से एक व्यक्ति से दूसरे में नहीं फैलता। हालांकि, एंडीज वायरस के कुछ मामलों में सीमित मानव संक्रमण की आशंका रहती है। स्पेन सरकार यात्रियों को सुरक्षित तरीके से उतारने की तैयारी कर रही है। उन्हें छोटे समूहों में अलग-अलग नावों से लाया जाएगा और सीधे सुरक्षित बसों के जरिए एयरपोर्ट पहुंचाया जाएगा। एयरपोर्ट के कुछ हिस्सों को भी आम लोगों से अलग रखा जाएगा। इस बीच कई देशों में उन यात्रियों की तलाश जारी है, जो संक्रमण की पुष्टि से पहले जहाज छोड़ चुके थे। ब्रिटेन, नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका और स्पेन में संदिग्ध मामलों की जांच की जा रही है।

अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में संदिग्ध ड्रग बोट तबाह, दो लोगों की मौत

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने पूर्वी प्रशांत महासागर में एक संदिग्ध ड्रग तस्करी वाली नाव पर हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति बच गया। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने सोशल मीडिया पर इस कार्रवाई का वीडियो भी जारी किया है। वीडियो में समुद्र के बीच एक नाव दिखाई देती है, जिसके बाद जोरदार विस्फोट होता है और आग की लपटें उठने लगती हैं। सेना ने बताया कि घटना के तुरंत बाद अमेरिकी कोस्ट गार्ड को बचाव अभियान शुरू करने के लिए सूचना दी गई। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नई आतंकवाद-रोधी रणनीति को मंजूरी दी है। इस रणनीति में ड्रग कार्टेल्स को खत्म करना सबसे बड़ी प्राथमिकता बताया गया है। सितंबर 2025 से अमेरिका लैटिन अमेरिकी समुद्री इलाकों में संदिग्ध ड्रग बोट्स के खिलाफ लगातार सैन्य कार्रवाई कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक अब तक ऐसी कार्रवाइयों में करीब 193 लोगों की मौत हो चुकी है। उनका कहना है कि अमेरिकी सेना ने अब तक यह सार्वजनिक नहीं किया कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, उनमें वास्तव में ड्रग्स थे या नहीं।

पूर्व प्रिंस एंड्रयू को डराने के मामले में शख्स पर आरोप तय

लंदन, एजेंसी। पूर्वी इंग्लैंड में सैंड्रिंघम एस्टेट के पास पूर्व प्रिंस एंड्रयू (एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर) को धमकाने के आरोप में एलेक्स जेनकिंसन नामक व्यक्ति पर केस दर्ज किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार एक नकाबपोश व्यक्ति ने कुत्ते टहलाते समय एंड्रयू का पीछा किया और अपशब्द कहे। आरोपी को बुधवार शाम गिरफ्तार किया गया। एंड्रयू से जेफ्री एपस्टीन के साथ संबंधों के आरोपों के बाद शाही सम्मान छीना जा चुका हैं।

दुबई में समुद्री हादसे में भारतीय क्रू सदस्य की मौत

दुबई , एजेंसी। दुबई में एक दुखद समुद्री हादसे में भारतीय जहाज के एक क्रू सदस्य की मौत हो गई। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को इस घटना की पुष्टि करते हुए गहरा दुख जताया। हालांकि, अभी तक हादसे की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। भारतीय मिशन ने बताया कि वह जहाज के मालिकों के संपर्क में है।

यूक्रेन: 1 मई से अब तक रूसी हमलों में, 70 लोगों की मौत, 500 से अधिक घायल

वाशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निगरानी मिशन ने बताया है कि 5 मई को रूसी सैन्य बलों के सिलसिलेवार हमलों में 28 लोगों की जान गई थी और 194 घायल हुए थे. 1 मई से 5 मई के दौरान, ड्रोन व मिसाइल हमलों में कम से कम 70 लोग मारे गए हैं और 500 से अधिक घायल हुए हैं. यूएन मिशन इन घटनाओं में हताहत होने वाले लोगों के बारे में जानकारी जुटा रहा है. रूसी सैन्य बलों ने 24 फ़रवरी 2022 को यूक्रेन में पूर्ण स्तर का आक्रमण शुरू किया था, जिसके बाद से देश एक विशाल मानवीय संकट से जूझ रहा है. लड़ाई के अग्रिम मोर्चे वाले इलाक़ों में आम नागरिकों कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है.॥ऋरू की प्रमुख डैनियल बैल के अनुसार, जिस स्तर पर आम नागरिक हताहत हुए हैं और कुछ ही दिनों के भीतर बड़े पैमाने पर इलाक़े प्रभावित हुए हैं, वह विशेष रूप से चिन्ताजनक बात है. '1 मई से अब तक, यूक्रेन के 14 क्षेत्रों में 570 से अधिक आम नागरिकों के मारे जाने या फिर उनके घायल होने की ख़बर है।

1 से 5 मई के बीच, रूसी सैन्य बलों ने यूक्रेन के अनेक शहरों पर कई हमले किए. 5 मई को ज़ैपोरिझझिया में स्थित एक औद्योगिक इलाक़े में हवाई बमबारी में कम से कम 12 लोग मारे गए और 46 घायल हुए. इसी दिन, क्रामातोर्स्क और दोनेत्स्क क्षेत्रों के केन्द्रीय इलाक़ों को निशाना बनाया गया, जिनमें 6 लोगों की मौत हुई और 13 घायल हुए.शुक्रवार, 1 मई के बाद से, लम्बी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों और ड्रोन के सिलसिलेवार हमलों में यूक्रेन में बड़ी संख्या में आम नागरिक हताहत हुए हैं. ख़ारकीव ड्निप्रो, खे़रसॉन, पोलतावा और ओडेसा क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित बताए गए हैं.कुछ हमलों में, आपात कर्मचारियों और अग्रिम पंक्ति के राहतकर्मियों के मारे जाने या घायल होने की ख़बर है. पहला हमला होने के बाद जब ये राहतकर्मी वहाँ बचाव प्रयासों में जुटे थे, तभी वहाँ दूसरा हमला भी हुआ.पोलतावा क्षेत्र में, 4-5 मई की रात्रि को एक गैस निष्कर्षण केन्द्र पर हुए ऐसे हमलों में आपात सेवाओं के 2 कर्मचारियों के हताहत होने की जानकारी है.खे़रसॉन में, 3 मई को कुछ स्वास्थ्यकर्मी कम दूरी तक मार करने वाले एक ड्रोन की चपेट में उस समय आ गए, जब वे पहले एक अन्य ड्रोन हमले से प्रभावित लोगों को चिकित्सा सहायता पहुँचा रहे थे. नागरिकों की रक्षा का दायित्वकई हमलों में दिन के समय में शहरी इलाक़ों पर शक्तिशाली हथियारों का इस्तेमाल किया गया, जिससे हताहतों की संख्या अधिक होने की आशंका है.मानवाधिकार मिशन की प्रमुख डैनियल बैल ने कहा कि अपनी जान गँवाने वाले या घायल होने वाले अनेक आम नागरिक, अपनी दैनिक गतिविधियों में - कार्यालय जाना, कामकाज करना, ख़रीदारी, चलने-फिरने - में व्यस्त थे या पिर पहले हो चुके हमलों में प्रभावित लोगों को सहायता मुहैया करा रहे थे. 'ऐसी परिस्थितियों में, आम नागरिकों को होने वाले नुक़सान का अनुमान पहले ही लगाया जा सकता है. 'रूसी महासंघ के क़ब्ज़े वाले इलाक़ों में भी 1-5 मई के दौरान हुए हमलों में 10 लोगों के मारे जाने की जानकारी है. इनमें 5 लोगों की मौत क्राइमिया स्वायत्त गणराज्य में हुए एक ड्रोन हमले में हुई थी. इसके अलावा, रूस के चेबॉकसारी में 5 मई को कम से कम 2 लोग मारे गए थे और 35 अन्य घायल हुए थे.यूएन मानवाधिकार निगरानी मिशन ने ध्यान दिलाया है कि अन्तरराष्ट्रीय मानवतावादी क़ानून के तहत, हमला करने वाले पक्ष का यह दायित्व है कि आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए यथासम्भव क़दम उठाए जाएं. इनमें हमले के समय और इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों पर विचार करना भी है

ट्रंप का बड़ा दावा: नौ युद्ध खत्म कराए, अब रूस-यूक्रेन की बारी; ईरान और हंतावायरस को लेकर कही ये बात

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी कूटनीतिक सफलताओं का दावा करते हुए एक बड़ा बयान दिया है। ईरान के साथ जारी तनाव और रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच राष्ट्रपति ने अपनी उपलब्धियां गिनाई। ईरान के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रंप ने सकारात्मक रुख दिखाया है। उन्होंने कहा, 'हम बहुत अच्छा कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि ईरान के साथ चीजें अब सही रास्ते पर आ रही हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच शांति की पहल : राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने कार्यकाल के दौरान युद्धों को समाप्त करने की अपनी क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'मैंने अब तक आठ युद्ध सुलझाए हैं, वास्तव में नौ युद्ध खत्म किए हैं। अब ऐसा लग रहा है कि हम 10वां युद्ध भी खत्म कर सकते हैं।' ट्रंप ने विशेष रूप से रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे लंबे संघर्ष को समाप्त करने की इच्छा जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इन दोनों देशों के बीच जारी भीषण युद्ध को खत्म होते देखना चाहते हैं। उनके इस बयान को वैश्विक राजनीति में अमेरिका की सक्रिय मध्यस्थता के रूप में देखा जा रहा है।

हंतावायरस पर सरकार की सतर्कता : स्वास्थ्य के मोर्चे पर, राष्ट्रपति ने हंतावायरस को लेकर देश को आश्वस्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि हंतावायरस के हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं। ट्रंप ने कहा, 'हमारे पास स्थिति पर काबू पाने के लिए बेहतरीन टीम है। विशेषज्ञ इस वायरस को बहुत अच्छी तरह जानते हैं।' उन्होंने कोविड-19 से इसकी तुलना करते हुए बताया कि हंतावायरस उतनी आसानी से नहीं फैलता है। सरकार के विशेषज्ञ इस पर बहुत बारीकी से नजर रख रहे हैं।

श्रीलंकन एयरलाइंस के पूर्व सीईओ कपिला घर में मृत मिले

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकन एयरलाइंस के पूर्व सीईओ कपिला चंद्रसेना शुक्रवार को अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए। पुलिस के अनुसार उनका शव फंदा लगा हुआ मिला।

घटना भ्रष्टाचार मामले में उन्हें जमानत मिलने के कुछ ही दिनों बाद हुई है। उन पर विमानों की खरीद में रिश्वत लेने का आरोप था। हाल ही में अभियोजकों ने दावा किया था कि चंद्रसेना ने पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को 6 करोड़ श्रीलंकाई रुपये की रिश्वत देने की बात स्वीकार की थी। हालांकि उनके वकीलों ने कहा कि यह बयान दबाव में लिया गया था।

त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर पहुंचे जयशंकर

त्रिनिदाद , एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर पहुंच गए हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'त्रिनिदाद और टोबैगो में वापस आकर बहुत खुशी हो रही है। विदेश मंत्री शॉन सोबर्स को गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद। अगले दो दिनों में एक सफल यात्रा की उम्मीद है।

इससे पहले विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को गुयाना के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. फ्रैंक एंथनी से मुलाकात की। यह मुलाकात जॉर्जटाउन में उनके दौरे के दौरान हुई। दोनों नेताओं के बीच भारत और गुयाना के स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ते सहयोग पर चर्चा हुई। जयशंकर इस समय कैरेबियाई देशों के दौरे पर हैं। उन्होंने पहले जमैका और फिर सूरीनाम का दौरा किया। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर जानकारी देते हुए कहा कि भारत और गुयाना के बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है और दोनों देशों के रिश्ते आगे भी बेहतर होंगे। भारत पहले से ही कई देशों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं और मेडिकल तकनीक के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ा रहा है। गुयाना के साथ भी भारत चिकित्सा सहायता और स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास में सहयोग कर रहा है। इस मुलाकात को दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

ट्रंप प्रशासन का क्यूबा पर शिकंजा: जीएईएसए समेत कई संस्थाओं पर लगाए प्रतिबंध, धन और खाद्य संकट गहराने की आशंका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने क्यूबा पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए नई पाबंदियों का एलान किया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि प्रतिबंध क्यूबा की जनता पर नहीं, बल्कि वहां की सत्ता से जुड़े आर्थिक नेटवर्क पर लगाए गए हैं।

पाबंदियों का सबसे बड़ा निशाना कौन : नई पाबंदियों का सबसे बड़ा निशाना जीएईएसए बना है, जो क्यूबा की क्रांतिकारी सशस्त्र सेनाओं द्वारा संचालित विशाल कारोबारी समूह है। इसके अलावा कनाडा की कंपनी शेरिट इंटरनेशनल के साथ चल रहे संयुक्त उपक्रम मोआ निकल पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके बाद शेरिट इंटरनेशनल ने क्यूबा से अपना कारोबार समेटने की घोषणा कर दी, जिससे द्वीप देश में उसकी 32 साल पुरानी मौजूदगी समाप्त हो जाएगी।

विशेषज्ञों ने क्या जताई चिंता : विशेषज्ञों का मानना है कि ये प्रतिबंध क्यूबा की पहले से जर्जर अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर डाल सकते हैं। क्विंसी संस्थान से जुड़े शोधकर्ता ली श्लेंकर ने कहा कि नई कानूनी शक्तियों के तहत अमेरिका अब तीसरे देशों की कंपनियों और नागरिकों पर भी कार्रवाई कर सकेगा। इसके तहत कंपनियों की अमेरिकी संपत्तियां फ्रीज की जा सकती हैं और उनके निवेशकों तथा कर्मचारियों की अमेरिका यात्रा पर भी असर पड़ सकता है। क्यूबा मामलों के विशेषज्ञ और अर्थशास्त्री पावेल विडाल ने इन कदमों को बेहद चिंताजनक बताया। उनके अनुसार क्यूबा की अर्थव्यवस्था पहले ही लगभग ठप पड़ चुकी है और जनवरी से अमेरिका द्वारा ईंधन आपूर्ति रोके जाने के बाद हालात और खराब हुए हैं। उन्होंने कहा कि नए प्रतिबंधों के बाद जीएईएसए के साथ जुड़े विदेशी साझेदार भी दूरी बना सकते हैं क्योंकि बहुत कम कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों को चुनौती देने का जोखिम उठाएंगी। विशेषज्ञों के मुताबिक जीएईएसए का क्यूबा की अर्थव्यवस्था पर बेहद गहरा प्रभाव है। यह समूह देश के खुदरा कारोबार, होटल, ट्रैवल एजेंसियों, कार रेंटल सेवाओं, वित्तीय संस्थानों और मुद्रा विनिमय नेटवर्क तक को नियंत्रित करता है। रिपोर्टों के अनुसार जीएईएसए क्यूबा की जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से पर प्रभाव रखता है।

जीएईएसए का इतिहास : 1990 के दशक में सोवियत संघ के पतन और अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद क्यूबा की सेना ने इस कारोबारी ढांचे को खड़ा किया था। लंबे समय तक इसका नेतृत्व लुइस अल्बर्टो रोड्रिगेज लोपेज-कालेजा ने किया, जो पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के दामाद थे। उनके निधन के बाद अनिया गिलर्मिना लास्त्रेस को जीएईएसए का नया प्रमुख बनाया गया, जिन्हें अब अमेरिकी ब्लैकलिस्ट में भी शामिल कर लिया गया है।

इस्राइल-लेबनान के बीच 14-15 मई को अगले दौर की बातचीत, अमेरिकी विदेश विभाग ने दी जानकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने जानकारी दी है कि इस्राइल और लेबनान के बीच अगले दौर की बातचीत 14 और 15 मई को होगी। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच एक व्यापक शांति और सुरक्षा समझौता करना है। साथ ही इसमें हिजबुल्लाह से जुड़े मुद्दों पर भी बात होगी। अमेरिका इस पूरी बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा।

क्या बोले अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता : अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता थॉमस टॉमी पिगॉट ने शुक्रवार को एक बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि आने वाली बातचीत 23 अप्रैल को हुई बातचीत के आधार पर आगे बढ़ेगी। उस बैठक का नेतृत्व खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया था। अमेरिका इन दो दिनों की बातचीत में दोनों देशों की सरकारों के बीच तालमेल बिठाने का काम करेगा।

विदेश विभाग के अनुसार, दोनों देशों के प्रतिनिधि शांति और सुरक्षा के ढांचे पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इसमें सीमाओं का निर्धारण और लेबनान के लिए मानवीय सहायता जैसे विषय शामिल होंगे। अमेरिका का लक्ष्य पिछले दो दशकों के उन असफल तरीकों को बदलना है, जिनकी वजह से हिजबुल्लाह जैसे उग्रवादी गुट मजबूत हुए। इन गुटों ने लेबनान की सरकारी सत्ता को कमजोर किया और इस्राइल की उत्तरी सीमा के लिए खतरा पैदा किया।

बातचीत का केंद्र शांति स्थापित करना : अमेरिका ने साफ किया है कि बातचीत का केंद्र लेबनान की संप्रभुता को बहाल करना और लंबे समय के लिए क्षेत्र में स्थिरता व शांति लाना है। दोनों पक्ष अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए तैयार हैं। अमेरिका मतभेदों को दूर करने की कोशिश करेगा ताकि इस्राइल को सुरक्षा और लेबनान को पुनर्निर्माण में मदद मिल सके। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस बात पर जोर दिया कि शांति तभी संभव है जब लेबनान की सरकार का अपनी जमीन पर पूरा अधिकार हो। इसके लिए हिजबुल्लाह का पूरी तरह निहत्था होना जरूरी है। बता दें कि अमेरिका हिजबुल्लाह को एक विदेशी आतंकी संगठन मानता है।

स्थायी शांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : बयान में आगे कहा गया, ये चर्चाएं दशकों से चले आ रहे संघर्ष को खत्म करने और दोनों देशों के बीच स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम हैं। पिछले महीने, ट्रंप ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, इस्राइल में राजदूत माइक हकाबी और लेबनान में राजदूत मिशेल इस्सा के साथ एक बैठक के बाद, दोनों पक्षों के बीच 10-दिन के संघर्ष विराम को बढ़ाने की घोषणा की। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बताया कि युद्धविराम को तीन हफ्तों के लिए बढ़ाया गया है।

युद्ध के बीच और ताकतवर हुआ ईरान? कहा- 120 फीसदी बढ़ गया मिसाइलों का स्टॉक, झुकेंगे नहीं

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध में अब डेडलॉक की स्थिति बन गई है। एक तरफ जहां दोनों पक्षों के बीच सीजफायर को लेकर बातचीत जारी है, वहीं दूसरी तरफ दोनों देश स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक दूसरे के जहाजों पर हमले भी कर रहे हैं। ऐसे में युद्ध खत्म होने की संभावना खत्म हो रही है। इस बीच ईरान ने अमेरिका को एक बार फिर बड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वह किसी भी हालत में झुकेगा नहीं। इस दौरान ईरान ने यह भी दावा किया कि वह पहले से ज्यादा ताकतवर हो गया है और उसके मिसाइलों का स्टॉक 120 फीसदी बढ़ गया है। शुक्रवार को ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में यह बातें कही हैं। उन्होंने दावा किया कि ईरान की मिसाइल क्षमता और लॉन्चरों की संख्या काफी बढ़ गई है। अराघची ने लिखा, 'जब भी मेज पर कूटनीतिक समाधान निकल रहा होता है, अमेरिका एक लापरवाह सैन्य दुस्साहस का विकल्प चुनता है। क्या यह दबाव बनाने की घटिया चाल है या फिर अमेरिकी राष्ट्रपति को एक बार फिर किसी दलदल में धकेलने की कोशिश?

क्या बोले अराघची : पोस्ट में उन्होंने वाशिंगटन पोस्ट की उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि ईरान के पास अब केवल 75 फीसदी लॉन्चर और 70 फीसदी मिसाइल भंडार बचा है। अराघची ने कहा कि ईरान राष्ट्र की रक्षा के लिए 1000 फीसदी तैयार है और 28 फरवरी की तुलना में उसके मिसाइल स्टॉक 120 फीसदी ज्यादा बढ़ चुके हैं। इस बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) की नौसेना ने शुक्रवार सुबह अमेरिकी जहाजों पर हमले का दावा किया है। ईरान का दावा है कि यह कार्रवाई संघर्ष विराम के उल्लंघन और उसके एक तेल टैंकर के खिलाफ अमेरिकी सेना की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई है। ईरानी नौसेना ने बताया कि खुफिया निगरानी से पता चला है कि इस हमले में अमेरिकी सैन्य जहाजों को काफी नुकसान पहुंचा है। ईरान का दावा है कि हमले के बाद अमेरिकी सेना के तीन जहाज इस रास्ते से तेजी से पीछे हट गए हैं। वहीं अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने शुक्रवार को कहा है कि उसने दो और ईरानी टैंकरों को निष्क्रिय कर दिया है। अमेरिकी सेना ने कहा कि यह जहाज अमेरिकी नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे।

युद्धविराम पर अब भी जारी है चर्चा : इस बीच युद्धविराम को लेकर बातचीत जारी है। दोनों देशों के बीच 30 दिनों के लिए युद्धविराम और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने के प्रस्ताव पर बातचीत चल रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक बयान में कहा है कि अमेरिका अब भी ईरान के जवाब का इंतजार कर रहा है।

भारत के खिलाफ नेपाल के पीएम बालेन को उकसा रहे विपक्षी दल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में एक बार फिर लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी का मुद्दा गरमा गया है। नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सांसदों ने गुरुवार को प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। विपक्ष की मांग है कि सरकार अब सिर्फ 'डिप्लोमैटिक नोट' तक सीमित न रहे और इन क्षेत्रों को 'वापस' लेने के लिए भारत और चीन के साथ उच्च स्तरीय बातचीत शुरू करे। गौरतलब है कि नेपाल इन भारतीय क्षेत्रों पर अपना दावा ठोकता रहा है। भारत इन दावों को खारिज करता रहा है।

क्या है ताजा मामला : भारत और चीन ने 2026 के लिए कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू करने का फैसला किया है। यात्रा जून से अगस्त तक चलेगी, जिसमें लिपुलेख दर्रे (उत्तराखंड) के रास्ते एक रूट और नाथू ला (सिक्किम) के रास्ते दूसरा रूट शामिल है। नेपाल सरकार का कहना है कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी उसके क्षेत्र में आते हैं और बिना उसकी सहमति के यात्रा या कोई गतिविधि नहीं होनी चाहिए। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने 1816 की सुगौली संधि का हवाला देते हुए दोनों देशों को अलग-अलग डिप्लोमैटिक नोट भेजे। भारत ने नेपाल के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा कि लिपुलेख मार्ग 1954 से ही यात्रा के लिए इस्तेमाल होता आ रहा है और यह कोई नई बात नहीं है।

भारत के खिलाफ नेपाल के पीएम बालेन को उकसा रहे विपक्षी दल : नेपाली संसद के निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) की अंतरराष्ट्रीय संबंध और पर्यटन समिति की सिंघ दरबार में बैठक हुई। इसी बैठक में विपक्षी सांसदों ने यह मुद्दा उठाया। 'कैलाश मानसरोवर यात्रा' के लिए लिपुलेख मार्ग का इस्तेमाल किए जाने को लेकर वहां के नेताओं में नई बेचैनी देखने को मिल रही है। वे नेपाल के नए पीएम बालेन शाह पर दबाव डाल रहे हैं कि भारत से सीधी बात करें।

विपक्षी सांसदों ने क्या-क्या कहा? : आमने-सामने हो बातचीत: नेपाली कांग्रेस के सांसद संदीप राणा ने कहा कि नेपाल को अब अपने दोनों पड़ोसियों के साथ सीधी 'टेबल टॉक' यानी आमने-सामने बातचीत करने में देरी नहीं करनी चाहिए। राणा ने एक विवादित बयान देते हुए दावा किया, 'लिपुलेख हमारी जमीन है और इसका इस्तेमाल कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए किया जा रहा है। सीपीएन (यूएमएल) की सांसद भूमिका लिंबू सुब्बा ने लिपुलेख पर भारत की प्रतिक्रिया को 'गैर-जिम्मेदाराना' करार दिया। माओवादी सेंटर के सांसद प्रमेश कुमार हमाल ने सरकार से अपील की है कि वह इस मुद्दे पर देश की अन्य राजनीतिक ताकतों को भी अपने साथ ले।

क्या है भारत का रुख : आपको बता दें कि जब नई दिल्ली ने कैलाश मानसरोवर यात्रा का ऐलान किया था, उसके बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने भारत और चीन दोनों को कूटनीतिक पत्र भेजे थे। भारत ने नेपाल द्वारा किए गए क्षेत्रीय दावों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें 'एकतरफा और कृत्रिम विस्तार' करार दिया है और इसे पूरी तरह से गलत बताया है। लिपुलेख को लेकर नेपाल की आपत्तियों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में, विदेश मंत्रालय (स्ध्र) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने भारत के पूर्व में जारी किए गए बयानों का हवाला देते हुए कहा: कैलाश मानसरोवर यात्रा 1954 से इसी मार्ग के जरिए हो रही है। यह कोई नई बात नहीं है। इसलिए स्थिति वहीं है जो पहले थी। उन्होंने आगे कहा, 'यह कोई नया घटनाक्रम नहीं है... हमने अपने बयान में स्पष्ट रूप से कहा है कि क्षेत्र का एकतरफा और कृत्रिम विस्तार करने का दावा सही नहीं है। सीमा विवाद पर बातचीत के लिए भारत का रुख नेपाल के साथ अन्य मुद्दों पर चर्चा के बारे में बात करते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि नई दिल्ली हमेशा बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'अगर कोई सीमा संबंधी विवाद है, तो हम उस पर भी चर्चा करने के लिए तैयार हैं। लेकिन, एकतरफा दावा करना सही तरीका नहीं है।

रोज खाएं फाइबरयुक्त आहार

■ पालक में बीटा कैरोटीन अच्छी मात्रा में पाया जाता है जिससे कैंसर और दिल की बीमारी नहीं होती

■ ग्रीन-टी पीने से रक्त अंदर से साफ होता है व त्वचा निखरती है

■ शिमला मिर्च इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाती है, यह फेफड़े के इंफेक्शन, अस्थमा आदि से बचाव करती है

■ बींस पेट साफ रखती हैं, हड्डियां मजबूत बनाती हैं तथा वजन घटाती है, यह शरीर के दर्द को दूर करने में भी सहायक होती हैं

हमे अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए भाग-दौड़ करनी ही पड़ती है। ऐसा नहीं है कि हमारा शरीर अपने आप ही सारे प्रोटीन प्राप्त कर ले, इसके लिए हमें कुछ आहार बाहर और कुछ विटामिन रोज ही लेने चाहिए अन्यथा हमारा शरीर जल्द ही बूढ़ा और कमजोर होने लगेगा। अगर आप यह जान लें कि कौन से ऐसे आहार रोज खाने से आप फिट रह सकते हैं, तो आप कई सारी बीमारियों से बच सकते हैं। कहते हैं कि आप जैसा खाते हैं वैसे ही बन जाते हैं। इसलिए अपनी डाइट पर विशेष ध्यान दीजिए। जबकि भाग-दौड़ वाली जिंदगी में न तो खाने का कोई समय है और न ही सोने का। इसलिए अधिकतर लोग अपनी बीमारी का इलाज करवाने के लिए रोज डॉक्टरों की क्लीनिक के चक्कर काटते नजर आते हैं। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे आहारों के नाम बताएंगे जिन्हें रोजाना खाने से आप स्वस्थ तन-मन के मालिक बन सकते हैं।

ये आहार रोज खाने से आप रहेंगे तरो-ताजा व फिट

1. **ग्रीन-टीः** इसके अंदर एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जो वजन को कम करने के लिए एक जरूरी सामग्री है। यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को बढ़ा कर भूख को कम करता है। अगर आप ग्रीन-टी पिएंगे तो यह आपके रक्त को अंदर से साफ करेगी जिससे आप पाएंगे बेदाग और निखरी त्वचा।
2. **बादाम :** बादाम न केवल दिमाग तेज करता है बल्कि दिल को भी सुरक्षित रखता है। बादाम में काफी फाइबर और प्रोटीन होता है जो कि अन्य मेवों से कहीं अधिक होता है।
3. **शिमला मिर्च :** शिमला मिर्च में विटामिन ''सी' और ''ई' काफी मात्रा में होते हैं, जो खराब स्वास्थ्य को ठीक करते हैं। यह इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाती है। इसके साथ ही यह सांस संबंधि समस्याएं जैसे फेफड़े का इंफेक्शन, अस्थमा आदि से बचाव करती है।
4. **दहीः** इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, राइबोफ्लेविन, विटामिन ''बी-6' और विटामिन ''बी-12' जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। दही को अपने खानपान में शामिल करने से खूबसूरती और स्वास्थ्य दोनों ही बनते हैं।
5. **दूधः** दूध एक संपूर्ण आहार है जिसमें मिनरल, प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट और विटामिन उच्च मात्रा में पाया जाता है। इसे या तो दही या पनीर के रूप में खाया जा सकता है या फिर केवल दूध ही पिया जा सकता है। यह दोनों ही प्रकार से लाभ पहुंचाएगा।
6. **फलः** आपको रोज सुबह शाम एक फल जरूर खाना चाहिए। आप हर प्रकार के फल खाएं क्योंकि हर फल में अपने ही गुण होते हैं। फल खाने से पेट साफ रहता है और शरीर में शक्ति बनी रहती है। यह आपको उर्जावान बनाए रखते हैं।
7. **पालकः** पालक में बीटा कैरोटीन अच्छी मात्रा में पाया जाता है जिससे कैंसर और दिल की बीमारी नहीं होती। पालक खाने से हीमोग्लोबिन बढ़ता है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करने के अलावा हृदय संबंधी बीमारियों से लड़ने में भी मददगार होता है। यह आंखों के लिए भी अच्छा माना जाता है।
8. **बींसः** बींस में काफी फाइबर होता है जो कि शरीर से कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को घटाने में मदद करता है। यह पेट को साफ रखती हैं, हड्डियों को मजबूत बनाती हैं तथा वजन घटाने में भी सहायक हैं। यह शरीर के दर्द को दूर करने में भी सहायक होती है।

चुटकी भर नमक जिंदगी में ला सकता है बदलाव

नमक के बिना कोई भी खाना स्वादिष्ट नहीं लगता.. लेकिन क्या आप एक चुटकी नमक की कीमत जानते हैं। सिर्फ एक चुटकी नमक आपके अंदर ला सकता है कई बदलाव।वैज्ञानिक तौर पर ये बात कभी साबित नहीं हुई कि नमक का सेवन करने से हाइपरटेंशन बढ़ती है। हां रिसर्च में ये जरूर साबित हो चुका है कि कम सोडियम डायट लेने से कई हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। एक रिसर्च में ये बात भी सामने आई थी रोजाना 2300 मिलीग्राम से कम सोडियम लेने से मौत को खतरा बढ़ जाता है। यानी आपको रोजाना अपनी डायट में 2300 मिलीग्राम या उससे अधिक नमक रोजाना लेना चाहिए।नमक के सेवन से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल होता है और इंसुलिन संवदेशनशीलता में सुधार आता है। कम नमक की डायट लेने से तो इंसुलिन लेवल बिगड़ जाता है। एक चुटकी नमक खाने से अस्थमा और एलर्जी से होने वाली समस्याओं को कम किया जा सकता है।नमक के सेवन से पेट का पीएच लेवल नियंत्रित रहता है। दरअसल, पाचन तंत्र को मजबूत बनाएं रखने के लिए हाइड्रोक्लोरिक एसिड का होना जरूरी है और नमक में सोडियम क्लोराइड होता है। आपको जानकर हैरानी होगी 90 फीसद अमेरकिंस में लो स्टमक एसिड पाया जाता है। एंडरलिन ऐसा जरूरी स्ट्रेस हार्मोन है जो नमक की कमी से बढ़ सकता है. नमक इस स्ट्रेस हार्मोन को कंट्रोल करता है।

कम नमक की डायट लेने से तो इंसुलिन लेवल बिगड़ जाता है। एक चुटकी नमक खाने से अस्थमा और एलर्जी से होने वाली समस्याओं को कम किया जा सकता है।

नमक एंट्री स्ट्रेस और एंटी इक्साइट गुणों से भरपूर है जिससे की तनाव कम होता है, मेटाबॉलिक रेट अच्छा होता है। ऐसे में नींद भी बेहतर आती है। नमक के सेवन से वजन भी नियंत्रित रहता है। एक रिसर्च के मुताबिक, नमक की कमी से ब्लड शुगर लेवल कम हो जाता है और वजन भी बढ़ने लगता है। नमक थॉयरॉइड सिस्टम को कंट्रोल करता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

हंसी के फूव्वारें

जज (चोर से) - तुम्हारी जेब में जो कुछ है, उसे निकालकर मेज पर रख दो.

चोर (जज से)- यह तो सरासर नाइंसाफी है हुजूर. माल का आधा-आधा होना चाहिए.

□ □ □

बबलू (मम्मी से) - मम्मी प्लीज ये रस्सी अपनी जीभ से काट दो.

मम्मी (बबलू से) - बेवकूफ रस्सी जीभ से कैसे कट सकती है?

बबलू (मम्मी से) - क्यों? कल ही तो पापा कह रहे थे कि आपकी जुबान कैंची की तरह चलती है.

□ □ □

युवा फिल्म अभिनेता (प्रेमिका से)- आज तक मुझसे शादी के सैकड़ों निवेदन किए जा चुके हैं.

प्रेमिका (अभिनेता से)- अच्छा, किस-किस ने निवेदन किया?

अभिनेता (प्रेमिका से) - 'मेरे मम्मी और डैडी ने.' अभिनेता मुस्कराते हुए बोला.

□ □ □

एक छाताधारी सैनिक से उनके अफसर ने पूछा, 'तुमने कितनी बार हवाई जहाज से छलांग लगाई है.'

'केवल एक बार.' सैनिक ने कहा.

'लेकिन तुम्हारे सर्विस रिकार्ड मे तो पन्द्रह बार लिखा हुआ है.'

'शेष चौदह बार तो मुझे धकेला गया था.' सैनिक ने कहा.

काकुरो पहेली - 4050

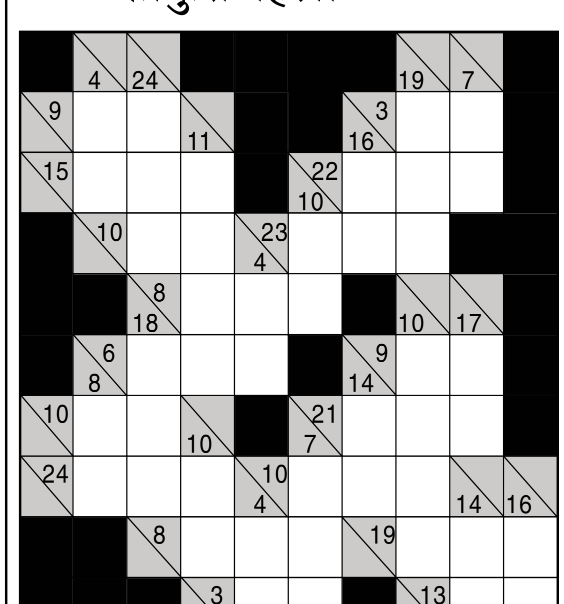

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

10 / 6	1	2	3	4
1				
2				
3				

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4049 का हल

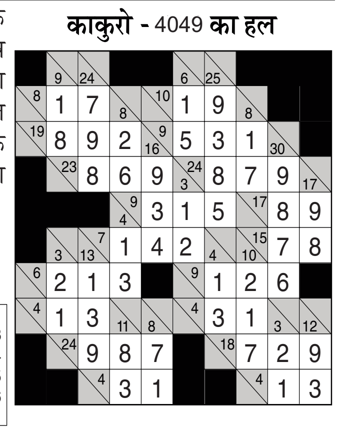

फिल्म वर्ग पहेली - 4050

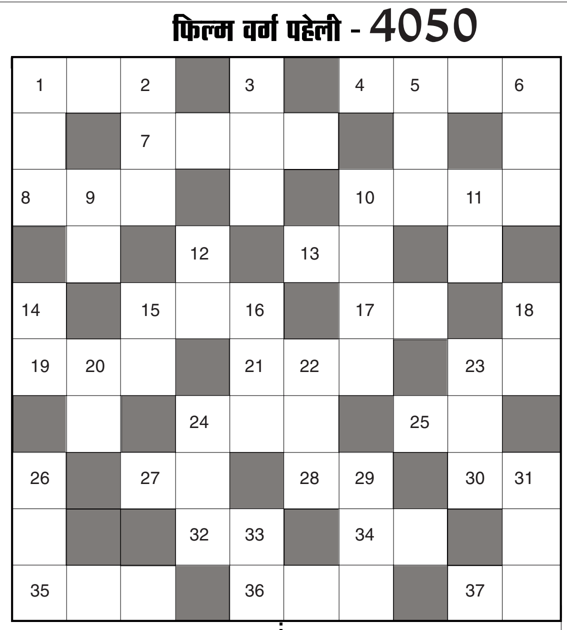

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली -4049

अ	नि	ता		जो	र		बे	ना	म
नु		रा	का		वी	र	ता		म
म	र्द		श	बा	ना		ब	बी	ता
लि		ता		बू		सु		ना	
क	भी	क	भी		सु	हा	ग	रा	त
	गी	त		चि	रा	ग		य	
गो	रा		शा		ग		चि		ह
	त	क	दी	र		इं	त	का	म
ज		री		त	ब्बू		चो		रा
या	रा	ना		न		अ	र	बा	ज

सूडोकु 4050

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4049 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 4050

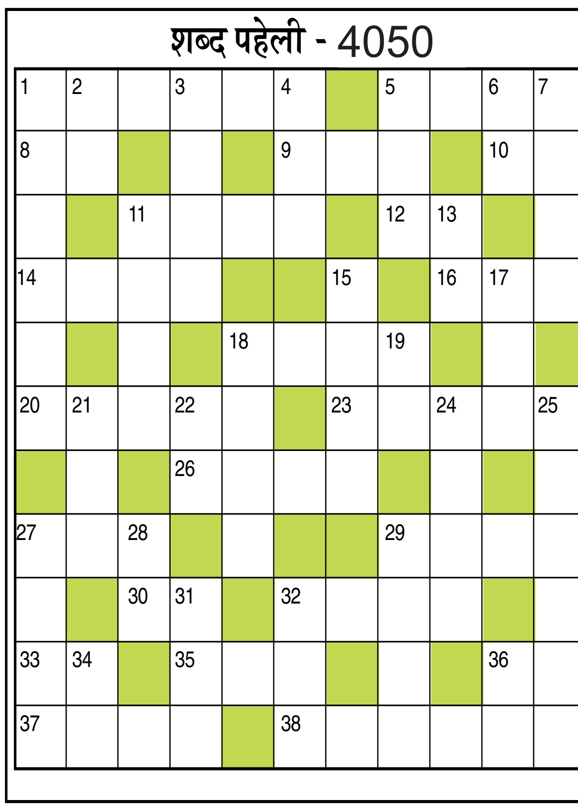

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली 4049, का हल

आ	द	त	न		ल		वा	य	लि	न
	ल		रा		प	व	न		ख	फा
ए			ध	व	ल		र			स
ह	र	द	म		पा	ल		फ	क	त
सा		म		दा	ना		सा		मा	
न	वी	न	त	म		अ	ज	वा	ई	न
	र		वा		स	दा		रि		वी
प	ता	का		ह	क		अ	स	मा	न
र			जी		प	र	दा			ता
वा	त		न	ल	का		व		द	
ज	रु	र	त		ना		त	ल	वा	र

आआपा सरकार ने पंजाब को बर्बादी की ओर धकेल दिया: राघव चड्ढा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने पंजाब की आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार पर राज्य की जनता को धोखा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आआपा ने समृद्ध और खुशहाल पंजाब बनाने का वादा किया था, लेकिन राज्य को आर्थिक बर्बादी की ओर धकेल दिया।आआपा ने पंजाब को 'रंगला' बनाने का वादा किया था, लेकिन पंजाब के खजाने को 'कंगला' बनाने का काम किया। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने करीब 10 घंटे तक पूछताछ के बाद चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया। ईडी की टीम ने यह कार्रवाई 157 करोड़ की फर्जी बिक्री तथा फर्जी शैल कंपनियों के माध्यम से पैसों की लेन-देन के आधार पर किया।इसके दो दिन पहले गुरुवार को ईडी ने पंजाब के मोहाली से जुड़े दो बड़े रियल एस्टेट ग्रुप्स के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया। ईडी की कार्रवाई के दौरान एक बिल्डिंग की नौंवी मंजिल से करीब 21 लाख रुपये नकद नीचे फेंक दिए गए। इस पर राघव चड्ढा ने पैसे के स्रोत और वैधता पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कोई भी ईमानदार व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई को इस तरह नहीं फेंक सकता। अगर यह पैसा ईमानदारी से कमाया गया होता तो कोई इसे नौवीं मंज़िल से नीचे नहीं फेंकता। यह घटना स्वयं भ्रष्टाचार और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग की ओर इशारा करती है।

कर्नाटक के तुमकुरु में ट्रक-कार की टक्कर, चार लोगों की मौत

तुमकुरु। कर्नाटक के तुमकुरु जिले के कुनिगल तालुक स्थित होन्नेनहल्ली के पास हुए एक सड़क हादसे में आल्टो कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब उर्वरक से भरे एक ट्रक और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई, जिससे कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार लोगों को बाहर निकलने का कोई मौका नहीं मिला। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर कुनिगल पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। क्षतिग्रस्त कार से शवों को निकालने में पुलिस और स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मृतकों की पहचान मंड्या जिले के स्वर्णसंद्र निवासी कुमार नरसिम्हास्वामी, उनकी पत्नी गायत्री (60), उनकी बहन गायत्री (55) और कार चालक के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, कुमार नरसिम्हास्वामी अपनी पत्नी और बहन के साथ शुक्रवार को तुमकुरु आए थे। वे विवाह वर्षगांठ के अवसर पर देवरायणदुर्ग में दर्शन के लिए गए थे और वहां से लौटते समय यह हादसा हुआ।

मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व में छोड़े गए चार और 'जंगली भैंस', संख्या बढ़कर आठ हुई

भोपाल। करीब एक सदी बाद मध्य प्रदेश के कान्हा टाइगर रिजर्व में 'जंगली भैंस' की वापसी से वन्यजीव संरक्षण के इतिहास में नया अध्याय जुड़ गया है। काजीरंगा से लाए गए चार और 'जंगली भैंसों' को सुपखार क्षेत्र में छोड़े जाने के बाद अब कान्हा में इनकी संख्या बढ़कर आठ हो गई है। जनसंपर्क अधिकारी के.के. जोशी ने बताया कि कान्हा टाइगर रिजर्व, मंडला के सुपखार परिक्षेत्र में शुक्रवार को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) समिता राजोरा एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णमूर्ति ने 4 और जंगली भैंसों को विशेष रूप से निर्मित बाड़े में सफलतापूर्वक मुक्त किया। इस अवसर पर संचालक कान्हा टाइगर रिजर्व रविंद्र मणि त्रिपाठी, उप संचालक (कोर) प्रकाश वर्मा, उप संचालक (बफर) अमिथा के.बी., समस्त सहायक संचालक, परिक्षेत्र अधिकारी एवं स्थानीय वन अमला उपस्थित रहा। दरअसल, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में वन विभाग जैव विविधता संरक्षण और विलुप्तप्राय प्रजातियों के पुनर्वास के लिये विशेष अभियान चला रहा है। इसी के अंतर्गत असम के प्रसिद्ध काजीरंगा टाइगर रिजर्व से 'जंगली भैंस' को कान्हा के सुपखार क्षेत्र में पुनर्स्थापित किया जा रहा है। सुपखार वह क्षेत्र है, जहां ऐतिहासिक रूप से जंगली भैंसों की उपस्थिति होने के प्रमाण प्राप्त हुए हैं।

परमाणु ऊर्जा नवाचार शिखर सम्मेलन के लिए भारत को आमंत्रण

नई दिल्ली। अफ्रीकी देश रवांडा के राष्ट्रपति की तरफ से जैकलीन मुकांगिरा ने प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह से मुलाकात कर उन्हें 'अफ्रीका के लिए परमाणु ऊर्जा नवाचार शिखर सम्मेलन (एनईआईएसए 2026)' में शामिल होने का निमंत्रण सौंपा। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 18 से 21 मई तक किगाली में आयोजित होगा। यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग फॉर अफ्रीका (यूनेका), विश्व परमाणु संघ समेत कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें परमाणु ऊर्जा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मैन्युफैक्चरिंग और भविष्य की ऊर्जा साझेदारियों पर चर्चा होगी। डॉ. जितेंद्र सिंह ने रवांडा दौरे पर असमर्थता जताई, लेकिन वर्चुअली सम्मेलन में शामिल होकर संबोधित करने पर सहमति दी। बैठक के दौरान भारत और रवांडा के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा, डिजिटल क्षमता निर्माण और उभरती तकनीकों में सहयोग बढ़ाने पर भी बातचीत हुई। डॉ. सिंह ने कहा कि भारत परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष तकनीक, बायोटेक्नोलॉजी और एआई जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

स्वतंत्रता के 80 साल बाद भारत लोकतंत्र की नई परिभाषा गढ़ रहा : राम बहादुर राय

एजेंसी

पटना। स्वतंत्रता के 80 साल बाद भारत नए लोकतंत्र के दौर में है और लोकतंत्र की नई परिभाषा गढ़ रहा है। यह इसलिए हो सका है क्योंकि भारत ने पश्चिम के लोकतंत्र से मुक्ति पा ली है। इसके साथ ही एक चुनौती भी है कि इस नए लोकतंत्र को गढ़ने में कई सामाजिक प्रश्न हल करने होंगे। यह बातें पद्म भूषण से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय ने कहीं। विश्व संवाद केंद्र द्वारा आयोजित आद्य पत्रकार देवर्षि नारद स्मृति कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी भारत के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने भारत के संविधान को शत प्रतिशत स्वीकार किया है। पहले के सारे प्रधानमंत्रियों ने संविधान में अपने-अपने तरीके से परिवर्तन के प्रयास किए। सबसे पहले पं. जवाहरलाल नेहरू ने 18 मई, 1951 को बने बनाए संविधान में असंवैधानिक तरीके से संशोधन कराया जिसमें नागरिक अधिकारों पर आंशिक अंकुश लगाने का संदर्भ था। इसके बाद इंदिरा गांधी ने तो संविधान की हत्या ही कर दी। नरेंद्र मोदी संभवतः एकमात्र प्रधानमंत्री हैं जो सार्वजनिक समारोहों में भारत को लोकतंत्र की जननी बताते हैं। भारत में लोकतंत्र की आंतरिक शक्ति के बारे में चर्चा करते हुए श्री राय ने कहा कि भारत ही एकमात्र देश है जहां आपातकाल रूपी तानाशाही लगने के तुरंत बाद लोकतंत्र फिर से बहाल हो गया। यही भारत के लोकतंत्र की असली आंतरिक शक्ति है। आजादी के बाद जब लगातार तीन चुनाव कांग्रेस पार्टी ने जीत लिए तो पश्चिम के राजनीतिक विशेषज्ञों ने भविष्यवाणी की भारत में लोकतंत्र अधिक दिन तक जीवित नहीं रहेगा। वास्तविकता यह है कि ये लोग पुस्तकों में राजनीतिक विज्ञान के सैद्धांतिक अवधारणाओं को आधार बनाकर भारत के बारे में भविष्यवाणी कर रहे थे, जबकि भारत के लोकतंत्र को सामान्य व्यक्ति अपने असल जीवन में जीता है और इस देश में लोकतंत्र इस सामान्य व्यक्ति के आचरण के बल पर फल-फूल रहा है। उन्होंने 25 नवंबर, 1949 को भीमराव अंबेडकर द्वारा संविधान पर दिए गए भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक लोकतंत्र को अपनी आंतरिक शक्ति से ही भारत प्राप्त कर सकता है, क्योंकि भारत में भले ही कोई पॉलीटिशियन बेईमान, पदलोलुप या भ्रष्ट हो सकता है लेकिन यहां का नागरिक अपने लोकतांत्रिक कर्तव्य के प्रति हमेशा से ईमानदार रहा है और यही भारतीय लोकतंत्र की आंतरिक शक्ति है। आईआईटी पटना के निदेशक प्रोफेसर टी.एन. सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि यह संगोष्ठी अति आवश्यक विषय पर आयोजित की गई है क्योंकि कई बार लोकतंत्र में दिखता कुछ और है तथा होता कुछ और है। भारत जैसा विशाल देश तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए एक परिपक्व लोकतंत्र की ओर तेजी से बढ़ रहा है, यह संतोष की बात है।

गुरुग्राम अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपित पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा को सात दिन के रिमांड पर ईडी को सौंपा

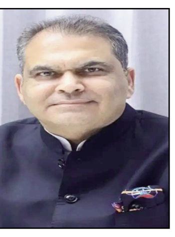

एजेंसी

गुरुग्राम (हरियाणा)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार पंजाब सरकार के मंत्री संजीव अरोड़ा को रविवार सुबह अदालत में पेश किया। अदालत ने अरोड़ा को सात दिन के रिमांड पर ईडी को सौंप दिया। उनसे गुरुग्राम के एमजी रोड स्थित ईडी कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। ईडी ने अरोड़ा के चंडीगढ़, गुरुग्राम स्थित ठिकानों पर छापा मारा था। वह लुधियाना वेस्ट से विधायक हैं। ईडी ने करीब 10 घंटे तक चली छापेमारी के बाद शनिवार शाम पांच बजे मंत्री संजीव अरोड़ा को चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया था। ईडी सूत्रों के अनुसार, मंत्री संजीव अरोड़ा व उनसे संबंधित कंपनियों पर 157.12 करोड़ रुपये की फर्जी बिक्री और शेल कंपनियों के जरिये फर्जी एक्सपोर्ट दिखाने के आरोप हैं। इन्हीं आरोपों में उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है।

पूर्व आईएएस सुब्रत गुप्त बने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सलाहकार, शांतनु बाला नियुक्त हुए पर्सनल सेक्रेटरी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शपथ लेने के कुछ घंटों के भीतर ही प्रशासनिक टीम में महत्वपूर्ण नियुक्तियां कर दीं। 2017 बैच के आईएएस अधिकारी शांतनु बाला को मुख्यमंत्री का नया पर्सनल सेक्रेटरी बनाया गया है। जबकि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सुब्रत गुप्त को मुख्यमंत्री का सलाहकार नियुक्त किया गया है।

सुब्रत गुप्त इससे पहले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग के विशेष पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। पिछले वर्ष अक्टूबर में राज्य में शुरू हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में भी उन्हें विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था। चुनाव आयोग ने उनके कामकाज पर संतोष जताते हुए बाद में विधानसभा चुनाव में भी अहम जिम्मेदारी दी थी। मुख्यमंत्री के पर्सनल सेक्रेटरी नियुक्त होने से पहले शांतनु बाला दक्षिण 24 परगना

जिले में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) के पद पर तैनात थे। इससे पहले वह कूचबिहार और मुर्शिदाबाद जिलों में भी एडीएम के रूप में कार्य कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद चुनाव आयोग ने राज्य के कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर फेरबदल किया था। फिलहाल दुष्यंत नारियाला राज्य के मुख्य सचिव और संगमित्रा घोष गृह सचिव के पद पर हैं। नई सरकार बनने के बाद इन पदों पर भी बदलाव की संभावना जताई जा रही है, हालांकि अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी शुक्रवार को नवान्न जाएंगे और उसी दिन नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक भी हो सकती है।

एल्विश यादव से लॉरेंस गैंग ने मांगी 10 करोड़ की रंगदारी

एजेंसी

गुरुग्राम। यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर उनसे 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। धमकी विदेशी नंबर से व्हाट्सएप मैसेज के जरिए दी गई। मैसेज भेजने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी रणदीप मलिक बताया है।

मामले की शिकायत मिलने के बाद गुरुग्राम के सेक्टर-56 थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कि धमकी के मैसेज कहां से भेजे गए। जानकारी के अनुसार, एल्विश यादव इन दिनों एक शो की शूटिंग के सिलसिले में गुरुग्राम से बाहर हैं। उनका इन दिनों कर्ल्स चैनल पर लाफ्टर शैफ शो चल रहा है। इसके अलावा वह अन्य चैनलों की शूटिंग भी कर रहे हैं। परिवार के सदस्यों ने बताया कि धमकी देने वाले ने दो दिन के भीतर रकम नहीं देने पर गोली मारने की चेतावनी दी है। पुलिस अब नंबर की लोकेशन

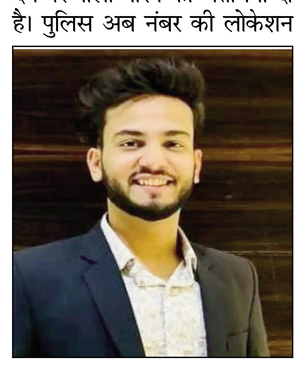

और कॉल डिटेल्स खंगालने में जुटी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, 5 मई को एल्विश यादव के मोबाइल पर एक विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आई थी, लेकिन वह कॉल रिसीव नहीं कर पाए। इसके कुछ देर बाद उसी नंबर से एक मैसेज भेजा गया। मामले पर एल्विश यादव के पिता रामअवतार यादव ने कहा कि उनका बेटा मेहनत के दम पर इस मुकाम तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम में बहुत से संपन्न लोग रहते हैं और कोई भी किसी को धमकी देकर पैसे मांग सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है और ना ही कभी एल्विश ने कोई जानकारी साझा की। उल्लकि इससे 17 अगस्त 2025 को सेक्टर-56 स्थित एल्विश यादव के घर पर बदमाशों ने करीब 24 राउंड फायरिंग की थी। बाइक सवार हमलावरों ने घर के दरवाजों, खिड़कियों और छत तक को निशाना बनाया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने दो शूटरों को गिरफ्तार किया था, जिन्हें फायरिंग के लिए कथित तौर पर 50-50 हजार रुपए दिए गए थे।

मप्र बना गिद्ध संरक्षण का अंतरराष्ट्रीय केंद्र.. भोपाल से उड़कर 3000 किमी दूर उज्बेकिस्तान पहुंचा

एजेंसी

भोपाल। गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में मध्य प्रदेश एक अंतरराष्ट्रीय हब के रूप में उभर रहा है। हाल ही में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से उड़ा एक गिद्ध 24 दिन में उज्बेकिस्तान पहुंच गया। गिद्ध ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान को पार कर करीब तीन हजार किलोमीटर की दूरी तय की। वन विभाग ने जीपीएस से उसकी निगरानी की। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी केके जोशी ने दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। प्रदेश से जुड़े एक सिनेरियस गिद्ध की प्रेरणादायी यात्रा ने प्रदेश के संरक्षण प्रयासों को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। उन्होंने बताया कि दुर्लभ सिनेरियस गिद्ध का रेस्क्यू 19 दिसंबर 2025 को विदिशा जिले के सिरोंज क्षेत्र से किया गया था। घायल एवं कमजोर अवस्था में मिले इस गिद्ध का उपचार वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल एवं बीएनएचएस के संयुक्त

तत्वावधान में संचालित वल्चर कंजर्वेशन ब्रीडिंग सेंटर, केरवा में विशेषज्ञों द्वारा किया गया। स्वस्थ होने के बाद 23 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसे रायसेन जिले के हलाली डैम स्थित प्राकृतिक आवास में मुक्त किया था। मुक्त किए जाने के बाद यह गिद्ध लगभग एक माह तक हलाली डैम क्षेत्र में रहा और प्राकृतिक वातावरण में स्वयं को पुनः अनुकूलित करता रहा।

जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया एवं बीएनएच के सहयोग से वन विहार द्वारा इसकी जीपीएस ट्रैकिंग प्रारंभ की गई। इससे गिद्ध की गतिविधियों एवं प्रवास की वैज्ञानिक तरीके से निगरानी की जा रही है। ट्रैकिंग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस गिद्ध ने 10 अप्रैल 2026 को हलाली डैम से अपनी लंबी अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रारंभ की। राजस्थान से होते हुए यह पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमाएं पार कर 4 मई 2026 को उज्बेकिस्तान पहुंच गया। इस दौरान इसने 3000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की। जनसम्पर्क अधिकारी जोशी ने बताया कि यह अद्भुत यात्रा गिद्धों की असाधारण नेविगेशन क्षमता, सहनशीलता एवं जीवटता का जीवंत उदाहरण है। साथ ही यह मध्य प्रदेश सरकार की वन्यजीव संरक्षण के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाती है। गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे सतत प्रयासों, आधुनिक उपचार सुविधाओं, वैज्ञानिक मॉनिटरिंग और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से मध्य प्रदेश आज देश के साथ ही वैश्विक वन एवं वन्यजीव संरक्षण समुदाय के लिए प्रेरणास्रोत बनकर उभरा है। प्रदेश गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में विश्व मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित कर रहा है।

सांसद सुप्रिया सुले की कार को मुंबई-पुणे हाइवे पर दूसरी गाड़ी ने मारी टक्कर, बाल-बाल बचीं

एजेंसी

मुंबई। एनसीपी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले शनिवार देररात सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचीं। मुंबई-पुणे हाइवे पर उनकी कर को पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार को मामूली नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि सुप्रिया की कार में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। सांसद सुप्रिया ने बताया कि वह पुणे से मुंबई जा रही थीं। पीछे से आ रहे वाहन क्रमांक (जीजे 13 सीएफ 5257) ने उनकी कार को किनारे से जोरदार टक्कर मार दी। सौभाग्य से इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई और सभी लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना लोगों की जान को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने नागरिकों से सीट बेल्ट का

उपयोग करने, सावधानी बरतने और जिम्मेदारी से वाहन चलाने की अपील की है। सुप्रिया बारामती से लोकसभा सदस्य हैं।

रवींद्रनाथ टैगोर के पत्र का हवाला देकर ओवैसी ने किया 'वंदे मातरम' का विरोध

एजेंसी

छत्रपति संभाजीनगर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा सुभाषचंद्र बोस को लिखे गए पत्र का हवाला देते हुए 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत बनाने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि यह गीत दुर्गा देवी का वर्णन करता है, और टैगोर के अनुसार मुसलमान इसे स्वीकार नहीं करेंगे। यह बात उन्होंने छत्रपति संभाजीनगर में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कही, जहाँ उन्होंने टैगोर के पत्र का एक हिस्सा पढ़कर सुनाया।

ओवैसी ने कहा कि उन्होंने संसद में भी 'वंदे मातरम्' पर अपनी राय रखी है। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा, 'अगर आपको मेरी राय सुननी है, तो अब सुननी पड़ेगी।' उन्होंने आगे कहा कि भले ही उनकी बात कुछ लोगों को पसंद न आए, लेकिन यह समझना जरूरी है। उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा सुभाषचंद्र बोस को लिखे गए पत्र का तीसरा पैराग्राफ पढ़कर बताया, जिसमें उल्लेख था

कि 'वंदे मातरम्' दुर्गा के दस भुजाओं वाले स्वरूप का वर्णन करता है, इसलिए बंगाल के मुसलमान इसे स्वीकार नहीं कर पाएंगे। ओवैसी ने यह भी कहा कि 'जन गण मन' पहले से ही राष्ट्रगान है और यह बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान की प्रस्तावना से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि संसद में विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि चुने जाते हैं, जो देश की विविधता को दर्शाते हैं, इसलिए 'वंदे मातरम्' को लागू करना उपयुक्त नहीं होगा, जैसा टैगोर ने भी कहा था।

ओवैसी ने यह भी दावा किया कि जो विचार टैगोर के थे, वही उनकी भी सोच है। ओवैसी ने कहा कि सुभाषचंद्र बोस और रवींद्रनाथ टैगोर की देशभक्ति प्रधानमंत्री और उनकी खुद की देशभक्ति से कहीं अधिक थी। ओवैसी ने आगे कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की 'आनंदमठ' नामक कृति में लिखा गया है, जिसमें कई मुस्लिम विरोधी बातें भी हैं। उन्होंने कहा कि यदि इन पंक्तियों को आज पढ़ा जाए तो वे स्वीकार्य नहीं लगेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो वे वह पूरा पाठ उपलब्ध करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् को राष्ट्रीय गीत बनाने की चर्चा चल रही है और इसी पृष्ठभूमि में वे इसका विरोध कर रहे हैं। ओवैसी ने कहा कि भारत किसी एक धर्म का देश नहीं है, बल्कि सभी धर्मों और नास्तिकों का भी देश है।

केरल के मुख्यमंत्री चयन पर खरगे आवास पर मंथन खत्म, राहुल गांधी समेत शीर्ष नेतृत्व ने दावेदारों से की चर्चा, नाम का ऐलान जल्द

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल में मुख्यमंत्री पद के चयन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर चली लंबी बैठक शनिवार देर शाम समाप्त हो गई। बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं ने मुख्यमंत्री पद के दावेदारों और केरल कांग्रेस नेतृत्व के साथ विस्तृत चर्चा की।

जल्दी ही मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम फैसला जल्द हाईकमान की ओर से लिया जाएगा। बैठक के बाद कांग्रेस नेता दीपा दास मुंशी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि शाम 4 बजे से देर रात तक चली बैठक में लंबी चर्चा हुई। बैठक में मौजूद सभी नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से अलग-अलग भी बातचीत की और सामूहिक रूप से भी चर्चा हुई।

दोनों नेताओं ने सभी को मार्गदर्शन दिया है। दीपा दास मुंशी ने कहा कि पिछले दो-तीन दिनों में केरल में कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा अति उत्साह में कुछ अनुशासनहीन घटनाएं हुईं, जो कांग्रेस की संस्कृति का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने पार्टी

कार्यकर्ताओं से इस प्रकार की गतिविधियों से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता ने पार्टी को प्रचंड बहुमत दिया है और पार्टी नेतृत्व चाहता है कि इस जनादेश की गरिमा बनाए रखी जाए।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चयन को लेकर अंतिम निर्णय बहुत जल्द पार्टी हाईकमान की ओर से लिया जाएगा। कांग्रेस विधायक दल पहले ही एक पंक्ति का प्रस्ताव पारित कर हाईकमान को मुख्यमंत्री चुनने के लिए अधिकृत कर चुका है। बैठक में कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन, वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला, केरल कांग्रेस अध्यक्ष सनी जोसेफ, एआईसीसी पर्यवेक्षक मुकुल वासनिक, अजय माकन और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री पद के लिए केसी वेणुगोपाल, वीडी सतीशन और रमेश चेन्निथला के नामों पर चर्चा हुई।कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और राहुल गांधी ने तीनों संभावित उम्मीदवारों से अलग-अलग बातचीत की।

इसके बाद तीनों नेताओं को साथ बैठाकर भी चर्चा की गई। इससे पहले, पार्टी पर्यवेक्षक अजय माकन और मुकुल वासनिक ने केरल के नवनिर्वाचित विधायकों से मुलाकात कर उनकी राय जानी थी और अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष को सौंप दी थी। उल्लेखनीय है कि केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा ने 140 में से 102 सीटों पर जीत दर्ज की है। इनमें कांग्रेस को 63 सीटें मिली हैं।

उपराज्यपाल ने की आईजीआई हवाई अड्डे के संचालन और विस्तार योजनाओं की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे का दौरा करते हुए यहां के संचालन और विस्तार योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने स्थिरता, नवाचार और यात्री-केंद्रित बुनियादी ढांचे पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, वाणिज्य, पर्यटन और निवेश के वैश्विक केंद्र के रूप में राजधानी को मजबूत करने में दिल्ली के विश्व स्तरीय विमानन पारिस्थितिकी तंत्र की भूमिका पर प्रकाश डाला।

उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तकनीकी रूप से उन्नत विमानन क्षेत्र के दृष्टिकोण के अनुरूप दिल्ली हवाई अड्डे की परिचालन उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता देखकर बहुत खुशी हुई। उन्होंने कहा कि 'शून्य अपशिष्ट भूमि उपयोग' नीति और मजबूत जल संचयन संरचनाओं के कार्यान्वयन ने

देश में सतत अवसंरचना के लिए एक सराहनीय मानक स्थापित किया है। उपराज्यपाल ने दिल्ली में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यवसायों को आकर्षित करने के लिए विश्व स्तरीय हवाई अड्डे और एयरोसिटी पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे वाणिज्य, पर्यटन और निवेश के वैश्विक केंद्र के रूप में राजधानी की स्थिति और मजबूत होगी। उपराज्यपाल ने दौरे के दौरान यहां यात्रियों से बातचीत करके यात्रा के दौरान हवाई अड्डे के अनुभव पर उनके दृष्टिकोण और प्रतिक्रिया जानी। उन्होंने विमान ध्वनि प्रदूषण को कम करके निवासियों के कल्याण के साथ तीव्र विकास को संतुलित करने के महत्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे विमानन केंद्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो वैश्विक व्यापार का केंद्र होने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार हो।

उर्विल पटेल का अर्धशतक, चेन्नई ने लखनऊ सुपर जाइंट्स को 5 विकेट से हराया

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (CSK) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (LSG) को पांच विकेट से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। उर्विल पटेल ने 13 गेंद में अर्धशतक पूरा कर भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 65 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। जोश इंग्लिस की 33 गेंद में 85 रन की आक्रामक पारी के बावजूद सुपरकिंग्स ने जैमी ओवरटन की शानदार गेंदबाजी के बूते सुपरजायंट्स को आठ विकेट पर 203 रन पर रोकने के बाद 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन बनाकर जीत दर्ज की।

टीम 11 मैचों में छठी जीत के बाद 12 अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि अंतिम पायदान पर काबिज सुपर जायंट्स की आठवीं हार के बाद प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। उर्विल के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंद में 42 रन का योगदान दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 34 गेंद में 81 रन जोड़े। गायकवाड़ ने इससे पहले संजू सैमसन (14 गेंद में 28 रन) के साथ 22 गेंद में 45 रन की साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। शिवम दुबे (नाबाद 15) ने एडेन मारक्रम के खिलाफ अंतिम ओवर में लगातार दो छक्के जड़े, जिससे सुपरकिंग्स ने पहली बार 200 से अधिक का लक्ष्य हासिल किया। प्रशांत वीर 17 रन पर नाबाद रहे।

इंग्लिस ने अपनी पारी में छह छक्के और 10 चौके जड़कर सुपरजायंट्स का स्कोर नौवें ओवर के बाद 112 रन तक पहुंचा दिया था। ओवरटन की अगुवाई में गेंदबाजों ने 10वें से 15वें ओवर के बीच 35 रन के अंदर चार विकेट झटककर रनगति पर अंकुश लगा दिया। ओवरटन ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट लिए, जिसमें इंग्लिस का विकेट भी शामिल था। नूर अहमद ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले लेकिन उन्होंने 47 रन खर्च किए। आखिरी ओवरों में शाहबाज अहमद (नाबाद 43) और हिम्मत सिंह (17) ने सातवें विकेट के लिए 32 गेंद में 50 रन की साझेदारी कर बीच के ओवरों के नुकसान की भरपाई की। शाहबाज ने 25 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके और इतने ही छक्के लगाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन और गायकवाड़ ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। सैमसन कुछ आकर्षक शॉट खेलने के बाद चौथे ओवर में राठी की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद उर्विल पटेल ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में ही मैच का रुख पलट दिया। आवेश खान के खिलाफ लगातार तीन छक्के जड़ने के बाद राठी तीन छक्के और चौका लगाकर पावरप्ले में सुपरकिंग्स के स्कोर को एक विकेट पर 97 रन तक पहुंचा दिया। उन्होंने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए शमी के खिलाफ छक्का लगाने के बाद एक रन साथ 13 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा कर अपनी इस उपलब्धि को अपने पिता को समर्पित किया। उन्होंने जेब से एक कागज निकाला, जिस पर लिखा था, 'यह आपके लिए है पापा।'

राठी ने आसान कैच टपकाकर उन्हें जीवनदान दिया लेकिन वह इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे।। उन्होंने आवेश खान की गेंद पर कैच देकर अपना विकेट गंवा दिया। सुपरजायंट्स के गेंदबाजों ने इसके बाद रनगति पर अंकुश लगाना शुरू किया और शाहबाज ने गायकवाड़ को बोल्ड कर बड़ी सफलता हासिल की। कार्तिक शर्मा (20) और डेवाल्ड ब्रेविस (10) सहज नजर नहीं आए। जरूरी रनगति के बढ़ने के साथ ही ब्रेविस राठी की गेंद पर गच्चा खाकर बोल्ड हो गए। आवेश ने अगले ओवर की पहली गेंद पर कार्तिक को पवेलियन की राह दिखा दी। दो गेंद पर दो विकेट के साथ सुपरजायंट्स ने मैच में अच्छी वापसी की, लेकिन इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर आये प्रशांत ने 18वें ओवर में प्रिंस के खिलाफ छक्का जड़ा। अगले ओवर में आवेश की गेंद पर उन्हें लगातार दो जीवनदान मिले। राठी और निकोल्स पूरन ने उनका कैच टपका दिया। इस बल्लेबाज ने छक्का जड़कर इसका जश्न मनाया, जिससे टीम को आखिरी ओवर में 10 रन की जरूरत थी।

क्रीज पर बाएं हाथ के बल्लेबाजों की मौजूदगी के कारण पंत ने शाहबाज की जगह गेंद मारक्रम को सौंपी, लेकिन दुबे के दो गगनचुंबी छक्कों के साथ मैच खत्क किया। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर इंग्लिस ने

अकील हुसैन के खिलाफ साइट स्क्रीन के ऊपर से छक्का जड़ने के बाद मुकेश चौधरी और कंबोज के खिलाफ सहजता से बड़े शॉट खेलते हुए 3.4 ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा कर दिया। यह सुपरजायंट्स का सबसे तेज अर्धशतक है। इंग्लिस ने इन दोनों तेज गेंदबाजों के खिलाफ रिवर्स स्कूप पर दो कमाल के छक्के लगाए। उन्होंने 18 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। कंबोज ने मिचेल मार्श को आउट कर 31 गेंद में 77 रन की साझेदारी को तोड़ा। इस साझेदारी में मार्श का योगदान 10 गेंद में 10 रन का था।

नूर ने पावरप्ले के बाद निकोल्स पूरन (एक) का अपनी फिरकी में फंसाकर कैच कराया। पावरप्ले में सुपरजायंट्स ने इस सत्र का अपना सर्वोच्च स्कोर एक विकेट पर 91 रन बना लिए। ओवरटन के खिलाफ 10वें ओवर में इंग्लिस एक बार फिर स्कूप करने की कोशिश में विकेटकीपर सैमसन को कैच दे बैठे। कप्तान ऋषभ पंत (15) का खराब फॉर्म जारी रहा और वह इसी ओवर में गेंद को विकेटों पर खेल गए। टीम अभी इन झटकों से उबरी भी नहीं थी कि ब्रेविस ने बाउंड्री के बाउंड्री के पास से सीधे विकेटों पर थ्रो कर मारक्रम (छह) को रन आउट कर दिया। अक्षत रघुवंशी (18) ओवरटन का तीसरा शिकार बने। हिम्मत ने क्रीज पर आते ही छक्का जड़कर आत्मविश्वास दिखाया, वहीं एक छोर से संभलकर खेलने के बाद शाहबाज ने 19वें ओवर में ओवरटन के खिलाफ दो चौके और एक छक्का जड़कर 17 रन बटोरे इस गेंदबाज के आंकड़े खराब किये। इस बायें हाथ के बल्लेबाज पारी की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 200 रन के पार पहुंचा दिया।

आईपीएल अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंची गुजरात टाइटंस

जयपुर (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हराकर आईपीएल के 19 वें सत्र में लगातार चौथी जीत के साथ ही अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। यह गुजरात की रनों को देखते हुए आईपीएल में अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 229 रन बनाये। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 16.3 ओवर में ही केवल 152 रनों पर ही सिमट गयी।

इस मैच में शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 118 रन बनाये। सुदर्शन ने 36 गेंदों में 55 रन बनाए, जबकि शुभमन ने 44 गेंदों पर 84 रन बनाये। वहीं अंत में, वॉशिंगटन सुंदर ने 20 गेंदों में नाबाद 37 रन और राहुल तेवतिया ने नाबाद 14 रन बनाकर टीम को 229 के लक्ष्य तक पहुंचाया। गुजरात टाइटंस की ओर से बृजेश शर्मा ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए।

इसके बाद 230 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 3 रन बनाकर सस्ते में पवेलियन लौट गए। वैभव सूर्यवंशी 36 रन पर ही आउट हो गये। ध्रुव जुरेल 24 और शिमरोन हेटमायर 6 रनों पर ही आउट हो गये। रवींद्र जडेजा ने 25 गेंदों में 38 रन बनाये। शुभम दुबे 15 और जोफ्रा आर्चर 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। दासुन शनाका ने 16 रन बनाये।

दूसरी ओर गुजरात से राशिद खान ने 33 रन देकर 4 विकेट लिए। जेसन होल्डर ने भी कमाल की गेंदबाजी करते हुए 2.3 ओवर में महज 12 रन खर्च कर 3 विकेट लिए। वहीं कगिसो रबाडा को दो और सिराज को एक विकेट मिला। यह गुजरात टाइटंस की रनों के हिसाब से आईपीएल में सबसे बड़ी जीत है, जिसने उनके 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 62 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वहीं, राजस्थान रॉयल्स को यशस्वी जायसवाल की कप्तानी में अपनी चौथी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही गुजरात 11 मैचों में 14 अंक लेकर दूसरे स्थान पर आ गयी है, जबकि राजस्थान को 11 मैचों में अपनी 5वीं हार झेलनी पड़ी और वह अंक तालिका में वह 5वें पायदान पर फिसल गई है। यह गुजरात की इस सत्र की सातवीं जीत थी। सनराइजर्स हैदराबाद 14 अंक और बेहतर रन रेट होने के कारण पहले स्थान पर है, वहीं पंजाब किंग्स 13 अंक लेकर तीसरे जबकि रॉयल चैलेंजर्स और राजस्थान रॉयल्स 5-5 अंक लेकर चौथे और पांचवे नंबर पर है।

शुभमन लगातार सात आईपीएल सत्र में 400 रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने

जयपुर (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। शुभमन ने इस मैच में 44 गेंदों पर ही 84 रनों की पारी के साथ ही अपने 400 आईपीएल रन पूरे किये। इसी के साथ ही शुभमन लगातार सात आईपीएल सीजन में 400 या उससे अधिक रन बनाने वाले विश्व के केवल तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। शुभमन ने साल 2020 के सत्र से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं साल 2026 के सत्र में भी यह सिलसिला बना रहा। उन्होंने साल 2020 और 2021 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हुए ये उपलब्धि हासिल की थी। इसके बाद साल 2022 में गुजरात टाइटंस से जुड़ने के बाद से ही वह लगातार रन बनाते आये हैं। आईपीएल में उनसे पहले केवल दो खिलाड़ियों के नाम ही ये रिकार्ड है।

वहीं इससे पहले सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से साल 2008 से 2014 तक लगातार सात आईपीएल सीजन में 400 से अधिक रन बनाए थे। रैना ने इस दौरान सीएसके के आधार बने रहे। उनके बाद सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने भी यह रिकार्ड अपने नाम किया। धवन ने साल 2016 से 2022 तक लगातार सात आईपीएल सत्र में 400 या उससे अधिक रन बनाए। इस अवधि में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद (2016-2018), दिल्ली कैपिटल्स (2019-2021) और पंजाब किंग्स (2022) का प्रतिनिधित्व करते हुए जमकर रन बनाये। अब शुभमन भी इस विशेष क्लब में शामिल हो गये हैं। गिल की व्यक्तिगत उपलब्धियों के साथ-साथ, उनकी कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने इस मैच में रॉजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हरा दिया।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी पंजाब

धर्मशाला (एजेंसी)। पंजाब किंग्स की टीम सोमवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी। पंजाब किंग्स की टीम लगातार तीन हार के बाद अंकतालिका में तीसरे स्थान पर फिसल गयी है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में सत्र की शुरुआत से ही बेहतर प्रदर्शन कर रही पंजाब का प्रदर्शन पिछले कुछ मुकाबलों में गिरा है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपने क्षेत्ररक्षण को भी बेहतर करना होगा। हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में टीम ने काफी कैच छोड़े थे जिससे उसके हाथ से मैच निकल गया था। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी पिछले मैच में असफल रहे थे। उसे अब ये कमी भी दूर करनी होगी। पंजाब की बल्लेबाजी प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह के अलावा श्रेयस पर भी निर्भर करेगी। गेंदबाजी में उसके पास तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के अलावा स्पिनर यजुवेन्द्र चहल भी हैं। पंजाब के अभी 13 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में पहुंचने दो जीत चाहिये। ऐसे में टीम का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही लय हासिल करना रहेगा। वहीं दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स की टीम 8 अंक लेकर आठवें स्थान पर है और उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें तकरीबन समाप्त हो गयी हैं पर वह

पंजाब का खेल जरुर बिगाड़ सकती है।

अक्षर पटेल की कप्तानी में कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। टीम अपने पिछले छह मुकाबलों में से पांच हारी है और अंक तालिका में आठवे नंबर पर है। टीम के बल्लेबाज ओर गेंदबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। बल्लेबाजी में केवल केएल राहुल ही रन बना पाये हैं। गेंदबाजी में उसके पास मिचेल स्टार्क और टी नटराजन भी हैं। स्टार्क भी वापसी के बाद से ही प्रभावित नहीं कर पाये हैं जिससे भी टीम का प्रदर्शन खराब हुआ है। अब तक दोनो टीमों के बीच 36 मैच हुए हैं जिसमें से पंजाब ने 18 जबकि दिल्ली ने 17 जीते हैं।

पंजाब किंग्स संभावित टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लह उमरजई, मार्को यानसेन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, प्रवीण दुबे, पायला अविनाश और विशाल निषाद।

दिल्ली कैपिटल्स संभावित टीम

अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, लोकेश राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी शॉ, काइल जेमिसन, अजय जाधव मंडल, माधव तिवारी, साहिल पारख, करुण नायर और टी नटराजन।

चहल को ई-सिगरेट सेवन के लिए होनी चाहिये जेल : शिवरामकृष्णन

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल के उड़ान के दौरान ई सिगरेट (वेप) का सेवन करने को लेकर कड़ी फटकार लगायी है। शिवरामकृष्णन के अनुसार इस प्रकार के गलत काम के लिए चहल पर जुर्माना ही काफी नहीं होगा। उन्हें जेल भी भेजा जाना चाहिये। शिवरामकृष्णन ने इस मामले को लेकर चहल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की है। चहल पर हैदराबाद की फ्लाइट में वेप सेवन का आरोप है। इसका एक वीडियो भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने जारी किया था। चहल आईपीएल 2026 के दौरान वेप का सेवन करने के मामले में फंसे दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग भी पंजाब किंग्स के ड्रेसिंग रूम में वेप का सेवन करते पकड़े गये थे। इस कारण उनपर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगा था पर शिवरामकृष्णन का मानना है कि चहल का मामला अलग है उन्होंने लोगों की सुरक्षा को खतरे में डाला है उन्हें इसके लिए जेल भेजा जाए। शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया में लिखा, ' 'भारत में वेप पर प्रतिबंध है। उन्हें जेल में होना चाहिए। कानून बनाकर अगर उन्हें लागू नहीं किया जाए तो उसका क्या लाभ। मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना तो बहुत कम है। साथ ही सवाल किया कि अगर कोई आम आदमी ऐसा करता तो उसके खिलाफ भी क्या यही कार्रवाई होती?' वहीं बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अपनी सलाह में लिखा, ''ड्रेसिंग रूम और टूर्नामेंट वेन्यू के अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में वेपिंग के मामले बीसीसीआई की नजर में आए हैं।

धोनी को खेलते रहना चाहिए, उनके जैसा विकेटकीपर कोई नहीं : माइकल क्लार्क

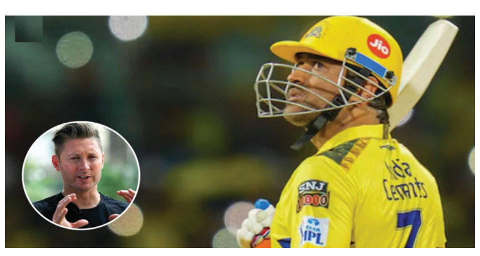

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उम्र बढ़ने के बावजूद उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहिए। क्लार्क का मानना है कि धोनी का खेल पर प्रभाव आज भी बेहद खास है और टी20 क्रिकेट में उनसे बेहतर विकेटकीपर कोई नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस दिन धोनी क्रिकेट से संन्यास लेंगे, उसके बाद शायद वह किसी भी रूप में खेल से जुड़े नजर नहीं आएंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 शुरू होने से पहले महेंद्र सिंह धोनी को पिंडली में खिंचाव की समस्या हो गई थी। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से जानकारी दी गई थी कि 44 वर्षीय धोनी शुरुआती कुछ मुकाबले ही मिस करेंगे। हालांकि टीम अब तक 10 मैच खेल चुकी है, लेकिन धोनी मैदान पर वापसी नहीं कर पाए हैं। वह लगातार नेट्स में अभ्यास जरूर कर रहे हैं, लेकिन मैचों के दौरान टीम के साथ यात्रा नहीं कर रहे। उनकी गैरमौजूदगी ने प्रशंसकों को निराश किया है, लेकिन माइकल क्लार्क का मानना है कि धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते। एक पॉडकास्ट' में बातचीत के दौरान माइकल क्लार्क ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी ही चेन्नई सुपर किंग्स की असली पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जब भी चेन्नई का मैच होता है तो स्टेडियम में ज्यादातर दर्शक नंबर 7 वाली पीली जर्सी पहनकर पहुंचते हैं। यहां तक कि टीम के साथ जुड़ने वाले प्रायोजक भी चाहते हैं कि धोनी टीम का हिस्सा बने रहें। क्लार्क ने कहा कि भारत और चेन्नई सुपर किंग्स दोनों के लिए धोनी का महत्व बेहद बड़ा है और उम्र को उनकी क्षमता का पैमाना नहीं माना जाना चाहिए। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि कोई भी उन्हें यह समझा नहीं सकता कि वर्तमान समय में टी20 क्रिकेट में धोनी से बेहतर विकेटकीपर मौजूद है। उनके अनुसार धोनी की विकेटकीपिंग कौशल, मैच को पढ़ने की क्षमता और दबाव में शांत रहने का अंदाज उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है। उन्होंने प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों से अपील की कि वे धोनी के संन्यास की मांग करना बंद करें और उन्हें जितना चाहें उतना क्रिकेट खेलने दें।

वैभव सूर्यवंशी टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) लीग में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अपनी 36 रनों की पारी में तीन छक्के लगाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है।अपनी इस पारी के साथ ही वैभव ने टी20 क्रिकेट में एकसाथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं।

वैभव अब टी20 क्रिकेट में सबसे तेज और सबसे कम उम्र में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने केवल 29 टी20 पारियों में हासिल की, जो अपने आप में एक बड़ा रिकार्ड है। वैभव ने केवल 514 गेंदों में अपने 100 टी20 छक्के पूरे कर लिए हैं, जो इससे पहले किसी भी बल्लेबाज ने इतनी कम गेंदों में नहीं किया था।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करणबीर सिंह ने 813 और वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेर कीरोन पोलार्ड ने 843 गेंदों में 100 टी20 छक्के लगाए थे।

वैभव ने पावरप्ले में सबसे अधिक छक्के लगाने का नया रिकॉर्ड भी बनाया है। उन्होंने मौजूदा सीजन में पावरप्ले के भीतर कुल 30 छक्के लगाये हैं, जिससे उन्होंने 2024 सीजन में अभिषेक द्वारा बनाए गए 29 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। अभिषेक शर्मा ने 2026 सीजन में भी 27 छक्के लगाए हैं, जबकि सनथ जयसूर्या (2008), ट्रेविस हेड (2024) और यशस्वी जायसवाल (2025) जैसे दिग्गजों ने अपने-अपने सीजन में 22-22 छक्के लगाए थे। अगर देखा जाये तो वैभव ने अबतक के आईपीएल सीजन में 40 छक्के लगाए हैं, जो किसी एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीयों की सूची में अभिषेक शर्मा (42 छक्के, 2024) के बाद दूसरे स्थान पर है। श्रेयस अय्यर (39 छक्के, 2025), विराट कोहली (38 छक्के, 2016 और 2024) और सूर्यकुमार यादव (38 छक्के, 2025) जैसे नाम भी इस विशिष्ट सूची में शामिल हैं, जो वैभव की उपलब्धियों को और भी खास बनाते हैं।

राशिद आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले विदेशी स्पिनर बने

जयपुर । गुजरात टाइटंस के स्पिनर राशिद खान ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। राशिद ने इस मैच में चार विकेट लेकर राजस्थान रॉयल्स को 152 रनों पर आउट करने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। राशिद अब आईपीएल इतिहास में विदेशी स्पिनर के तौर पर सबसे ज्यादा बार तीन या उससे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इसी के साथ ही कोलकाता नाइटराइजर्ड (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन को भी पीछे छोड़ दिया है। यह ये 18 वीं बार है जब राशिद ने आईपीएल मैच में तीन या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस उपलब्धि के साथ ही अब वह अमित मिश्रा और रवींद्र जडेजा जैसे प्रमुख स्पिनरों से

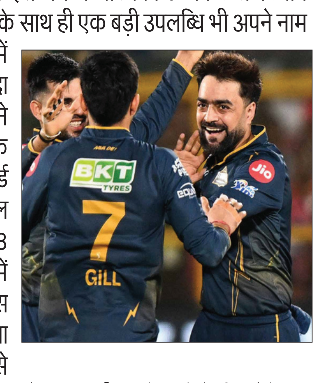

आगे निकल गए हैं। अब केवल स्पिनर युजवेंद्र चहल ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 23 बार यह कारनामा किया है। अगर हम तेज गेंदबाजों को भी शामिल कर लें, तो राशिद से अधिक विकेट केवल जसप्रीत बुमराह के नाम 25, भुवनेश्वर कुमार के 21 और लसिथ मलिंगा के नाम 19 विकेट हैं। मैच के बाद अपनी गेंदबाजी पर बात करते हुए राशिद खान ने बताया कि पहली गेंद फेंकते ही उन्हें पिच से मदद मिलने का एहसास हो गया था। उन्होंने कहा, मुझे बस अपनी गेंदों की गति को लगातार बदलते रहना था। मैं सही जगह पर गेंद डालने और स्टंप्स को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा था। मुझे लगा कि अगर मैं स्टंप्स से दूर गेंद डालूंगा, तो बल्लेबाज के लिए रन बनाना या चौका मारना आसान हो जाएगा। उन्होंने आगे जोर दिया कि उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण सही लेंथ और लाइन पर ध्यान देना था, ताकि गेंद तीनों स्टंप्स के बीच ही रहे। राशिद ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने फरेरा को आउट करने के बारे में पहले ही सोच लिया था और उनके दिमाग में पूरी योजना तैयार थी। जैसे ही गेंद उनके हाथ से निकली, उन्हें यकीन हो गया था कि विकेट मिलने वाला है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा नोरा फतेही का जलवा

– अंतरराष्ट्रीय मंच पर बिखेरेंगी भारतीय प्रतिभा की चमक

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड की मशहूर डांसर और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में अपनी शानदार परफॉर्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरेंगी। यह भव्य आयोजन कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित किया जाएगा। नोरा का इस प्रतिष्ठित मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए बेहद गर्व की बात माना जा रहा है। दुनियाभर में अपनी डांस परफॉर्मेंस और स्टेज प्रेजेंस के लिए पहचान बना चुकीं नोरा अब वैश्विक स्तर पर एक बार फिर भारतीय कला और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के प्रसिद्ध बीएमओ फील्ड स्टेडियम में आयोजित होगी। इस खास कार्यक्रम में नोरा फतेही के साथ कई बड़े अंतरराष्ट्रीय कलाकार भी मंच साझा करेंगे। इनमें माइकल बुबले, एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजॉय, वेगेड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं। वहीं अमेरिका में आयोजित होने वाली दूसरी ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे ग्लोबल सुपरस्टार्स अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ फुटबॉल का महाकुंभ नहीं बल्कि संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का भी विशाल उत्सव बनने जा रहा है।

फीफा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी के जरिए देश की संस्कृति, विविधता और परंपराओं को दुनिया के सामने पेश किया जाएगा। समारोह में कनाडा की खूबसूरत लोकेशनों और सांस्कृतिक विरासत को विशेष प्रस्तुति के माध्यम से दिखाया जाएगा। आयोजकों के मुताबिक यह कार्यक्रम एकता, उत्साह और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक होगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि टोरंटो में होने वाली यह ओपनिंग सेरेमनी कनाडा की पहचान और फुटबॉल के प्रति वहां के लोगों के उत्साह को दुनिया के सामने पेश करेगी।

इटेलियन ओपन में सबालेंका और पाओलिनी की सनसनीखेज हार

रोम । इटेलियन ओपन में कई चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले, जिसमें महिलाओं की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और गत चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी दोनों बाहर हो गईं। दिन का सबसे बड़ा झटका महिलाओं के सिंगल्स के

राउंड ऑफ़ 32 में लगा, जहां दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी सबालेंका ने एक सेट की बढ़त गंवा दी और रोमानिया की सोराना सिस्टिर्या से 2-6, 6-3, 7-5 से हार गईं। सिस्टिर्या ने बेसलाइन से सबालेंका के साथ जोरदार मुकाबला किया और नेट की ओर आक्रामक रुख अपनाकर बेलारूस की इस खिलाड़ी को बार-बार परेशान किया, जिससे उन्हें दूसरे सेट के आठवें गेम में एक महत्वपूर्ण 'ब्रेक' हासिल हुआ। सबालेंका को सिस्टिर्या के खेल की विविधता का सामना करने में मुश्किल हुई और उन्होंने लगातार 'अनफोर्स्ड एरर' (बिना दबाव के की गई गलतियां) करना शुरू कर दिया। निर्णायक सेट के पांचवें गेम में सिस्टिर्या ने अपने चौथे 'ब्रेक पॉइंट' के मौके को भुनाते हुए एक और 'ब्रेक' हासिल किया और फिर अपनी सर्विस के साथ मैच जीत लिया; यह किसी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ उनके करियर की पहली जीत थी। जीत के बाद सिस्टिर्या ने कहा, 'शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ आप सिर्फ़ सुरक्षित खेल नहीं खेल सकते। वे आपको जीत थाली में परोसकर नहीं देंगी। आपको जीत खुद हासिल करनी पड़ती है।'

भारतीय महिला टीम ने तीरंदाजी विश्व कप में चीन को हराकर स्वर्ण जीता

शंघाई (एजेंसी)। दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और युवा कुमकुम मोहोद वाली भारतीय महिला रिकर्व टीम ने यहां हुए तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में चीन को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। दीपिका, अंकिता और कुमकुम ने मेजबान चीनी खिलाड़ियों को फाइनल शूट-ऑफ मुकाबले में 5-4 (28-26) से हराया। इसी के साथ ही भारतीय महिला रिकर्व टीम ने साल 2021 के बाद विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक जीता है।

भारतीय टीम ने पहले सेट में 54-53 के अंतर से जीत हासिल की। इसके बाद चीनी टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए अगले दो सेट (55-52 और 57-56) जीते और 4-2 की बढ़त बना ली, जिससे भारतीय खेमे पर दबाव बढ़ गया। भारतीय टीम ने चौथे सेट में मुकाबला 4-4 से बराबर कर दिया, जिससे जीत का फैसला शूट-ऑफ पर आ टिका।

निर्णायक शूट-ऑफ में, भारतीय तीरंदाजों ने जबरदस्त खेल दिखाया। अंकिता भकत ने सटीक नौ अंक हासिल किये। इसके बाद कुमकुम मोहोद ने दबाव के बीच सीधा 10 का स्कोर किया। जीत के लिए भारत को केवल आठ अंक की आवश्यकता थी, और अनुभवी दीपिका कुमारी ने नौ अंक हासिल कर भारतीय टीम को जीत दिला दी। इससे आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भी टीम का मनोबल बढ़ा है।

भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया और फिर, चीन को उसके घरेलू मैदान पर हराया था। ये जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि टीम बिना किसी राष्ट्रीय कोच के खेल रही थी। शंघाई विश्व कप में भारत के लिए यह दूसरा पदक है। इससे पहले, कंपाउंड तीरंदाज साहिल जाधव ने कांस्य पदक जीतकर देश का खाता खोला था।

सामंथा रुथ प्रभु की 'मां इंटी बंगारम' की आगे खिसकी रिलीज डेट

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर लगातार सुर्खियों में हैं। यह फिल्म नंदिनी रेड्डी द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर है। इस फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया है। पहले इस फिल्म को 15 मई 2026 को रिलीज करने की योजना थी, लेकिन अब रिलीज टाल दी गई है। फिल्म अब जून में रिलीज होगी।

'मां इंटी बंगारम' की नई रिलीज डेट

मीडिया रिपोरट्स के अनुसार, फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की टीम 19 जून 2026 को इसे रिलीज करने की योजना बना रही है। हालांकि, अभी तक निर्माताओं ने इस तारीख की आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

क्या है देरी का कारण

सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' के निर्माताओं ने IPL 2026 के चल रहे सीजन की वजह से रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया है। उनका मानना है कि क्रिकेट मैचों के कारण सिनेमाघरों में दर्शक कम आएंगे और फिल्म का कलेक्शन प्रभावित हो सकता है। पहले 4 जून की तारीख पर भी चर्चा थी, लेकिन राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' भी उसी दिन रिलीज होने वाली है, इसलिए टीम ने 19 जून चुना है।

फिल्म 'मां इंटी बंगारम' के बारे में

'मां इंटी बंगारम' सामंथा और नंदिनी रेड्डी की 'ओह बेबी' के बाद दूसरी फिल्म है। यह एक कॉमेडी-एक्शन फैमिली ड्रामा है। इसमें सामंथा एक गृहिणी के साथ-साथ मजबूत योद्धा की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में दिगंत, गुलशन देवैया, श्रीमुखी, गौतमी और बाकी कलाकार भी हैं।

सामंथा का वर्कफ्रंट

सामंथा को आखिरी बार 'शुभम' फिल्म में कैमियो रोल में देखा गया था। 'मां इंटी बंगारम' के अलावा सामंथा जल्द ही वेब सीरीज 'रक्त ब्रह्मांड: द ब्लडी किंगडम' में भी नजर आएंगी, जिसमें आदित्य रॉय कपूर, अली फजल और वामिका गब्बी भी हैं। फिल्म का प्रमोशन पहले ही शुरू हो चुका है।

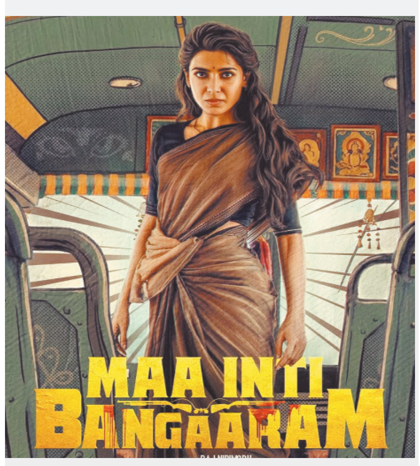

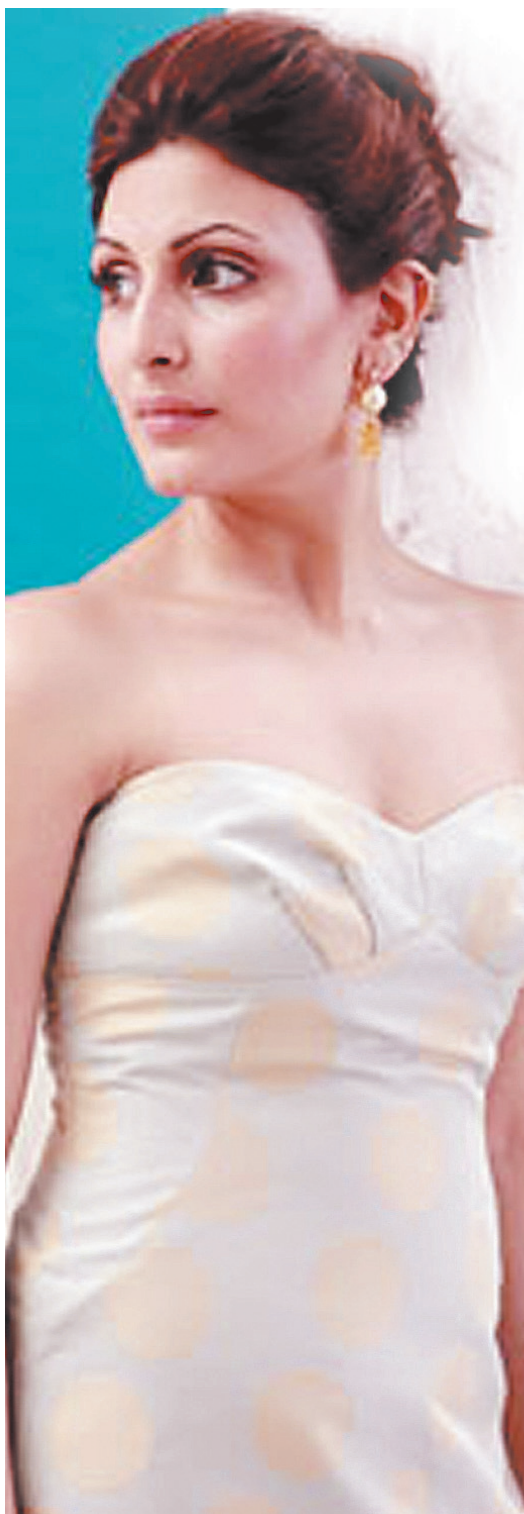

45 साल की उम्र में एक्टिंग डेब्यू करने पर क्या बोलीं रिद्धिमा कपूर?

45 साल की रिद्धिमा कपूर साहनी, जो ऋषि कपूर और नीतू कपूर की बेटी हैं, अब अपनी पहली फिल्म 'दादी की शादी' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। खास बात यह है कि कपूर फैमिली में इतनी उम्र में डेब्यू करने वाली वह सबसे बड़ी सदस्य बन गई हैं। यह डेब्यू उनके लिए काफी इमोशनल है, क्योंकि इस फिल्म में वह पहली बार अपनी बेटी समारा के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं।

कुछ नया शुरू करना सबसे बड़ा चैलेंज था

स्क्रीन को दिए एक इंटरव्यू में रिद्धिमा ने बताया कि 45 साल की उम्र में पहली बार फिल्म के सेट पर कैमरे के सामने आना उनके लिए नया अनुभव था। उन्होंने अपनी बेटी समारा के छोटे से रोल के बारे में भी बात की। रिद्धिमा की शादी बिजनेसमैन भरत साहनी से हुई है और उनकी एक बेटी है। रिद्धिमा ने कहा, 'यह एहसास बहुत अलग और इमोशनल है। ऐसा लगता है जैसे जिंदगी का एक चक्र पूरा हो गया हो। मुझे पता है कि मेरे पापा हमेशा मेरे साथ हैं और हर फैसले में मुझे आशीर्वाद दे रहे हैं। यह सोच मुझे बहुत हिम्मत और सुकून देती है। सच कहूं तो इस उम्र में कुछ नया शुरू करना सबसे बड़ा चैलेंज था। एक नई शुरुआत में थोड़ा डर भी होता है, लेकिन उतनी ही एक्साइटमेंट भी होती है।'

जब शूटिंग के दौरान बेटी को घर छोड़ा था

रिद्धिमा ने यह भी बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्होंने पहली बार अपनी बेटी को घर पर अकेला छोड़ा था। साल 2019 में न्यूयॉर्क में ऋषि कपूर के कैंसर इलाज के बाद यह पहला मौका था जब उन्होंने ऐसा किया। इस फिल्म में एक खास पल भी देखने को मिलेगा, जहां रिद्धिमा अपनी मां नीतू कपूर और बेटी समारा के साथ

'सेंटी' गाने में नजर आएंगी। 'दादी की शादी' में नीतू कपूर और कपिल शर्मा मुख्य भूमिकाओं में हैं। उनके साथ सादिया खतीब और रिद्धिमा कपूर साहनी भी हैं। 'दादी की शादी' की कहानी एक ऐसे परिवार की है, जिसमें प्यार, हंसी-मजाक, कुछ नोक-झोंक और गहरे राज दिखाए गए हैं। इस फिल्म को आशीष आर. मोहन ने लिखा और निर्देशित किया है।

'लुक्खे' में दिखेगा पलक तिवारी का इमोशनल अवतार

अभिनेत्री पलक तिवारी वेब सीरीज 'लुक्खे' के जरिए ओटीटी पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म चंडीगढ़ की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज रैप कल्चर, स्ट्रीट राइवलरी और बदले की कहानी है। इस सीरीज में पलक ने सनोबर नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया है, जो म्यूजिक और हाई-स्टेक्स वाली दुनिया में अपनी कमजोरियों, प्यार और अंदरूनी संघर्षों से लड़ती नजर आएगी। अपने किरदार को अभिनेत्री का कहना है कि सनोबर काफी भावनात्मक और एक्सप्रेसिव है। पलक को एक्टिंग विरासत में मिली है। उनकी मां श्वेता तिवारी टेलीविजन इंडस्ट्री की जानी-मानी अदाकारा हैं। दिग्गज अभिनेत्री की बेटी होने के नाते पलक पर हमेशा उम्मीदों का दबाव रहता है। इस बारे में पलक का कहना है, 'बेशक, मेरी मां के शानदार अभिनय की वजह से थोड़ा प्रेशर होता है, लेकिन मेरी नजर में वह सबसे बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं।' सीरीज में सनोबर के किरदार को अभिनेत्री पलक तिवारी अपनी मां के मशहूर किरदार 'प्रेरणा' (कसौटी जिंदगी की) के लिए एक ट्रिब्यूट मानती हैं। अभिनेत्री का कहना है कि प्रेरणा की तरह सनोबर भी बहुत इमोशनल है और अपने दिल की बात खुलकर कहती है। मुझे लगता है कि सनोबर ही असल मायने में प्रेरणा की बेटी की तरह है। पलक ने बताया कि सीरीज की शूटिंग के दौरान श्वेता ने उन्हें कुछ टिप्स दिए थे। पलक ने बताया कि उनकी मां हमेशा कहती हैं, 'अगर तुम दर्शकों को रुला सकीं, तो समझो तुम एक सफल एक्टर हो। इसके अलावा, मां ने मुझे एक बड़ी सीख दी कि हर सीन को जीतने की कोशिश मत करो।' पलक ने बताया कि उनकी मां का मानना है कि हर सीन का अपना एक हीरो होता है। कभी आपको चमकना चाहिए और कभी अपने साथी कलाकार को मौका देना चाहिए। विपुल डी. शाह और राजेश बहल द्वारा निर्मित सीरीज का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है।

इस साल दो फिल्मों में नजर आएंगी प्रीति जिंटा

प्रीति जिंटा फिल्मी दुनिया से ज्यादा क्रिकेट वर्ल्ड में एक्टिव हैं। वह आईपीएल में पंजाब किंग्स क्रिकेट टीम की मालकिन हैं। अपनी टीम को सपोर्ट करने के लिए इन दिनों भी वह आईपीएल में अक्सर नजर आती हैं। हाल ही में फैंस से भी सोशल मीडिया के जरिए प्रीति जिंटा रूबरू हुईं। उन्होंने फैंस को सवाल बेबाकी से पूछने के लिए कहा और मजेदार जवाब भी दिए। इन दौरान प्रीति जिंटा ने अपनी अपकमिंग फिल्मों के बारे में बताया, साथ अपने फेवरेट एक्टर का जिक्र भी किया।

प्रीति जिंटा से फैन ने पूछा कि उन्हें क्रिकेट और फिल्मों में से किसी एक को चुनना पड़ा तो वह किसका चुनाव करेंगी। इस पर प्रीति जवाब देती हैं, 'मैंने 18 साल पहले क्रिकेट को चुना था। इस साल दो फिल्मों में नजर आऊंगी। मैं सनी देओल के साथ एक फिल्म कर रही हूं। यह 13 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।'

'ताल-2' के लिए दर्शकों को कुछ नया चाहिए

निर्देशक सुभाष घई जल्द ही दर्शकों के लिए अपनी म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'ताल' का सीक्वल लेकर आ रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने फिल्म को लेकर चल रही कुछ अफवाहों पर विराम लगाया। गुरुवार को निर्देशक ने इंस्टाग्राम के जरिए अपने प्रशंसकों को बताया कि वे 'ताल' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'ओल्ड और सीनियर में फर्क होता है। 'ताल' की ऑरिजिनल कास्ट के सभी कलाकार ऐश्वर्या राय बच्चन, अक्षय खन्ना और अनिल कपूर आज भी एक्टिव सुपरस्टार और मेरे अजीज मित्र हैं, लेकिन 'ताल-2' के लिए दर्शकों को कुछ नया चाहिए, जिसमें नई कहानी, नए चेहरे और एक भव्य म्यूजिकल अंदाज। यह कोई सीधा सीक्वल नहीं है।' उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, 'हम आज के समय का एक म्यूजिकल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें मजबूत स्क्रिप्ट, सही कास्टिंग, शानदार म्यूजिक और बेहतरीन प्रोडक्शन के साथ बिल्कुल नए चेहरे होंगे, जिन्हें पहले कभी स्क्रीन पर नहीं देखा गया। उम्मीद है हम इस कोशिश में सफल होंगे।' 1999 में रिलीज हुई फिल्म 'ताल' सुभाष घई द्वारा निर्देशित एक ब्लॉकबस्टर हिंदी संगीतमय रोमांटिक ड्रामा है। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय बच्चन, अक्षय खन्ना और अनिल कपूर मुख्य भूमिकाओं में दिखे। तीनों मुख्य कलाकारों की भूमिकाओं के लिए दर्शकों की खूब सराहनी मिली थी। बताया जाता है कि इस म्यूजिकल ड्रामा में ऐश्वर्या राय बच्चन ने लगभग पूरी फिल्म बिना मेकअप के काम किया था, ताकि उनकी नेचुरल खूबसूरती और सादगी उभर कर आए। 'रमता जोगी' और 'ताल से ताल मिला' जैसे गानों में उनका डांस और अभिनय आज भी आइकॉनिक है। इस फिल्म का संगीत एआर रहमान ने तैयार किया था, जो उस समय काफी लोकप्रिय हुआ था। यहां तक कि आज भी इसके गाने पसंद किए जाते हैं।

काजल अग्रवाल ने नयनतारा को रिप्लेस किया

नंदमुरी बालकृष्ण और डायरेक्टर गोपीचंद मालिनेनी अब साथ मिलकर एक फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम फिलहाल NBK111 रखा गया है। इस फिल्म में नयनतारा को बतौर फीमेल लीड साइन किया गया था, पर अब खबर है कि वह अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं और उनकी जगह काजल अग्रवाल ने ले ली है। बताया जा रहा है कि काजल ने नंदमुरी बालकृष्ण स्टारर इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नयनतारा अब नंदमुरी बालकृष्ण और गोपीचंद की फिल्म NBK111 का हिस्सा हिस्सा नहीं हैं और उनकी जगह किसी और को लिया गया है। काजल अग्रवाल ने नयनतारा को रिप्लेस कर दिया है। फिल्म की टीम के मुताबिक, काजल अग्रवाल इस रोल के लिए एकदम परफेक्ट हैं और नंदमुरी बालकृष्ण संग उनकी जो ड़ी एक नयापन लाएगी।

इन 3 वजहों से नहीं बनी बात

अब सवाल ये है कि नयनतारा ने नंदमुरी बालकृष्ण की फिल्म क्यों छोड़ी? तो इसकी कुछ वजहें सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक तो नयनतारा ने इस फिल्म के लिए करीब 10 करोड़ रुपये फीस मांगी, और दूसरा ये कि मेकर्स को नयनतारा की डेट्स मैच करने में दिक्कत हो रही थी। तीसरी वजह यह बताई जा रही है कि नयनतारा किसी भी फिल्म के प्रमोशन में हिस्सा नहीं लेती हैं। वो किसी फिल्म को प्रमोट नहीं करतीं। इसी कारण मेकर्स को नयनतारा के साथ सामजस्य बिठाने में मुश्किलें आ रही थीं। इसलिए उन्होंने मूव ऑन करने का फैसला किया।

काजल अग्रवाल एडजस्टमेंट के लिए तैयार

वहीं, काजल अग्रवाल NBK111 के लिए अपनी डेट्स एडजस्ट करने के लिए मान गई हैं। उनकी फीस भी फिल्म के हिसाब से है और वह प्रमोशन के लिए भी राजी हैं। मालूम को NBK111 के मेकर्स ने नयनतारा के बर्थडे पर इस फिल्म से उनके जुड़ने का ऐलान किया था। इसे एक मास एक्शन फिल्म बताया जा रहा है। मेकर्स ने कुछ एक्शन सीन्स के साथ फिल्म का अहम शेड्यूल शूट कर लिया है। अब फिल्म के टाइटल पर काम चल रहा है। ऐसी भी खबरें हैं कि इस फिल्म में एक और एक्ट्रेस नजर आएगी, जिसकी तलाश जारी है, पर अभी मेकर्स की तरफ से आधिकारिक तौर पर कुछ भी कन्फर्म नहीं किया गया है।

नयनतारा और काजल अग्रवाल की आने वाली फिल्में

नयनतारा की बात करें, तो वह अब सलमान खान के साथ दिल राजू की फिल्म में नजर आएंगी। हाल ही उन्होंने मुंबई में सलमान संग इस फिल्म का मुहूर्त शूट किया था। मेकर्स ने शूट का एक वीडियो भी शेयर किया था, जिसने फैंस को क्रेजी कर दिया था। वहीं, काजल अग्रवाल अब नितेश तिवारी की 'रामायणम' में भी नजर आएंगी। इसमें वह लंकापति रावण की पत्नी मंदोदरी के किरदार में नजर आएंगी।

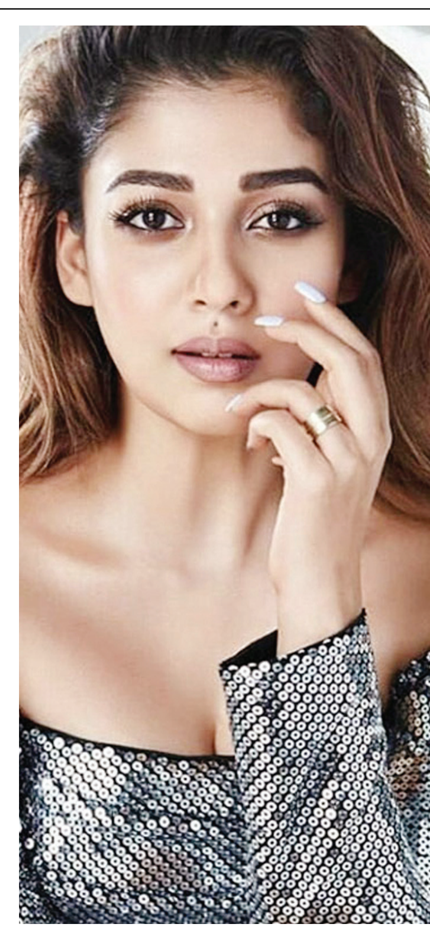

सेल्फ एम्प्लॉयमेंट का जरिया ऑर्गेनिक खेती

देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, वहीं यह सेक्टर पचास फीसद से ज्यादा आबादी को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में जिस तरह से कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है, इसमें नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ा है, पारंपरिक खेती के साथ-साथ ऑर्गेनिक और इनोवेटिव फार्मिंग हो रही है, उसने एग्रीकल्चर के प्रति समाज और खासकर युवाओं का नजरिया काफी हद तक बदला है। यही कारण है कि बीते कुछ समय में आईआईटी और आईआईएम से पास-आउट कई युवाओं ने मल्टीनेशनल कंपनियों की जॉब छोड़कर एग्रीकल्चर और एग्रीबिजनेस की ओर रुख किया है। इनके अलावा भी दूसरे सेक्टरों में काम करने वाले युवा हॉर्टिकल्चर, डेयरी, ऑर्गेनिक और पोल्ट्री फार्मिंग जैसे पेशे से जुड़ रहे हैं। उन्हें गर्व है कि वे देश और किसानों के लिए कुछ सकारात्मक कर पा रहे हैं।

ऑर्गेनिक खेती का जिक्र तो आजकल बहुत हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि अगर किसी को इसमें करियर बनाना है, तो वह क्या करे। गौरतलब है कि यह ऐसी खेती है, जिसमें सिंथेटिक खाद, कीटनाशक आदि जैसी चीजों के बजाय तमाम ऑर्गेनिक चीजें जैसे गोबर, वर्मी कंपोस्ट, बॉयोफर्टिलाइजर्स, क्रॉप रोटेशन तकनीक आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कम जमीन में, कम लागत में इस तरीके से पारंपरिक खेती के मुकाबले कहीं ज्यादा उत्पादन होता है। यह तरीका फसलों में जरूरी पोषक तत्वों को संरक्षित रखता है और नुकसानदेह केमिकल्स से दूर रखता है। साथ ही यह पानी भी बचाता है और जमीन को लंबे समय तक उपजाऊ बनाए रखता है। यह पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार है।

कैसे करें शुरूआत?

अगर आपको ऑर्गेनिक खेती शुरू करनी है, तो सबसे पहले आपको इसका प्रोजेक्ट या ब्लू प्रिंट बनाना होगा। यह तय करना होगा कि कितनी जमीन पर यह खेती करेंगे। जमीन की लोकेशन क्या है? जमीन किस फसल के लिए अच्छी है? आपका बजट कितना है? यह प्रोजेक्ट किसी भी चार्टर्ड एकाउंटेंट से बनवा सकते हैं। इसके बाद आपको फॉर्म 1 ए-1, 1 ए-3, 1जी और फॉर्म 11 भरकर रजिस्ट्रेशन फीस के साथ अपने राज्य के डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन में जमा करना होगा।

सरकार देती है सब्सिडी

कृषि वैज्ञानिक आपकी जमीन की जांच करेंगे और यह तय करेंगे कि इसकी मिट्टी किस फसल की खेती के लिए अच्छी है। इसके बाद आपका प्रोजेक्ट कृषि विभाग में पास होने के लिए भेज दिया जाएगा। ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए तकरीबन हर राज्य में सरकार 80 से 90 फीसद तक सब्सिडी देती है। मतलब यह आपको पूरे प्रोजेक्ट में 10 से 20 फीसद ही इनवेस्ट करना होगा। प्रोजेक्ट पास होने के बाद ऑर्गेनिक फार्मिंग टेक्निक वाली कंपनियां सेटअप लगाने के लिए आपसे खुद संपर्क करती हैं। सरकार से मिले पैसों से ये कंपनियां आपकी जमीन पर ग्रीन हाउस और ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए सेटअप लगाती है। साथ ही आपको ट्रेनिंग भी देती हैं।

पूरे देश में चल रहा प्रोजेक्ट

सरकार की ओर से नेशनल ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है। इसके सेंटर की वेबसाइट से आप और भी जानकारी ले सकते हैं। दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट से भी पूरी जानकारी और ट्रेनिंग ले सकते हैं।

सिर्फ मानसून पर निर्भर नहीं कृषि

कृषि अब पूरी तरह से मानसून पर निर्भर नहीं है। वैज्ञानिक तरीके से अगर खेती की जाए, तो फसल भी अच्छी होती है और पानी भी कम लगता है। पहले जैसे सूखे के हालात अब नहीं पैदा होते। अब बारिश के पानी का स्टोरेज भी बेहतर तरीके से किया जाता है। इससे बारिश कम होने पर भी फसलों को पर्याप्त पानी मिल जाता है। एग्रीकल्चर स्वरोजगार का सबसे अच्छा साधन है। इससे अब अच्छी कमाई भी की जा सकती है। बहुत से प्रोफेशनल फार्मर साइंटफिक फार्मिंग के जरिये न सिर्फ अच्छा पैसा कमा रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। यही नहीं, प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनों सेक्टरों में एग्रीकल्चर का स्कोप तेजी से बढ़ रहा है।

फाइन आर्ट्स में लीजिए डिग्री मिलेंगे बेहतरीन कॅरियर विकल्प

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

क्या आप स्केचिंग, ड्राइंग और रचनात्मकता करना पसंद करते हैं? यदि हां, तो फिर ललित कला में अध्ययन आपके लिए अनुकूल होगा। ललित कला कला का एक अच्छा संग्रह है जो सुंदर चीजों को बनाने के लिए किया जाता है। ललित कला में स्नातक आपको ललित कला में कॅरियर के लिए सर्वश्रेष्ठ रूप से तैयार कर सकता है।

ललित कला में स्नातक क्या है?

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

अधिकांश कार्यक्रमों में रचनात्मक अभ्यास के घंटों के साथ-साथ कक्षा निर्देश शामिल हैं। अंतत:, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री आपको कला में विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों के साथ एक अच्छी तरह से शिक्षा प्रदान करती है। मुख्य ललित कलाएं फिल्म, नृत्य, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वास्तुकला, मिट्टी के बर्तन, वैचारिक कला, मूर्तिकला, संगीत, प्रिंटमेकिंग, इंटीरियर डिजाइन और नाटक हैं। यह छात्रों को कलाकार बनने और कला के निर्माण से जुड़ी अन्य प्रथाओं का पालन करने के लिए सिखाता है और तैयार करता है। अरस्तू के अनुसार, ''कला का मुख्य उद्देश्य चीजों की बाहरी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करना है, बल्कि उनके आंतरिक महत्व का भी प्रतिनिधित्व करना है''।

पाठ्यक्रम और अवधि

ललित कला पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो विभिन्न संस्थानों द्वारा पेश किए जाते हैं। आप ललित कला में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों की अवधि 1 से 5 वर्ष तक होती है।

डिप्लोमा कोर्स

ललित कला में डिप्लोमा : यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। यह कोर्स 12वीं के बाद किया जा सकता है।

स्नातक के अंतर्गत का पाठ्यक्रम :

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) या बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स (बीवीए) : इस कोर्स की अवधि 4 से 5 साल है।

ललित कला में कला स्नातक (बीए) : यह तीन साल की अवधि का कार्यक्रम है।

परास्नातक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) या मास्टर इन विजुअल आर्ट्स (एमवीए) : यह दो साल की अवधि का कार्यक्रम है।
- ललित कला में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) : इस पाठ्यक्रम की अवधि आम तौर पर दो वर्ष की होती है।
- कुछ संस्थान पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। दो प्रसिद्ध संस्थान इग्नू, दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग पत्राचार में ललित कला पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

ललित कला में आवश्यक कौशल

- आपके द्वारा बनाई गई ड्राइंग आगंतुक की नजर में यथार्थवादी होनी चाहिए।
- आपको कला सामग्री और उनका उचित उपयोग कैसे करना है, इसकी जानकारी होनी चाहिए।
- अपने काम की प्रस्तुति और प्रदर्शन उचित तरीके से और सटीक होना चाहिए।
- आपके पास रचनात्मकता होनी चाहिए।
- रंग और रंग सिद्धांत के साथ प्रयोग की जाने वाली तकनीकें होनी चाहिए।
- संचार और पारस्परिक कौशल आपके भीतर मौजूद होनी चाहिए।
- आपको कुछ नवीनतम तकनीकों के साथ उपयोग किए जाने वाले सभी डिजिटल मीडिया का ज्ञान होना चाहिए।

प्रमुख जॉब प्रोफाइल इस प्रकार हैं :

- आर्ट थेरेपिस्ट
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामर
- ड्राइंग टीचर
- सेट डिजाइनर
- प्रोडक्शन आर्टिस्ट
- म्यूजिक टीचर
- रचनात्मक निदेशक
- संपादक
- फर्नीचर डिजाइनर
- कला निर्देशक
- 3डी कलाकार
- एनिमेटर

रोजगार के क्षेत्र :

- विज्ञापन कंपनियां
- बुटीक
- कला स्टूडियो
- थियेटर
- सिलाई की दुकानें
- फैशन हाउस
- शिक्षा संस्थान
- टेलीविजन उद्योग
- एनीमेशन
- शिक्षण
- वस्त्र उद्योग
- स्कल्पचर

सैलरी पैकेज

वेतन नौकरियों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। ललित कला में स्नातक 2 से 3 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच कमा सकता है। हालांकि यह उनकी प्रतिभा के आधार पर निर्भर करता है। अनुभव और ज्ञान के साथ-साथ सैलरी पैकेज में भी बढ़ोतरी होती रहती है। जो लोग विज्ञापन एजेंसियों और पब्लिशिंग हाउसेस में काम करना चाहते हैं, वे लगभग 4 से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का आकर्षक वेतन कमा सकते हैं।

एडमिशन

- आप किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उच्च माध्यमिक शिक्षा (12वीं) की परीक्षा पूरी करने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप कुछ बीएफए संस्थानों द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- यदि आप मास्टर प्रोग्राम में शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको ललित कला में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी।

कुछ प्रसिद्ध कॉलेज जो ललित कला में यूजी और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं :

- हैदराबाद विश्वविद्यालय
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
- एमिटी विश्वविद्यालय
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, दिल्ली

कॅरियर और नौकरियां

आज विभिन्न क्षेत्रों में ललित कला के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्कृष्ट वेतन, लोकप्रियता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए, भारत की युवा आबादी इस क्षेत्र में आकर्षित हो रही है।

- स्नातक पूरा करने के बाद छात्रों के पास एक कला शिक्षक, सरकारी कार्यालयों में कलाकार या फोटोग्राफर के रूप में काम करने का विकल्प होता है। आप एक स्वतंत्र कार्यकर्ता के रूप में भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं और निर्देशन, कपड़े, फोटोग्राफी, टेलीविजन और फैशन के लिए जा सकते हैं।
- आप अकादमिक, वास्तुकला और फिल्म उद्योग में भी करियर बना सकते हैं। आप प्रकाशन या कपड़ा उद्योग में पत्रिकाओं, विज्ञापन एजेंसियों और समाचार पत्रों के रचनात्मक विभागों में शामिल हो सकते हैं।
- ललित कला स्नातक मुख्यधारा के स्नातक रोजगार और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रशिक्षण के लिए भी आवेदन कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, बैंकिंग, आर्ट गैलरी, बीमा, मीडिया और जनसंपर्क।
- उम्दा कलाकार विभिन्न प्रकार के मीडिया और तकनीकों का उपयोग करके कलाकृति का निर्माण करने का काम करते हैं।
- आप अपने काम को संग्रहालयों, निजी दीर्घाओं में प्रदर्शित कर सकते हैं या निजी संग्रह रख सकते हैं और अपने काम के लिए पुरस्कृत हो सकते हैं। आपके द्वारा बनाई गई वस्तुएं स्टूडियो, नीलामी, स्टोर या कला और शिल्प शो में बिकेंगी।
- फाइन आर्ट्स में स्कोप काफी अच्छा है, आप इस प्रोफेशनल कॅरियर के तहत सम्मान और पैसा दोनों कमा सकते हैं। मल्टीमीडिया कलाकार और एनिमेटर मोशन पिक्चर या वीडियो गेमिंग उद्योगों में काम करते हैं।

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी में गोल्डन करियर

ऊर्जा का अहम स्त्रोत होने के नाते पेट्रोलियम की उपयोगिता से सभी वाकिफ हैं। भारत पेट्रोलियम पदार्थों की अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। अगर आंकड़ों की मानें तो पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में भारत विश्व का आठवां बड़ा देश है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, रिलायंस, इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों से सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलता है।

संभावनाएं

पहले इस क्षेत्र में जियोलॉजिस्ट की काफी मांग थी, समय बदलने के साथ मैकेनिकल क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। करियर की अनेक संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर इंजीनियरिंग तक के कोर्स शुरू हुए हैं।

कोर्स

पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी ने बीबीए, एमबीए, एमटेक, बीटेक, एमएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। इसके अलावा देश के चुनिंदा संस्थानों ने पेट्रोलियम के क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमएससी और बीएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। ये सभी कोर्स पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोटेक्नोलॉजी, गैस इंजीनियरिंग, पेट्रोमार्केटिंग आदि में शुरू किए हैं।

योग्यता

बारहवीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान से 50 प्रतिशत अंकों से पास करने के बाद आप इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैमिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक कर चुके छात्र पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एमटेक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए बारहवीं किसी भी संकाय से उत्तीर्ण होना जरूरी है।

स्टडी कोर्स

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में छात्र जियोलॉजी, भौतिकी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों द्वारा पेट्रोलियम की रिकवरी, डेवलपमेंट और प्रोसेसिंग के बारे में जानते हैं। इसके अलावा ड्रिलिंग, मैकेनिक्स, पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम जैसे विषयों पर छात्रों की पकड़ बनाई जाती है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री को मुख्य तौर पर दो भागों में बांट कर देख सकते हैं- अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सेक्टर। अपस्ट्रीम सेक्टर में खोज, उत्पादन व तेल और प्राकृतिक गैसों का दोहन कैसे किया जाए, इसकी शिक्षा व ट्रेनिंग दी जाती है। डाउनस्ट्रीम सेक्टर में रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण से संबंधित पूरी जानकारी दी जाती है। पेट्रोलियम के क्षेत्र में टीम की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण होती है। एक पेट्रोलियम इंजीनियर को जियोलॉजिस्ट, अन्वेषणकर्ता, इंजीनियर, पर्यावरण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ काम करना पड़ता है।

अवसर

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लगभग आठ लाख लोगों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र अवसरों से भरा पड़ा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के द्वार आपके लिए खुले हैं। जिस तरह पेट्रोल के नए भंडार और क्षेत्र मिल रहे हैं, उससे यह क्षेत्र आने वाले समय में बड़ा लाभकारी साबित होगा।

संस्थान

- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
- डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, असम
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, इंस्टीटयूट ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज एंड कैमिकल इंजीनियरिंग, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, दिल्ली
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
- डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी सागर, मध्य प्रदेश
- महाराष्ट्र इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, महाराष्ट्र